R.N.I. No.ÙPHIN/2010/39063

हिन्दी दैनिक

सिन्धु टाइम्स

सिन्ध सदियों से हमारे देश की पहचान है, यह नदी गुज़रे जहां से समझो हिन्दुस्तान है।

वर्ष : 11
अंक : 250
पृष्ठ : 8
मूल्य - 2 रुपये

3 धर्मांतरण कराने वालों पर लगेगा रासुका ,संपति जब्त होगी : योगी

लखनऊ, बुधवार , 23 जून 2021

कश्मीर मुद्दा : प्रधानमंत्री मोदी की मीटिंग में हिस्सा लेंगे फारुक अब्दुल्ला और महबूबा 8

संक्षिप्त- समाचार

न्यायमूर्ति भंडारी 26 जून को संभालेंगे कार्यभार

नई दिल्ली वार्ता। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीय न्यायमूर्ति मुनीश्वर नाथ भंडारी 26 जून को न्यायमूर्ति संजय यादव के सेवानिवृत्त होने के बाद कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का पद संभालेंगे।केंद्रीय विधि मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर कहा, राष्ट्रपति ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 223 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुनीश्वर नाथ भंडारी को मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय के कर्तव्यों का पालन करने के लिए नियुक्त किया है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय यादव के इलाहाबाद उच्च न्यायालय से सेवानिवृत्ति होने के बाद 26 जून, 2021 को मुख्य न्यायाधीश कार्यालय में न्यायमूर्ति भंडारी कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का कार्यभार संभालेंगे।

भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली वार्ता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी कोरोना के खिलाफ देश की लड़ाई को कमज़ोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, श्री गांधी कोरोना के हर मोर्चे पर राजनीति कर रहे हैं। वह कब तक आभासी संवाददाता सम्मेलन करते रहेंगे, वह राज्यों में क्यों नहीं जाते।उन्होंने आरोप लगाया कि वैक्सीन की सबसे ज्यादा बर्बादी कांग्रेस शासित राज्यों में हुई है।

श्री पात्रा ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर कांग्रेस शासित राज्य से शुरू हुई। दूसरी लहर का सबसे बड़ा असर कांग्रेस शासित राज्यों में पड़ा। दूसरी लहर में सर्वाधिक मृत्यु के कांग्रेस शासित राज्यों में हुई। जिन राज्यों में वैक्सीन को लेकर हाहाकार मचा वह सब कांग्रेस शासित हैं और जिन राज्यों ने वैक्सीन से इनकार किया वह भी कांग्रेस शासित राज्य हैं।

पिछले 91 दिनों में कोरोना के सबसे कम मामले

नई दिल्ली वार्ता। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) के मामलों में आ रही कमी के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान संक्रमण के 42,640 नये मामले सामने आये और यह संख्या पिछले 91 दिनों में सबसे कम है।इस बीच सोमवार को 86 लाख 16 हजार 373 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये। देश में अब तक 28 करोड़ 87 लाख 66 हजार 201 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के 42,640 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर दो करोड़ 99 लाख 77 हजार 861 हो गया है। इस दौरान 81 हजार 839 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद इस महमारी को मात देने वालों की कुल संख्या बढ़कर दो करोड़ 89 लाख 26 हजार 038 हो गई हैं। सक्रिय मामले 40 हजार 366 कम होकर छह लाख 62 हजार 521 रह गये हैं।

कश्मीर के लोग शांति चाहते हैं, भटके हुए युवाओं को समझाने की जरूरतः बिपिन रावत

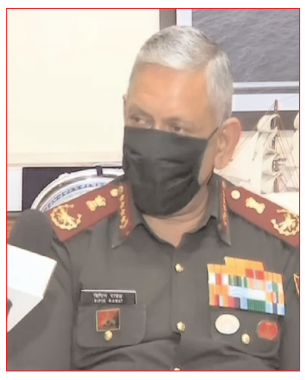

नई दिल्ली वार्ता। जनरल बिपिन रावत ने कहा कि सीमा पर अब तक संघर्ष विराम जारी है, जो एक सकारात्मक संकेत है। लेकिन ड्रोन का उपयोग करके हथियारों और गोला-बारूद के जरिए घुसपैठ की जा रही है जो कि शांति के लिए शुभ संकेत नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि यदि आंतरिक शांति प्रक्रिया बाधित होती है, तो हम वास्तव में यह नहीं कह सकते कि युद्धविराम अब तक जारी है। युद्धविराम का मतलब यह नहीं है कि आप सीमाओं पर संघर्ष विराम करें और भीतरी इलाकों में घुसपैठ करें। उन्होंने कहा कि हम पूरे जम्मू-कश्मीर में शांति चाहते हैं।

जम्मू-कश्मीर के लोग शांति चाहते हैं :रावत

रावत ने कहा कि मुझे पता है कि जम्मू-कश्मीर के लोग खुद शांति स्थापित करना चाहते हैं। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में बहुत सारे आतंकवाद और उग्रवाद देखे हैं। लोग अब शांति की वापसी की ओर देख रहे हैं, खासकर अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से उनकी उम्मीदें और बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो समय आएगा, जब लोग खुद हिंसा से दूर हो जाएंगे और घाटी में उग्रवाद नहीं होने देंगे, क्योंकि स्थानीय लोगों के समर्थन के बिना उग्रवाद और आतंकवाद जीवित नहीं रह सकते।

भटके हुए युवाओं को समझाने की जरूरतः रावत

कुछ युवा जिन्हें गुमराह किया गया है, मुझे लगता है कि हमें उनकी पहचान करने और यह देखने की जरूरत है कि हम उनके साथ कितनी अच्छी तरह बातचीत कर सकते हैं और उन्हें समझा सकते हैं कि आतंकवाद आगे का रास्ता नहीं है, बल्कि शांति आगे का रास्ता है।

तीनों सेनाओं को एकीकृत होने की जरूरतः रावत

उन्होंने कहा कि यदि तीनों सेनाएं एकीकृत होकर संयुक्तता और परिवर्तन की कोशिश करती हैं तब मुझे लगता है कि हम अपनी मौजूदा सेवाओं की बेहतर दक्षता और उपयोग को और भी बेहतर ढंग से सुनिश्चित कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हम भविष्य में मुकाबले के लिए बेहतर तरीके से तैयार होंगे।

थिएटर कमांड की गठन प्रक्रिया सही रास्ते परः रावत

रावत ने कहा कि थिएटर कमांड की गठन प्रक्रिया सही रास्ते पर चल रही है। हम तीनों सेवाओं के अधिकांश मुद्दों को हल करने में सक्षम हो गए हैं। जल्द ही कुछ अच्छा परिणाम मिलने वाला है।

बच्चों पर खिलौनों के प्रभाव पर हो शोधः ईरानी

नई दिल्ली वार्ता। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने बच्चों के न्यूरोलॉजिकल विकास पर खिलौनों के प्रभाव पर अनुसंधान का आह्वान करते हुए मंगलवार को कहा कि अनुसंधान निकायों को टिकाऊ खिलौनों की संभावनाओं पर गौर करना चाहिए।

श्रीमती ईरानी ने शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में काम कर रहे अनुसंधान निकायों से टिकाऊ खिलौनों की संभावनाओं को तलाशने का आग्रह किया। इससे पहले शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे ने टॉयकैथॉन 2021 के ग्रैंड फिनाले का उद्घाटन किया।

श्रीमती ईरानी ने कहा कि खिलौनों का बच्चों की साइकोमोटर क्षमताओं पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है, उनकी स्मृति कौशल पर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि बच्चे जिन 85 प्रतिशत खिलौनों के साथ खेल रहे हैं, वे आयातित हैं और मुख्य रूप से प्लास्टिक से बने होते हैं।

उन्होंने स्थायी खिलौने बनाने के लिए अनुसंधान निकायों और खिलौना निर्माताओं को आमंत्रित किया।

शवेत पत्र में हैं तीसरी लहर का असर नियंत्रित करने के सुझाव : राहुल

नई दिल्ली वार्ता। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि कोविड ने गहरा दर्द दिया है और इसके कारण देश ने लाखों लोगों को खोया है लेकिन सरकार अभी भी संभल नहीं रही है इसलिए पार्टी ने श्वेत पत्र जारी कर सरकार को संभावित तीसरी लहर का असर नियंत्रित करने के सुझाव दिए हैं।

श्री गांधी ने मंगलवार को यहां विशेष संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी पार्टी ने यह श्वेत पत्र विस्तृत रूप से तैयार किया है। उनका कहना है कि इस श्वेत पत्र के ज़रिए उनका मक़सद सरकार पर अंगुली उठाना नहीं बल्कि सरकार ने पहली और दूसरी लहर को मात देने के दौरान जो गलतियां की है, संभावित तीसरी लहर में उन गलतियों को सुधारने और सही कदम उठाने का सुझाव दिया गया है।

उन्होंने कहा,हम जानते हैं कि आने वाले समय में इन गलतियों को ठीक करना होगा। पूरा देश जानता है कि दूसरी लहर से पहले हमारे वैज्ञानिकों और डाक्टरों ने दूसरी लहर आने की बात की थी। उस समय जो एक्शन सरकार को लेने चाहिये थे, सरकार का जो व्यवहार होना चाहिए था, वो नहीं रहा और उसकी वजह से पूरे देश को दूसरी लहर का दर्द सहना पड़ा।

कांग्रेस नेता ने कहा कि तीसरी लहर की बात की जा रही है लेकिन हम अभी भी दूसरी लहर से पहले की स्थिति में ही खड़े हैं। जब पूरा देश जानता है कि तीसरी लहर आने वाली है और सरकार को उससे निपटने की पूरी तैयारी करनी चाहिए। अस्पताल बेड, ऑक्सीजन, दवाइयां आदि की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। मतलब यह कि जो काम दूसरी लहर में नहीं हो सका वह तीसरी लहर की तैयारी में पूरा करनी है।श्री गांधी ने कहा, श्वेत पत्र का लक्ष्य एक प्रकार से रास्ता दिखाना है। हमने इसमें चार बिंदु निकाले हैं। तीसरी लहर से लड़ना है तो हिंदुस्तान के हर शहर में अस्पताल और गांव में जो सहयोग की जरुरत है वह सब तैयार हो। लोगों की ऑक्सीजन की जरुरत आसानी से पूरी हो और बिना कारण किसी की भी मृत्यु नहीं हो। दूसरी लहर में लाखों लोग बेवजह मरे हैं। तीसरी लहर में फिर से ऐसा ना हो।

उन्होंने आगे कहा, कोविड सिर्फ बायोलॉजिकल बीमारी नहीं है बल्कि यह आर्थिक एवं सामाजिक बीमारी भी है इसलिए सरकार को गरीबों, छोटे कारोबारी आदि को आर्थिक सहायता देनी चाहिए। हमने एक न्याय की अवधारणा दी है। अगर नाम प्रधानमंत्री जी को अच्छा ना लगें तो उसका नाम बदल दें लेकिन असली अवधारणा गरीबों की जेब में, गरीबों के घर में सीधे निधि पहुंचाएं।

श्री गांधी ने कहा कि कोरोना के कारण पीड़ित लोगो को अर्थिक मदद मिलनी चाहिए और इसके लिए एक कोविड सहायता निधि बनाई जानी चाहिए। इस निधि से उन परिवारों के घर में सीधे पैसे पहुंचे जिनके कमाऊ सदस्य की कोरोना से मृत्यु हो गई है। उनको मुआवजा दिया जाए और उनको पैसा सीधे इस निधि से मिले।

पवार के घर बैठकः राहुल गांधी का टिप्पणी से इनकार, बोल, यह राजनीति पर चर्चा का समय नहीं

नई दिल्ली वार्ता। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राकांपा प्रमुख शरद पवार के आवास पर विपक्षी नेताओं की बैठक पर मंगलवार को टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि यह राजनीति पर चर्चा करने का समय नहीं है।कोरोना महामारी को लेकर डिजिटल संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करने के दौरान उन्होंने कहा कि वह सिर्फ कोविड के हालात और तीसरी लहर की आशंका देखते हुए की जाने वाली तैयारियों पर बातचीत करना चाहेंगे।कांग्रेस नेता ने कहा कि मेरा इरादा कोविड की स्थिति को केंद्रबिंदु में लाने का है। मेरा इरादा यह है कि हम सरकार को कदम उठाने की दिशा की तरफ मोड़ें। इसलिए मैं खुद को और आपको भटकाना नहीं चाहता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस पर बातचीत करने का समय और स्थान अलग है तथा समय आने पर वह बात करेंगे।गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल समेत अनेक विपक्षी दलों तथा वाम दलों के नेता मंगलवार को एक बैठक के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार के आवास पर जमा हुए।

तीसरे मोर्चे की कवायद

ढाई घंटे चली पवार के घर बैठक, यशवंत सिन्हा को मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली वार्ता। कांग्रेस को किनारे कर विपक्ष के अन्य दलों को नए मंच पर लाने के लिए एनसीपी नेता शरद पवार के दिल्ली आवास पर मंगलवार को विभिन्न दल के नेताओं की बैठक ढाई घंटे बाद समाप्त हो गई है। बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की अगुवाई वाले यूपीए की जगह अब एक नए गठबंधन की कवायद तेज हो गई है।बैठक को लेकर सबसे पहले प्रतिक्रिया तृणमूल कांग्रेस नेता यशवंत सिन्हा की ओर से आई। हालांकि उन्होंने बस इतना ही कहा कि राष्ट्र मंच की बैठक ढाई घंटे चली और कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

राकांपा नेता मजीद मेमन ने कहा कि मीडिया में बताया जा रहा है कि राष्ट्र मंच की यह बैठक शरद पवार ने भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों को एकजुट करने के लिए की थी। यह पूरी तरह गलत है। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह बैठक पवार के आवास पर हुई लेकिन उन्होंने यह बैठक नहीं बुलाई।

मेमन ने यह भी कहा कि यह बैठक राष्ट्र मंच के प्रमुख यशवंत सिन्हा ने बुलाई थी और राष्ट्र मंच के सभी संस्थापक सदस्यों और कार्यकर्ताओं की मदद से बुलाई गई थी। कहा जा रहा है कि शरद पवार साहब बड़ा राजनीतिक कदम उठा रहे हैं और कांग्रेस का बहिष्कार किया गया है। यह गलत है।मेमन ने कहा कि कोई राजनीतिक बहिष्कार नहीं है। हमने राष्ट्र मंच की विचारधारा को मानने वाले नेताओं को आमंत्रित किया है, जिसमें सभी राजनीतिक दलों के नेता आ सकते हैं। कोई राजनीतिक भेदभाव नहीं है। मैंने व्यक्तिगत रूप से कांग्रेस सदस्यों को आमंत्रित किया था।

मेमन ने कहा कि कांग्रेस नेता विवेक तन्खा, मनीष तिवारी, कपिल सिब्बल, डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी और शत्रुघ्न सिन्हा को आमंत्रित किया गया था। उनमें से कुछ ने वास्तविक कठिनाइयों को व्यक्त किया। यह धारणा गलत है कि कांग्रेस को छोड़कर एक बड़ा विपक्षी समूह बनने जा रहा है।

समाजवादी पार्टी के नेता घनश्याम तिवारी ने बताया कि आज की बैठक का सारांश यह है कि देश में एक वैकल्पिक विचारधारा तैयार करने की आवश्यकता है, जो आम आदमी से जुड़े मुद्दों को हल करने के लिए मजबूत हो।उन्होंने कहा कि राष्ट्र मंच ने देश के नागरिकों और संगठनों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक मजबूत वैकल्पिक विचारधारा वाली एक टीम गठित करने के लिए, संयोजक यशवंत सिन्हा को नियुक्त किया है।

इस बैठक से पहले भाकपा सांसद बिनॉय विश्वम, टीएमसी नेता यशवंत सिन्हा, गीतकार जावेद अख्तर, राष्ट्रीय लोकदल अध्यक्ष जयंत चौधरी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला एनसीपी प्रमुख शरद पवार के घर पहुंचे। इस दौरान बिनॉय विश्वम ने कहा कि यह सबसे नफरत वाली और विफल हो चुकी सरकार के खिलाफ सभी धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक वाम ताकतों का एक मंच है। देश को बदलाव की जरूरत है।

कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों में सहयोग के लिए भारत व फिजी के बीच हुआ समझौता

नई दिल्ली वार्ता। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और फिजी के कृषि, जलमार्ग और पर्यावरण मंत्री डॉ. महेंद्र रेड्डी के बीच कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों में सहयोग के लिए मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से भारत दुनिया को सदैव सहयोग करता रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना महामारी के दौर में इसी भावना से सभी देशों को मदद पहुंचाई है। श्री तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने प्रारंभ से कृषि और गांवों की तरक्की पर फोकस किया है। ग्रामीण और कृषि क्षेत्र समृद्ध होगा तो देश समृद्ध होगा और ऐसा होने पर दुनिया को सहयोग करने की अपनी भूमिका को हम और अच्छी तरह निभा सकेंगे। इसी दिशा में एक लाख करोड़ रुपये के कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, 10 हजार किसान उत्पादक समूह (एफपीओ) की स्कीम जैसे अनेक ठोस कदम देश में उठाए गए हैं। महामारी के दौर में भी किसानों को दो लाख करोड़ रुपये के ऋण दिए गए हैं और कृषि के क्षेत्र ने अपनी प्रासंगिकता को सिद्ध किया है । पहले से अधिक उत्पादन व उपार्जन हुआ है।श्री तोमर ने कहा कि भारत और फिजी के सौहाद्रपूर्ण व मित्रवत सम्बन्ध पारस्परिक सम्मान, सहयोग एवं सशक्त सांस्कृतिक तथा जन-संबंधों पर आधारित हैं। प्रधानमंत्री की फिजी की ऐतिहासिक यात्रा और पहले फोरम फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड्स कोऑपरेशन से फिजी तथा व्यापक प्रशांत क्षेत्र के साथ भारत के जुड़ाव को नई गति मिली है। आज इस एमओयू पर हस्ताक्षर दोनों देशों के बीच बहुआयामी विकास सहयोग को और अधिक मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा।श्री तोमर ने कहा कि खाद्य और कृषि का जलवायु परिवर्तन से गहरा संबंध है। दोनों देश इस बारे में वैश्विक चुनौतियों से निपटने में सहयोग कर रहे हैं। कोरोना महामारी के बावजूद हम चक्रवात यास से प्रभावित समुदायों की आजीविका बहाली के लिए, सरकार से अनुदान के रूप में, फिजी द्वारा अनुरोध किए गए 14 किस्मों के फल-सब्जियों के लगभग सात टन बीजों की खेप वितरित करने में सक्षम रहे हैं।

फिजी के मंत्री डॉ. रेड्डी ने एमओयू होने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि दोनों देश अपने पारस्परिक संबंधों को इसी तरह गतिशील रखेंगे। उन्होंने बताया कि एमओयू के तहत, प्रक्रिया निर्धारित करने तथा इसके लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सहयोग के कार्यक्रमों की योजना बनाने और अनुशंसा करने के लिए एक संयुक्त कार्यकारी समूह की स्थापना की जाएगी। यह एमओयू पांच साल के लिए किया गया है।

एमओयू में डेयरी उद्योग, चावल , नारियल , बागवानी और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग विकास, जड़ फसल विविधीकरण, जल संसाधन प्रबंधन, कृषि यंत्रीकरण, कृषि अनुसंधान, पशुपालन, कीट और रोग, मूल्य संवर्धन और विपणन, फसलोपरान्त तथा मिलिंग, प्रजनन एवं कृषि विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग का प्रावधान किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय : विश्व के इन 9 देशों में डेल्टा + वेरिएंट का खौफ

भारत के तीन राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली वार्ता। प्रधानमंत्री के एलान के बाद से 21 जून यानी योग दिवस के मौके पर कोरोना टीकाकरण के तीसरे चरण की शुरुआत हो गई। स्वास्थ मंत्रालय के अनुसार भारत में इस दिन लोगों को रिकॉर्ड 88.09 लाख खुराकें लगाई गईं जो कि अब तक सबसे अधिक थी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कोरोना का डेल्टा वेरिएंट भारत सहित 80 देशों में पाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि डेल्टा प्लस 9 देशों में पाया गया है। इनमें अमेरिका, ब्रिटेन, पुर्तगाल, स्विटजरलैंड, जापान, पोलैंड, नेपाल, चीन और रूस का नाम शामिल है। जबकि भारत में इसके 22 मरीज मिले हैं। वहीं इस डेल्टा प्लस वेरिएंट के लिए भारत सरकार ने महाराष्ट्र, केरल और मध्य प्रदेश को सतर्क रहने को कहा है, क्योंकि इन राज्यों के कुछ जिलों में इनके मरीज मिले हैं। राज्यों के मुख्य सचिवों को सलाह दी गई है कि वे जिलों और समूहों में तत्काल रोकथाम के उपाय करें।

टीका आपूर्ति रोकने की खबर गलत = स्वास्थ्य मंत्रालय

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि केंद्र ने सुनिश्चित किया था कि राज्य सीधी खरीद श्रेणी के तहत कोविड-19 टीकों की पूरी आपूर्ति संबंधित प्रदेशों को 21 जून से पहले उपलब्ध हो जाए। मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि मीडिया में आई खबरों में आरोप लगाया गया है कि मुफ्त कोविड-19 टीकाकरण अभियान के दौरान दिल्ली सरकार को 18 से 44 वर्ष आयु समूह के लिए मुफ्त टीके की आपूर्ति नहीं की गई है।

बयान में कहा गया है कि यह स्पष्ट किया जाता है कि भारत सरकार ने राज्य सीधी खरीद श्रेणी के तहत कोविड-19 टीकों की पूरी आपूर्ति संबंधित प्रदेशों को 21 जून तक मुहैया करना सुनिश्चित किया था। डाटा के मुताबिक, राज्य सीधी खरीद श्रेणी के तहत आंवटित 5.6 लाख खुराक दिल्ली को टीका विनिर्माताओं ने 21 जून से पहले आपूर्ति कर दी गई।

वैक्सीनेशन को जनअभियान बनाएं लोकतांत्रिक संस्थाएं : बिरला

नई दिल्ली वार्ता। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ वैक्सीनेशन ही सबसे मजबूत कवच है और लोकतांत्रिक संस्थाओं को इसे जनअभियान बनाने में योगदान देना चाहिए ताकि तीसरी लहर की संभावना को रोका जा सके।

श्री बिरला ने यहां मंगलवार को देश भर के विधानमंडलों के अध्यक्षों से वर्चुअल संवाद करते हुए कहा कि अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस से केंद्र एवं राज्य सरकारों ने देश भर में सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए वैक्सीनेशन अभियान को वृहद स्वरूप दिया है। ऐसे में देश की सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं को भी आगे आकर इस अभियान को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका चाहिए।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं और उनमें निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का आमजन से सीधा जुड़ाव होता है। कोविड के दौरान राहत कार्यों का नेतृत्व कर जनप्रतिनिधियों ने इस जुड़ाव को और मजबूत किया है। अब जब कोरोना की दूसरी लहर लगभग नियंत्रित हो चुकी है, ऐसे में जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे संभावित तीसरी लहर को सच्चाई नहीं बनने दें।

उन्होंने कहा कि तीसरी लहर को रोकने और कोरोना से देश की जनता की रक्षा का सर्वश्रेष्ठ माध्यम वैक्सीनेशन ही है। इसको देखते हुए संसद, विधानसभाएं, जिला परिषदें, पंचायत समितियों और ग्राम पंचायतों के सदस्य अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए आगे आए और लोगों को जल्द से जल्द वैक्सीनेशन करवाने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि इसी के साथ हमें वैक्सीनेशन के प्रति आमजन के मन में जो शंकाएं और भ्रम हैं, उनको भी दूर करना होगा। जनता का जनप्रतिनिधि पर विश्वास होता है। जनप्रतिनिधि उन्हें बताएं कि वैक्सीनेशन पूरी तरह सुरक्षित है और कोरोना के खिलाफ सबसे सशक्त माध्यम है।

इस दौरान श्री बिरला ने लोकसभा अध्यक्ष के रूप में दो वर्ष के अपने कार्यकाल के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा कि लोकसभा में सदन के नेता प्रधानमंत्री और सभी दलों के नेताओं के सामूहिक प्रयासों से कार्य उत्पादकता बढ़ी तथा विषयों एवं विधेयकों पर चर्चा की गुणवत्ता में वृद्धि हुई। सदन में सभी दलों के नेताओं को अपनी बात रखने के पर्याप्त समय एवं अवसर दिए गए जिससे जनभावनाओं की सदन में सशक्त अभिव्यक्ति हो सकी। इस दौरान पांचों सत्रों में सदन ने 122.2 प्रतिशत उत्पादकता हासिल की।

महिलाओं को प्रशिक्षित करने के लिए विश्वविद्यालय छात्राओं को करें तैयार: आनंदीबेन

लखनऊ,संवादाता। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि महिलाओं को प्रशिक्षित करने के लिए विश्वविद्यालय छात्राओं को तैयार किया जाये, ताकि वे समाज में फैली विभिन्न सामाजिक कुरीतियों से बचने के लिए महिलाओं को जागृत कर सके।

श्रीमती पटेल आज यहां मेरठ के सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान मथुरा के कुलपतियों के साथ की गयी समीक्षा बैठक के दौरान ये निर्देश दिये।उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने महिला अध्ययन केन्दों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण के लिए चला रहे कृषि एवं पशुपालन के कार्यक्रमों के साथ ग्रामीण विकास के अन्य कार्यक्रमों को भी संचालित करें। जिसमें ग्रामीण महिलाओं, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं तथा नव निर्वाचित महिला ग्राम प्रधानों को जोड़कर उन्हें केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं कार्यक्रमों की भी जानकारी दें। उन्होंने कहा कि महिला ग्राम प्रधानों को विश्वविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर प्रशिक्षण देने से उनके अंदर आत्मविश्वास जगेगा तथा योजनाओं की जानकारी होने से वे अपनी ग्राम पंचायत में उनके लाभ जरूरत मंदो को दे सकेंगी।

कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने परिसर के आस-पास के गांवो को गोद लेकर उसमें आंगनबाड़ी केन्द्रो को सुविधा सम्पन्न बनाये ताकि इनके माध्यम से कुपोषित तथा क्षय रोग ग्रसित बच्चों को रोग मुक्त किया जा सकें। इस कार्य सभ्रान्त नागरिकों को भी जोड़ा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा स्वच्छता, सैनिटाइजेशन, आत्मनिर्भरता, स्वावलंबन आदि की जानकारी भी नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों को सेमिनार आयोजित कर दें ताकि उनके अंदर आत्म विश्वास जागे और वे विभिन्न कार्यक्रमों को अपनी ग्राम सभा में जरूरतमंदों को लाभ देकर विकास कार्यों को गति प्रदान कर सकें।

राज्यपाल ने कहा कि इन महिलाओं को प्रेरित एवं प्रशिक्षित करने के लिए विश्वविद्यालय की छात्राओं को तैयार किया जाये, ताकि वे समाज में फैली विभिन्न सामाजिक कुरीतियों से बचने के लिए महिलाओं को जाग्रत कर सके।

कुलाधिपति ने कहा कि पूर्णपारदर्शिता एवं शुचिता के साथ नियुक्ति की जाय तथा नियुक्ति के लिए निर्धारित मापदण्ड़ो का अक्षरश: पालन किया जाये।उन्होंने निर्देश दिया कि शत-प्रतिशत विद्यार्थियों की डिग्री यथाशीघ्र उनके पते पर प्रेषित करें, उचित होगा की डिजीटल लॉकर की व्यवस्था की जाये। राज्यपाल ने महालेखाकार द्वारा निर्धारित ऑडिट आपत्तियों को भी समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि किसी भी दिशा में वित्तीय अनियमितता नही होनी चाहिए विश्वविद्यालय द्वारा जो भी अग्रिम दिये गये है उनकी नियमानुसार समय से वसूली हो तथा खातों की संख्या भी न्यूनतम रखी जाये तथा कार्मिकों के वेतन से पेंशन के लिये की जा रही अंशदान में कटौती को नियमानुसार खातों में जमा कराना सुनिश्चत करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में जो भी निर्माण कार्य चल रहे है उनकी भी कमेटी बनाकर समय-समय पर अनुश्रवण करते रहें।

इस अवसर पर कुलाधिपति ने नयी शिक्षा नीति, शैक्षिक सत्र, विश्वविद्यालय की आवासीय व्यवस्था, विश्वविद्यालय के लम्बित मुकदमों आदि पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कुलपति को अपने सभी स्टाफ उनके परिजन तथा छात्रों के शत-प्रतिशत टीकाकरण के निर्देश भी दिये।

बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता, विशेष कार्याधिकारी डा0 पंकज जानी, विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

योगी सरकार किसानो की हितैषी : शाही

लखनऊ,संवादाता। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि उनकी सरकार हमेशा किसानो की हितैषी रही है जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण है कि पिछली सरकारों की तुलना में मौजूदा सरकार के कार्यकाल में न सिर्फ पैदावार में इजाफा हुआ बल्कि किसानो से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की रिकार्ड खरीद की गयी।

श्री शाही ने मंगलवार को यहां पत्रकारों से कहा कि सोमवार तक न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 1288461 किसानों से कुल रूपये 11082.56 करोड़ रूपये मूल्य के 5611422.51 मीट्रिक टन गेहूँ की खरीद सुनिश्चित की जा चुकी है। अभी तक किसानों को रूपये 10019.57 करोड़ का भुगतान कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार द्वारा वर्ष 2017-18 से अब तक मात्र चार वर्ष के कार्यकाल में 4634828 किसानों से कुल रूपये 39037.01 करोड़ मूल्य के 218.86 लाख मीट्रिक टन गेहूँ की खरीद की गयी है, जबकि 2007-08 से 2016-17 के बीच सपा और बसपा के कार्यकाल के दौरान मात्र 26469.35 करोड़ रूपये मूल्य के 221.07 लाख मी0टन गेहूँ की खरीद की गयी थी।

श्री शाही ने कहा कि इसी प्रकार वर्तमान सरकार द्वारा वर्ष 2017-18 से अब तक के कार्यकाल में 3188529 किसानों से रूपये 37825.66 करोड़ रूपये मूल्य के 214.56 लाख मी0टन धान की खरीद की गयी है, जबकि 2007-08 से 2016-17 के मध्य 10 वर्षों में 1889362 किसानों से रूपये 28040.98 करोड़ मूल्य के 238.49 लाख मी0टन धान की खरीद की गयी। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्ष में प्रदेश में रिकार्ड खाद्यान्न उत्पादन हुआ है और खाद्यान्न उत्पादकता 22.71 कुतल प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 30.84 कुंतल प्रति हेक्टेयर हो गयी है।

कृषि मंत्री ने बताया कि योगी सरकार के कार्यकाल में गन्ना किसानों का अब तक रूपये 137820.96 करोड़ रूपये का भुगतान किया जा चुका है, जबकि वर्ष 2012-2017 के मध्य मात्र रूपये 95215 करोड़ का ही भुगतान किया गया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत 47.21 लाख बीमित किसानों के सापेक्ष 9.36 लाख प्रभावित किसानों को 1043.40 करोड़ रूपये की क्षतिपूर्ति का भुगतान किया जा चुका है, जोकि वर्ष 2016-17 में क्षतिपूर्ति का भुगतान की गयी धनराशि रूपये 569.01 करोड़ रूपये से लगभग दोगुना अधिक है।

औरैया में गौशालाओं के बेहतर प्रबंधन पर एक लाख रुपये का पुरस्कार

औरैया,,संवादाता। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में गौशालाओं के बेहतर प्रबंधन तथा गोवंशो के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु एनजीओ, एफटीओ, स्वयं सहायता समूह को गौशालाओं का संचालन पार्टनर बनाया जा रहा है। जिनमें प्रतिवर्ष बेहतर प्रबंधन एवं गोवंश संरक्षण करने वाले किसी एक एनजीओ, एफटीओ एवं स्वयं सहायता समूहों को महाकालेश्वर देवकली व मंगलाकाली देवस्थान एवं गोवंश संरक्षण ट्रस्ट द्वारा एक लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

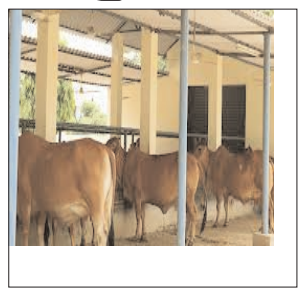

यह जानकारी जिलाधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने मंगलवार को देते हुए बताया कि यह पुरस्कार औरैया रत्न पुरस्कार के साथ ही घोषित किया जाएगा। इस पुरस्कार हेतु गोवंश संरक्षण एवं संवर्धन ट्रस्ट द्वारा स्पॉन्सर शिप प्राप्त की जा सकती है। पुरस्कार में एक लाख रुपये की धनराशि के अलावा एक प्रशस्ति पत्र एवं एक प्रतीक चिन्ह भी दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि गौशालाओं के संचालन हेतु एनजीओ, एफटीओ व स्वयं सहायता समूह को दो वर्ष का एमओयू साइन कर हस्तांतरण किया जाएगा। सरकार से मिलने वाले 30 रूपए प्रति गाय के अनुदान को संस्था भूसा, हरा चारा, दाना इत्यादि पर खर्च करेंगी। जिला स्तरीय समिति द्वारा हरे चारे की दरें निर्धारित की जा चुकी है। गौशाला की परिसंपत्तियों पर संस्था का कोई अधिकार नहीं होगा एवं कोई भी स्थायी निर्माण संस्था नहीं कर सकेगी। जिलाधिकारी ने बताया कि संस्था द्वारा गौशाला में निकलने वाले गोबर गोमूत्र इत्यादि का व्यापारिक इस्तेमाल किया जा सकता है। जिस से होने वाली आय का आधा हिस्सा गौशाला फंड में वापस देना होगा बाकी आधा उनकी आमदनी का स्रोत हो सकता है।

उन्होंने बताया कि जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिन पांच विशिष्टजनों को औरैया रत्न मिलेगा उनमें पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वालों को भी शामिल किया गया है। बताया कि अब पहली श्रेणी के तहत कला, आर्ट, संस्कृति, साहित्य, खेलकूद, पत्रकारिता व पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले को पुरस्कार दिया जायेगा। दूसरी श्रेणी में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा में ऐसे व्यक्ति एवं संस्थाओं/सरकारी विभागों को पुरस्कार दिया जाएगा जिन्होंने जनपद के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में बेहतर कार्य किया हो। तीसरी श्रेणी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सरकारी/प्राइवेट शिक्षको/एनजीओ/संस्थाओं को यह पुरस्कार दिया जाएगा। चौथी श्रेणी प्रशासनिक और सरकारी सेवा के अन्तर्गत जिले के उत्थान तथा जिले के निवासियों को बेहतर सेवा देने वाले सरकारी कर्मियों को पुरस्कार दिया जायेगा। पांचवीं श्रेणी समाज सेवा में ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने समाज के उत्थान के लिए बहुत ही उतकृष्ट कार्य किया हो, को यह पुरस्कार दिया जाएगा।

जिलाधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि पुरस्कार के लिए 30 जून तक आवेदन लिये जाएंगे।

गजरौला में बस यात्रियों को दबंगो ने पीटा

अमरोहा, 22 जून (वार्ता) उत्तर प्रदेश में अमरोहा जिले के गजरौला क्षेत्र में दबंगो ने एक लग्जरी बस में यात्रियों के साथ जमकर मारपीट की और फरार हो गये।

डबल डेकर वोल्वो लग्जरी बस पंजाब से हरदोई जा रही थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय मार्ग पर औद्योगिक क्षेत्र गजरौला स्थित पुलिस क्षेत्राधिकारी(सीओ)ऑफिस के सामने 15-20 बेखौफ दबंगों ने अचानक बस को चारों ओर से घेर कर हमला बोल दिया। उन्होने यात्रियों को लोहे की स्टिक, लाठी-डंडों से जमकर पीटा जिससे चीख पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने दबंगों की संख्या 15-20 के आसपास बताई है।

सूत्रों ने बताया कि डग्गामार वाहनों के संरक्षण देने वाले दबंगों का जमावड़ा गजरौला फ्लाईओवर चौपला पर हर समय लगा रहता है। आनंद विहार दिल्ली से बरेली के लिए डग्गामार बसों में बैठाकर सवारियों को गजरौला में छोडने का सिलसिला लगातार जारी है।यात्रियों के विरोध करने पर गजरौला में सवारियों के साथ मारपीट की घटनाएं आम हो गई है।इस तरह यात्रियों द्वारा अपने शोषण, उत्पीडन की शिकायतों पर गौर नहीं दी जाती, जिससे इस तरह की मारपीट घटनाएं घटती जा रही हैं।

पुलिस अधीक्षक पूनम ने बताया कि मेरठ रोड स्थित किठौर कस्बे के कुछ लोग बस में चढे थे, सवारी बिठाने को लेकर विवाद हुआ था। सवारियों को चोट नहीं आई है, मामले की जांच की जा रही है। हमलावरों के पता लगाया जा रहा है। वॉल्वो चालक की ओर से फिलहाल कोई तहरीर नहीं दी गई है।

इटावा जंक्शन से कड़ी सुरक्षा के बीच 25 जून को गुजरेगी प्रेसीडेंशियल स्पेशल

इटावा, ,संवादाता। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 25 जून को प्रेसीडेंशियल स्पेशल ट्रेन से अपने पैतृक गांव उत्तर प्रदेश के कानुपर देहात के परौख जाएंगे ।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ओमवीर सिंह ने बताया कि श्री कोविंद की 25 जून की प्रस्तावित यात्रा के मद्देनजर तहत सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किये जा रहे है । इटावा के करीब 60 किलोमीटर के दायरे में बलरई से लेकर साम्हो स्टेशन तक 44 प्वांइट पर सुरक्षा इंतजाम के साथ-साथ उन इमारतो पर निगरानी रखी जा रही है,जो रेलवे लाइन के किनारे है ।उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति की यात्रा को लेकर दिल्ली से कानपुर रेल मार्ग पर हाई अलर्ट घोषित किया गया है। इटावा जंक्शन से भी इस विशेष ट्रेन को कड़ी सुरक्षा के बीच गुजारा जाएगा । उन्होंने बताया कि 25 जून को इटावा जंक्शन के अलावा आसपास का क्षेत्र पूरी तरह से छावनी में तब्दील रहेगा जब तक राष्ट्रपति की ट्रेन जंक्शन से पास नहीं होगी तब तक लोगों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा।

प्रेसीडेंसियल स्पेशल ट्रेन से होने वाला राष्ट्रपति का दौरा सुरक्षा के लिहाज से काफी अहम है। इसी के चलते जीआरपी व आरपीएफ के अलाबा सिविल पुलिस भी विशेष सुरक्षा व्यवस्था में जुटी है ।

तीन की नदी में डूबने से मौत

मिर्जापुर ,संवादाता। उत्तर प्रदेश में मिर्जापुर के जमालपुर इलाके के गरई नदी में आज डूबने से चचेरे भाई बहन की मौत हो गई ।पुलिस ने यहां कहा कि इसी थाना क्षेत्र के रेरुपुर गांव निवासी राजेश भारती और रामचरन सगे भाई है। राजेश का पुत्र संदीप 12 वर्ष और रामचरन की पुत्री प्रियंका 10 आज सुबह भैस चराने गये हुए थे। चंदौली गांव के पास नदी में भैंस चली गई। दोनों भैस निकालने के नदी में उतर गए और गहरे पानी में चले जाने से दोनों डूब गये। स्थानीय लोगों ने दोनों को निकाला तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी ।दूसरी घटना मडिहान थाना क्षेत्र के शिष्टा गांव के पास की है।

हाई कोर्ट ने जिला न्यायालयों और न्यायाधिकरणों के कामकाज के लिए दिशा निर्देश किये जारी

जौनपुर ,संवादाता। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मंगलवार को यूपी में कोविड स्थिति पर विचार करते हुए, अपने अधीनस्थ सभी न्यायालयों और न्यायाधिकरणों के कामकाज के लिए संशोधित नए दिशानिर्देश जारी किए , जो कल 23 जून से लागू होंगे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार महानिबंधक द्वारा भेजे पत्र में कहा गया है कि उच्च न्यायालय के अधीनस्थ सभी न्यायालय एवं न्यायाधिकरण साक्ष्य की रिकॉर्डिंग को छोड़ सभी मामले को सुनेंगे । अत्यावश्यक प्रकृति के मामलों को प्राथमिकता दी जाएगी। विचाराधीन कैदी के संबंध में रिमांड व अन्य न्यायिक कार्य केवल वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया जाएगा। किसी भी तकनीकी समस्या के मामले में, अन्य तरीके अपनाए जा सकते हैं।

कार्यालय से संबंधित अन्य लंबित कार्य व कोई अन्य प्रशासनिक कार्य जैसे ही कार्य पूरा हो जाए, न्यायिक अधिकारियों और न्यायालय के कर्मचारियों को न्यायालय परिसर छोड़ने का निर्देश दिया गया है । परिसर खोलने से पहले, जिला न्यायाधीश जिला मजिस्ट्रेट, अन्य प्रशासनिक अधिकारियों और सीएमओ व सीएमएस की मदद से पूरे कोर्ट परिसर की सफाई पूरी तरह से सुनिश्चित करेंगे। जिला अधिकारी प्रतिदिन कोर्ट परिसर का सैनिटाइजेशन सुनिश्चित करेंगे।

न्यायालय परिसर में प्रवेश करने वाले सभी व्यक्तियों की थर्मल स्कैनिंग जांच भी जिला मजिस्ट्रेट, अन्य प्रशासनिक अधिकारियों और सीएमओ एवं सीएमएस की मदद से सुनिश्चित की जाएगी।

फफूंद इलाके से जिला बदर दुराचारी गिरफ्तार

औरैया,,संवादाता। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के फफूंद क्षेत्र में पुलिस ने जिलाबदर दुराचारी को गिरफ्तार कर आज जेल भेज दिया ।पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फफूंद इलाके से पुलिस ने चेकिंग के दौरान ईदगाह रोड़ के पास से जिलाबदर दुराचारी हिस्ट्रीशीटर टिंकल उर्फ अनुज को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी उजीतीपुर का रहने वाला हे। तलाशी में उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद किये है।उन्होंने बताया कि इस बदमाश के विरूद्ध आर्म्स एक्ट व गुण्डा एक्ट आदि के मामले दर्ज हैं। इसी कारण उसे जिला बदर किया गया था।

डेढ़ साल की बच्ची के साथ बलात्कार,मौत

बहराइच,,संवादाता। उत्तर प्रदेश में बहराइच ज़िले के कोतवाली नानपारा क्षेत्र में एक डेढ़ वर्ष की बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है जिसकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी।

पुलिस अधीक्षक सुजाता सिंह ने मंगलवार को बताया कि 22 जून को रात्रि करीब एक बजे से 01ः30 बजे के मध्य ग्राम पतरहिया निवासी डेढ़ वर्षीय बच्ची को सोते समय परशुराम (30) विद्यालय में ले गया और दुराचार किया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी को ग्रामीणों की मदद से गिरफ्तार कर लिया है।

अभियुक्त के विरुद्ध रासुका की कार्यवाही भी की जा रही है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराकर इलाज मेडिकल कॉलेज बहराइच में कराया जा रहा था। इलाज के दौरान पीड़िता की मृत्यु हो गई है। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

ढाई करोड़ के हाथी दांत बरामद, तीन गिरफ्तार

सोनभद्र ,संवादाता। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र जिले के करमा क्षेत्र में पुलिस और वन विभाग की टीम ने तीन तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 10 किलो 60 ग्राम हाथी दांत बरामद किये। बरामद हाथी दांत की कीमत दो करोड़ पचास लाख रूपये आंकी गयी है।

पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने मंगलवार को बताया की पिछले कई दिनो से जिले से संरक्षित वन्य जीवो के अवशेष की तस्करी की सूचना मिल रही थी। सोमवार शाम करमा थाना पुलिस तथा वन दरोगा करमा राबर्टसगंज रेंज सोनभद्र वन प्रभाग को मुखबिर ने सूचना दिया कि कुछ तस्कर हाथी दाँत लेकर बनारस जाने वाले हैं। इस सूचना पर थानाध्यक्ष करमा व वन दरोगा सेक्सन अधिकारी करमा राबर्टसगंज रेंज सोनभद्र वन प्रभाग के नेतृत्व में सोनभद्र मीरजापुर राज्य मार्ग संख्या पांच पर राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय डिलाही के पास चेकिंग के दौरान बाइक पर बोरे मे दो हाथी दातँ के साथ तीन अभियुक्तो को पकड़ लिया गया। पकड़े गये हाथी दाँत का कुल वजन 10 किलो 60 ग्राम पाया गया। पकड़े गये हाथी दाँत का अन्तराष्ट्रीय बाजार में मुल्य करीब दो करोड़ पचास लाख रूपये है।पुलिस ने बताया की इस मामले में परमेश्वर प्रजापति ,भैया लाल मौर्या और धर्मलाल मौर्य को गिरफ्तार किया गया है।

भदोही में मारपीट के दौरान पूर्व प्रधान को मारी गोली

भदोही ,संवादाता। उत्तर प्रदेश में भदोही जिले के शहर कोतवाली इलाके के सराछत्रशाह बनकट गांव में मारपीट के दौरान एक पक्ष ने पूर्व प्रधान को आज गोली मार दी । गोली से घायल पूर्व प्रधान की हालत गंभीर बतायी गई है।भदोही में प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी के ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया है। मारपीट के दौरान दोनो पक्षों ने एक-दूसरे के वाहनों को भी तोड़ा-फोड़ा है।पुलिस अधीक्षक राम बदन सिंह ने आज यहां कहा कि पूर्व प्रधान संजय दुबे का पुत्र फोन से बात कर रहा था। इसी बात को लेकर पड़ोस के ही युवक राहुल दुबे से कहासुनी हो गयी। राहुल दुबे व पूर्व प्रधान संजय दुबे के परिवार वालों के बीच मारपीट शुरू हो गई। मारपीट में जमकर लाठी-डंडा व ईट-पत्थर चले हैं। जहां राहुल दुबे की बाइक तो वहीं पूर्व प्रधान संजय दुबे की कार को मारपीट के दौरान क्षतिग्रस्त कर दी गई ।मारपीट के दौरान ही राहुल दुबे ने अवैध असलहे से संजय दुबे पर ताबड़तोड़ तीन फायर झोक दिये । गोली उसके पेट में लगी है। उपचार के लिए उसे भदोही के सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां से वाराणसी ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया है। इस बीच भीड़ ने गोली चलाने वाले राहुल को भी पीटकर अधमरा कर दिया। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

मोटरसाइकिल पर शव मिलने से सनसनी

बस्ती ,संवादाता। उत्तर प्रदेश में बस्ती जिले के सोनहा थाना क्षेत्र के भानपुर-रुधौली मार्ग के खैरा-बैड़ा पुल पर मंगलवार को मोटर साइकिल पर एक व्यक्ति का शव मिला ।पुलिस सूत्रों ने यहाँ यह जानकारी दी ।उन्होंने बताया कि सोनहा थाना क्षेत्र के करनपुर ग्राम निवासी बलराम का शव उसके मोटर साइकिल पर मिला है सर पर चोट के निशान है। शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है ।पुलिस सूत्रों ने यह भी बताया कि बलराम अपने ससुराल शादी में गया था वहां से वापस आने के बाद यह घटना घटी है।

बस पलटी,दो घायल

कानपुर ,संवादाता। उत्तर प्रदेश में कानपुर के संचेडी क्षेत्र मे सोमवार देर रात राज्य परिवहन निगम की बस पलटने से दो यात्री घायल हो गये ।पुलिस ने बताया कि गोरखपुर से झांसी जा रही उरई डिपो की बस किसान नगर के पास अचानक पलट गई। बस में 32 यात्री सवार थे।

इस हादसे में उरई निवासी अनूप के 15 वर्षीय पुत्र रौनक घायल हो गया है जबकि भिंड निवासी 73 वर्षीय शिव कुमारी को भी चोट आई है जिन्हें इलाज के लिए तत्काल प्रभाव से एंबुलेंस द्वारा हैलट अस्पताल भिजवाया गया है।अन्य सवारियों को दूसरी रोडवेज बस द्वारा सकुशल सुरक्षित भिजवाया गया है। वही बस को रेस्क्यू करके सड़क से बस को हटा दिया गया है। लेकिन मौका पाकर चालक और परिचालक भाग चुके हैं जिनकी तलाश की जा रही है।

शत प्रतिशत वैक्सीनेशन के लिए सभी विभागों को देना होगा योगदान : मंडलायुक्त

झांसी ,संवादाता। उत्तर प्रदेश में युद्धस्तर पर जारी कोविड-19 वैक्सीनेशन के बीच उत्तर प्रदेश के झांसी मंडल में इस प्रक्रिया को शत प्रतिशत करने के लिए मंडलायुक्त अजय शंकर पांडेय ने सभी विभागों के योगदान की जरूरत को रेखांकित किया है।

मंडलायुक्त ने मंगलवार को बताया कि प्रदेश में कोविड-19 वैक्सीनेशन का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। वैक्सीनेशन की प्रगति में सुधार हेतु जनपद स्तर पर अभी तक कुछ चुने हुए विभाग ही अपना योगदान दे रहे हैं जैसे कि रेवेन्यू, ग्राम पंचायत, स्वास्थ्य, बाल विकास आदि जबकि शत प्रतिशत वैक्सीनेशन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की प्राप्ति समस्त विभागों को अपना योगदान देना होगा, जैसे कि शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, पीडबल्यूडी आदि।

श्री पांडेय के निर्देश पर टीकाकरण को गति देने के लिए रोज प्रतिपुष्टि देने के निर्देश थे। आयुक्त के द्वारा प्रतिदिन टीकाकरण की समीक्षा की जा रही है जिसके फलस्वरूप विगत कुछ दिनों में टीकाकरण की प्रगति में सुधार हुआ है परन्तु गत 19 जून तक जारी प्रगति रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्य प्राप्ति के लिए अभी और अधिक तेज गति से कार्य किये जाने की आवश्यकता है।

श्री पांडेय ने मण्डल में तैनात समस्त मण्डल स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे अपने विभाग के सभी क्षेत्र स्तरीय अधिकारियों/कर्मिचारियों को कोविड वैक्सीनेशन में अपनी भूमिका के निर्वाहन के लिए प्रेरित करें। सभी विभागीय कार्मिक अपने निवास एवं कार्यक्षेत्र के आस-पास रहने वाले लोगों को वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित करें तथा उन्हें वैक्सीनेशन के रजिस्ट्रेशन में भी सहयोग करें। मण्डल स्तरीय अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये है कि वे अपने क्षेत्र में नियमित रूप से भ्रमण करें जिसमें विभागीय योजनाओं के अनुश्रवण के साथ-साथ कोविड वैक्सीनेशन की प्रगति में अपने विभाग के योगदान का भी मूल्यांकन करें।

मंडल स्तर पर डेली ट्रैकिंग एंड प्रोग्रेस रिव्यू के लिए अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ? अल्पना बरतारिया व मंडलीय परियोजना प्रबंधक आनन्द चौबे को दायित्व सौंपा गया है, यह अधिकारी प्रतिदिन शाम को ही दैनिक प्रगति की स्थिति का जायजा लेते हैं और अगले दिन की वैक्सीन की आपूर्ति भी सुनिश्चित करते हैं। आयुक्त ने व्यापार मंडल व अन्य सामाजिक संगठनों से भी अपील की है कि वे लोगों को कोविड वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित करें। मंडल में अभी तक 18 वर्ष से 45 वर्ष के आयु के 1,24594 लोगों ने झांसी में, 25274 लोगों ने ललितपुर में, और 26814 लोगों ने जालौन में टीकाकरण कराया है। वही 45 वर्ष के अधिक आयु के 1,18819 लोगों ने झांसी में 1,61747 लोगों ने जालौन में, 75785 लोगों ने ललितपुर में टीकाकरण कराया है।

माध्यमिक स्कूलों में पढाई के लिये मिर्जापुर में अभिभावकों से लिया जा रहा फीड बैक

मिर्जापुर ,संवादाता। उत्तर प्रदेश मे सरकार माध्यमिक विद्यालयों में पठन पाठन शुरू करने पर विचार कर रही है और इसके लिए अभिभावकों से फीडबैक लिए जा रहे हैं।

कोविड 19 महामारी के चलते लगभग डेढ़ साल से विद्यालयों में शिक्षण कार्य ठप है। वर्तमान शैक्षिक सत्र में बोर्ड की हाईस्कूल और इंटर की परीक्षाओं को भी नहीं कराया गया। ऐसा यू पी बोर्ड के सौ साल के इतिहास में पहली बार हुआ है। जब एक तरह से सभी छात्रों को जनरल ढंग से उत्तीर्ण किया जा रहा है।

प्रदेश में कोरोना महामारी नियंत्रण में है। पूरे प्रदेश में सभी विभाग कोरोना गाइडलाइंस के साथ खोल दिए गए हैं। ऐसे में सरकार विद्यालयों में शिक्षण कार्य शुरू करने पर विचार विमर्श कर रही है।

यूपी बोर्ड के सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने प्रदेश के सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को पत्र भेजा है। जिसमें अभिभावकों से विद्यालय खोलने के सम्बन्ध में फीडबैक लेने के लिए कहा गया है। पहले चरण में कक्षा नौ से बारहवीं तक के लिए पठन-पाठन शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। सरकार अभिभावकों से लिखित सहमति पत्र ले लेना चाहती हैं। बोर्ड के सचिव श्री शुक्ल ने बाकायदा एक प्रारुप भेज कर छात्रों की संख्या एवं अभिभावकों से मिले सहमति आदि व्यौरा तलब किया है।

हालांकि कुछ तरह की सूचना प्रमुख सचिव माध्यमिक शिक्षा अनुराधा शुक्ला ने 16 सितंबर 2020 को विद्यालय खोलने के सम्बन्ध में मांगी थी । तब कोरोना गाइडलाइन के साथ खोली गयी थी। वर्तमान सत्र अप्रैल शुरू हो चुका है। पर विद्यालयों के बंद होने के कारण न तो कक्षाएं चल रही है।

Email: sindhutimes99@gmail.com

web: www.sindhutimes.in

लखनऊ, बुधवार, 23 जून 2021

राजधानी

सिन्धु टाइम्स 3

धर्मांतरण कराने वालों पर लगेगा रासुका ,संपत्ति जब्त होगी : योगी

लखनऊ ब्यूरो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धर्मांतरण मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए

दोषियों के खिलाफ गैंगेस्टर की कार्रवाई कर उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) में निरूद्ध करने के भी आदेश दिए हैं ।उन्होंने कहा कि धर्मांतरण कराने वालों की संपत्ति जब्त कर सख्त कार्रवाई की जाए।

यूपी एटीएस ने सोमवार को जबरन धर्मांतरण कराने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। दिल्ली से संचालित यह गिरोह बड़ी संख्या में लोगों का धर्मांतरण पैसा, शादी और नौकरी का लालच दे कर करा चुका है। सोमवार को लंबी पूछताछ के बाद दो लोगों को यूपी एटीएस ने गिरफ्तार कर लिया। इसमें एक का नाम मुफ्ती जहांगीर आलम है और दूसरे का नाम उमर गौतम है। इन लोगों ने एक हजार से अधिक लोगों का धर्मांतरण कराया है जिसमें अधिकतर हिंदुओं को मुस्लिम बनाया गया है।

अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि मूक बाधिर छात्रों व कमजोर आय वर्ग के लोगों को धन, नौकरी व शादी करवाने का लालच देकर धर्मांतरण कराया जा रहा था। इसका खुलासा गाजियाबाद के डासना से गिरफ्त में आए दो युवकों विपुल विजय वर्गीय और काशिफ की गिरफ्तारी से हुआ।

एटीएस ने इस पूरे मामले की छानबीन की। दोनों युवकों की निशानदेही पर जहांगीर और उमर गौतम को पूछताछ के लिए लखनऊ मुख्यालय बुलाया गया था। सोमवार को लंबी पूछताछ के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

प्रशांत कुमार ने बताया कि गिरोह में कई लोगों के शामिल होने की जानकारी है। छानबीन की जा रही है। धर्मांतरण कराने के बाद कई लड़कियों की शादी भी कराई जा चुकी है। दोनों आरोपियों को तीन जुलाई तक के लिए जेल भेज दिया गया है।

वैक्सीन के निर्माण और टीकाकरण को लेकर विवाद खत्म करें : मायावती

लखनऊ ब्यूरो। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने कोरोना वैक्सीन के निर्माण और टीकाकरण को लेकर राजनीतक दलों से विवाद खत्म करने को कहा है ।उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा विपक्ष के अन्य नेताओं का नाम लिये बिना कहा कि वैक्सीन के निर्माण को लेकर जो राजनीति की जा रही है उसे बंद किया जाना चाहिये । गांवों में टीकाकरण किस तरह तेजी से हो इसे हर राज्य सरकार को प्राथमिकता से लेना होगा ।

उन्होंने कहा कि बसपा यह मांग करती है कि टीकाकरण के नाम पर अब राजनीति बंद की जानी चाहिये तथा सभी राज्य सरकारों को इसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना चाहिये ।केन्द्र सरकार ने सभी राज्य सरकारों को टिके मुफ्त में दिये हैं ।

दूसरे धर्म में विवाह करने पर युवती को किया गंजा ,खूब मारा भी

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी के एक गांव में बालिग अनाथ युवती ने गैर धर्म के अनाथ युवक से विवाह कर लिया जिससे उसके चाचा व अन्य परिजन इस कदर नाराज हुए कि उसे मारा-पीटा और सर मुंडवा दिया।

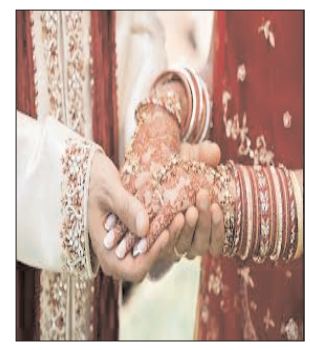

इस घटना की खबर फैलते ही गांव में तनाव का माहौल हो गया। सूचना पर गांव पहुची पुलिस युवती को कोतवाली ले आयी। घटना में शामिल युवती के चाचा सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। इन तीनों समेत आठ लोगों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है।

पुलिस सूत्रों ने आज यहां कहा कि फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में मिथुन नाम का मजदूर पेशा अनाथ युवक गांव के बाहर एक कमरे में रहता है। उसके माता-पिता की मौत हो चुकी है। कुछ ही दूर एक झोपड़े में मां-बाप की मौत के बाद युवती अपनी दादी के साथ रहती थी। कुछ दिनों से युवक-युवती के बीच प्रेम संबंध बन गए। रविवार को गांव के ही एक धार्मिक स्थल के फेरे लेकर दोनों ने विवाह रचा लिया। युवती राजी खुशी लड़के के घर चली गई थी।

लड़की के विवाह करने की सूचना जब उसके चाचा व घर के अन्य लोगों को मिली तो उनका गुस्सा इस कदर भड़का कि वह कल लड़के के घर पर आ गए। मिथुन उस समय किसी कार्य से घर से बाहर गया हुआ था। थाने में दी गई तहरीर में लड़की ने बताया कि सोमवार को चाचा रिजवान , नूर आलम, मो. शब्बीर, समी मुझे अपने घर से बुला लाए और चाचा रिजवान की पत्नी नजीरा, शबनम और मो. यूनुस आदि ने लात-घूंसे, चप्पल और डंडों से मारा पीटा।

पहले सिर के बाल काटे और फिर पूरे सिर का मुंडन करा दिया। लड़की ने तहरीर में कहा कि परिवारीजन भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दे रहे थे। उसने बताया कि वह किसी प्रकार जान बचाकर भाग कर आई। पुलिस को दी तहरीर मेविभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है, जिसमें युवती के चाचा रिजवान के अलावा नूर आलम, मो. शब्बीर, समी, नजीरा,शबनम शब्बीर की पत्नी , व मो. यूनुस को नामजद किया है। जिसमें पुलिस ने रिजवान, नूरआलम व शब्बीर को गिरफ्तार कर लिया है।

केशव के द्वार योगी पहुंचे पहली बार

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारियों ने मंगलवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास पहुंच कर उनके पुत्र एवं पुत्रवधू को आर्शीवाद दिया।

मुख्यमंत्री के तौर पर श्री योगी के मौजूदा कार्यकाल में यह पहला मौका था जब वह अपने पड़ोसी और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के घर पहुंचे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि हाल ही में श्री मौर्य के पुत्र का विवाह था जिसके उपलक्ष्य में श्री मौर्य ने दोपहर के भोज का आयोजन किया था। दोनो नेताओं के बीच काफी देर तक बातचीत हुयी। इस मौके पर पार्टी के पदाधिकारी के अलावा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

श्री मौर्य के पुत्र एवं पुत्रवधू को आशीर्वाद देने लिये श्री योगी के अलावा संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होशबोले , सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल, उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा एवं क्षेत्र प्रचारक अनिल पहुंचे थे। श्री मौर्य ने सभी का स्वागत दुशाला ओढा कर किया और सपरिवार आभार प्रकट किया ।माना जा रहा है कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले संगठन और सरकार के पदाधिकारियों में एकजुटता दिखाने की कवायद के तहत यह मुलाकात हुयी। इससे पहले सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर भाजपा महासचिव बीएल संतोष और उपाध्यक्ष राधा मोहन सिंह की उपस्थिति में पार्टी पदाधिकारियों की बैठक हुयी थी जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और डा दिनेश शर्मा मौजूद थे।

श्री संतोष और श्री सिंह आज शाम को भी पार्टी दफ्तर में एक बैठक को संबोधित करेंगे जिसमें सरकार की उपलब्धियों और कामकाज की जानकारी जन जन तक पहुंचाने और चुनावी रणनीति पर विचार विमर्श होने की संभावना है।

लखनऊ के सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में पड़ी डकैती का इनामी आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने लखनऊ पुलिस के सहयोग से सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में दिन दहाड़े पड़ी डकैती की घटना में वांछित 25 हजार रुपये के इनामी शातिर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया।

एसटीएफ प्रवक्ता ने यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल को सुशान्त गोल्फ सिटी क्षेत्र में दिन दहाड़े डकैती पड़ी थी। इस घटना में वांछित इनामी बदमाश गाजियाबाद जिले लोनी प्रेमनगर निवासी मोहम्मद आरिफ उर्फ चीनी को गोल चौराहा के पास से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से तमंचा , कारतूस , 40 पीस छोटे चमकीले नग और अन्य जेवरात आदि बरामद किए।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधी मोहम्मद आरिफ उर्फ चीनी डकैती की घटना के बाद से फरार चल रहा था। इसकी गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ को लगाया गया था। एसटीएफ को सूचना मिली कि सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में पडी डकैती की घटना से सम्बन्धित अपने हिस्से का माल लेने के लिए मोहम्मद आरिफ लखनऊ आने वाला है। इस सूचना को थाना सुशान्त गोल्फ सिटी, लखनऊ पुलिस से साझा कर मुखबिर के बताये गये गन्तव्य स्थान पर पहुंचकर वांछित इनामी बदमाश मोहम्मद आरिफ उर्फ चीनीं को शाम करीब पौने चार बजे बताये गये स्थान से गिरफ्तार कर लिया ।

प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार मोहम्मद आरिफ ने पूछताछ पर बताया कि उसकी खाला (मौसी) लखनऊ के डालीगंज क्षेत्र में रहती है और इसका वहां आना-जान था। लखनऊ में ही मोहम्मद आरिफ ने अपने मौहल्ले और आसपास के लड़कों का एक गिरोह बनाकर वर्ष 2016-17 में लूट की कई घटनाओं को अंजाम दिया था। इन घटनाओं मे इसके साथी अजीम , रिहान , जग्गा उर्फ इमरान , फैजान उर्फ कल्लन निवासीगण 20 फुटा रोड प्रेमनगर, गाजियाबाद शामिल रहते थे। वर्ष-2017 में लूट की एक घटना को अंजाम देते समय इमरान, रिहान पकड़े गये थे तथा बाद में मोहम्मद आरिफ उर्फ चीनी, अजीम व कल्लन भी पकड़े गये थे।

उन्होंने बताया कि रिहान तभी से जेल में है और कल्लन की बीमारी से मृत्यु होना बताया गया है। मोहम्मद आरिफ उर्फ चीनी, अक्टूबर 2017 में जब लखनऊ जेल में बन्द था तभी इसकी मुलाकात जेल में बंद शामली झिंझाना निवासी आजम मलिक व लखनऊ के ठाकुरगंज निवासी मोहम्मद ताज से हुई थी। जून-2018 में जब मोहम्मद आरिफ उर्फ चीनी, जेल से छूटा तथा कुछ दिनों बाद लखनऊ वापस आया तो वह शिया पीजी कालेज के आसपास बने हॉस्टल में किराये का कमरा लेकर रहने लगा। खदरा में कैन्टीन में इसकी मुलाकात मौहम्मद नासिर से हुई और बाद में वह दोस्ती में बदल गई। मौ0 नासिर के यहाँ एल्यूमिनियम फ्रेम का काम होता था। मौ0 नासिर जिस दुकान से एल्यूमिनियम का सामान लेता था, उस दुकान के मालिक के घर की रैकी मौ0 नासिर ने मोहम्मद आरिफ उर्फ चीनी, को कराई थी।

उप्र में सभी तटबन्ध सुरक्षित,कहीं भी किसी प्रकार की चिन्ताजनक परिस्थिति नहीः प्रसाद

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के राहत आयुक्त रणवीर प्रसाद ने कहा कि प्रदेश के सभी तटबन्ध सुरक्षित हैं और कहीं भी चिन्ताजनक परिस्थिति नहीं है।

श्री प्रसाद ने आज यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि पछिले 24 घंटे में प्रदेश में 0.7 मिमी बारिश हुई , जो सामान्य से 3.6 मिमी के सापेक्ष 19 प्रतिशत है। इस प्रकार प्रदेश में एक जून से अब तक 127.8 मिमी औसत वर्षा हुई, जो सामान्य बारिश 49.5 के सापेक्ष 258 प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के वर्षा से प्रभावित जिलों में सर्च एवं रेस्क्यू के लिए एनडीआरएफ,एसडीआरएफ तथा पीएसी की कुल 33 टीमें तैनाती की गयी है और 48 नावें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगायी गयी है । उन्होंने बताया कि इलाके में 60 मेडिकल टीमें लगायी गयी है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ ने 150 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

श्री प्रसाद ने बताया कि इस दौरान 120 फूड पैकेट वितरित किए गये। अब तक कुल 4941 फूड पैकेट वितरित किए गये हैं। उन्होंने बताया कि गंगा नदी-कचला ब्रिज बदायूँ में, शारदा नदी-पलियाकला लखीमपुर खीरी में, घाघरा नदी-तुर्तीपार बलिया में खतरे के जलस्तर से ऊपर बह रही है। प्रदेश में 288 बाढ़ शरणालय तथा 343 बाढ़ चौकी स्थापित की गयी है। प्रदेश में 24 घंटों में स्थापित किए गए पशु शिविर की संख्या 06 अब तक कुल 28 पशु शिविर स्थापित किये गये हैं। उन्होंने बताया कि इस अवधि में पशु टीकाकरण की संख्या 955 तथा अब तक कुल पशु टीकाकरण की संख्या 18,750 है।

लखनऊ के जानकीपुरम इलाके में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में लखनऊ के जानकीपुरम इलाके में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस प्रवक्ता ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मूलरुप से बाराबंकी के बदोसराय इलाके के बरौलिय निवासी रज्जनलाल का 24 वर्षीय पुत्र दीपक पटेल लखनऊ के जानकीपुरम इलाके में रहता था। रात करीब 11 बजे उसने फंखे में फंदा बनाकर फांसी लगा ली,जिससे उसकी मृत्यु हो गई।उन्होंने बताया कि आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है। परिजनों का कहना है दीपक यहां एक निजी बैंक में काम करता था और पिछले दिनों उसे काम से हटा दिया था। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

लखनऊ के महानगर इलाके में अनियंत्रित बोलेरो गोमती में गिरी,किशोर की मृत्यु

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में लखनऊ के महानगर इलाके में बाराबंकी से आ रही बोलेरो अनियंत्रित होकर गोमती नदी में गिर गई, जिससे उसपर सवार एक किशोर की मृत्यु हो गई जबकि चालक के अलावा उसके छह साथी सुरक्षित हैं।

पुलिस प्रवक्ता ने यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महानगर इलाके में आज तड़के बेहटा नाले की पटरी पर आ रही अनियंत्रित बोलेरो गोमती नदी में गिर गई। हादसे में पारा इलाके के बुद्धेश्वर डूडा कालोनी डिप्टी खेडा निवासी राजेश कुमार शुक्ला के 17 वर्षीय पुत्र निखिल गुप्ता की मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि प्लम्बर का काम करने वाला निखिल अपने छह दोस्तों के साथ बाराबंकी से लौट रहा था।उन्होंने बताया कि हादसे में बोलेरो चालक और निखिल के छह साथी सुरक्षित हैं।

राष्ट्रीय पक्षी मोर की हत्या करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

औरैया, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले के बिधूना क्षेत्र में राष्ट्रीय पक्षी मोर का वध करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया ।

पुलिस सूत्रों से मंगलवार को यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिधूना क्षेत्र में सामपुर गांव में कल शाम राकेश व रामनरेश निवासी सामपुर एवं सर्वेश कुमार निवासी नत्थूपुरा अछल्दा ने राष्ट्रीय पक्षी मोर का वध कर दिया था। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मोर के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।उन्होंने बताया कि इस सिलसिले में वन्य जीव सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर तीनों आरोपियों को कल रात गिरफ्तार करने के बाद आज जेल भेज दिया।

चुनावी रंजिश में हुई मारपीट में घायल युवक की मृत्यु

जौनपुर ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के बक्शा थाना क्षेत्र के चुरावनपुर गांव में कुछ दिन पूर्व चुनावी रंजीश को लेकर दो पक्षों में आपसी मारपीट के दौरान घायल हुए युवक की सोमवार की देर रात मृत्यु हो गयी 7

पुलिस के अनुसार जिले में बक्शा थाना क्षेत्र के चुरावनपुर गाँव निवासी समरजीत चौहान (35) की चुनावी रंजिश को लेकर गाँव के ही कुछ युवकों से कहासुनी हो गयी थी , इसको लेकर चुनाव के पश्चात कई बार छिट पुट मारपीट की घटना हो चुकी थी , इसी क्रम में कुछ दिन पूर्व हुई मारपीट में घायल युवक की वाराणसी में इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी , मृत्यु की खबर से गाँव में तनाव की स्थित बनी है , प्रशाशन ने तनाव को देखते हुए गाँव में पुलिस तैनात कर दी है !

परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस प्रशासन की लापरवाही के कारण समरजीत चौहान की हत्या कर दी गयी और उनके परिवार के ऊपर मुकदमा 307 ,323,504,147,148 भारतीय दंड विधान की धाराओं में किसी नेता के दबाव में प्रशासन पीड़ित परिवार के ऊपर मुकदमा दर्ज कराया गया है ।

खत्म हो नुसरत जहां की सदस्यताः मौर्य

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में बदायूं से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद संघमित्रा मौर्य ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सांसद नुसरत जहां की सदस्यता समाप्त करने की मांग है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखे पत्र में डा मौर्य ने कहा कि नुसरत जहां ने संसद में झूठा हलफनामा देने और वैवाहिक स्थिति छुपाने का गंभीर अपराा किया है। उनका आचरण अमर्यादित है। शादी के मुद्दे पर उन्होंने अपने वोटर्स को धोखे में रखा है । इससे संसद की गरिमा भी धूमिल हुई है ।उन्होने कहा कि इस मामले को सांसद को एथिक्स कमिटी को भेज कर इसकी जाँच करवानी चाहिए और उनपर करवाई करनी चाहिए । नुसरत जहां ने देश के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर में झूठ बोला जहां नियम कानून बनते हैं और वहां से देश चलता है । उन्होंने अपनी शादी को अलग तरीके से पेश किया है कि उनकी शादी अवैध है ।हमने इसलिए आपत्ति की है कि संसद में घिनौना काम न हो लोग बाहर करते हैं तो करें ।भाजपा सांसद ने कहा नुसरत ने जो शपथपत्र लोकसभा में दिया है उसमें उन्होंने अपना वैवाहिक स्टेटस विवाहित दिखाया है और शपथ लेते हुए भी अपना नाम नुसरत जहां उर्फ नूरी जैन और अपने पति का नाम निखिल जैन बताया था। आप खुद कबूल करते हो फिर आप कहते हो आपकी शादी वैलिड नही है । आपने जनता से झूठ बोला आपने देश की संसद से झूठ बोला , जहां से देश चलता है । यह बंगाल नही है जो ममता दीदी के इशारे पर चलता है। वहां आप गलत बयान दे रही हो इस मामले में जांच होना चाहिए और कार्यवाही होनी चाहिए। नुसरत जहां जब शपथ लेने आती है तो सिंदूर,चूड़ी पूरा सुहागिन का रूप लेकर आती है। जो हिन्दू रीति के अनुसार नवविवाहिता का होता है फिर उसको खुद ही अबैध बताती हैं ।यह भारत की जनता को बेबकूफ बनाने का काम किया गया है।

यूपी में सक्रिय मामले 4000 से कम,रिकवरी रेट 98.5 फीसदी

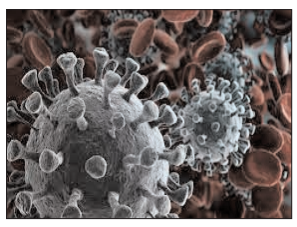

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में वैक्सीनेशन की रफ्तार में बढ़ोत्तरी के बीच कोरोना के एक्टिव मामलो की संख्या चार हजार से कम हो गयी है हालांकि सरकार ने लोगों से सतर्कता बरतने और कोविड प्रोटोकाल का ईमानदारी से पालन करने की सलाह दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को टीम-09 की बैठक में कहा कि कोरोना महामारी की स्थिति नियंत्रण में है। कुल एक्टिव कोविड केस की संख्या 4,000 से कम हो गई है। वर्तमान में 3,910 कोरोना मरीज उपचाराधीन हैं। सोमवार को 16 जिलों में संक्रमण के नए मामले नहीं मिले, जबकि 55 जिलों में नए केस इकाई में आये हैं।

उन्होने बताया कि प्रदेश में कोरोना से स्वस्थ हुए लोगों की संख्या 16 लाख 78 हजार 486 हो चुकी है। प्रदेश की कोविड रिकवरी दर 98.5 फीसदी हो गई है, जबकि पॉजिटिविटी दर 0.1 फीसदी है। प्रदेश में अब तक 05 करोड़ 57 लाख 30 हजार 488 टेस्ट हो चुके हैं। जून माह में अब तक 0.2 फीसद पॉजिटिविटी दर रही है। यह कोरोना संक्रमण के नियंत्रित होने का सूचक है।

श्री योगी ने कहा कि पिछले 24 घंटे में प्रदेश में दो लाख 44 हजार 275 कोविड टेस्ट किए गए। इसी अवधि में संक्रमण के 255 नए मामले आये हैं, जबकि 397 मरीज उपचारित होकर स्वस्थ हुए हैं। 2,525 लोग होम आइसोलेशन में हैं।

उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से कोविड वैक्सीनेशन अभियान नई दिशा को प्राप्त कर रहा है। 21 जून को पहले दिन निर्धारित 06 लाख वैक्सीनेशन के सापेक्ष 07 लाख 29 हजार 197 लोगों को टीका-कवर प्रदान किया गया। यह निरंतरता बनी रहे। अब तक 02 करोड़ 63 लाख 22 हजार 777 वैक्सीन डोज दी जा चुकी है। 01 जुलाई से प्रतिदिन 10-12 लाख के लक्ष्य के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं।

श्री योगी ने कहा कि अनेक राज्यों में कोविड संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हमें अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। रेलवे, सड़क मार्ग अथवा वायुमार्ग के प्रदेश में आने वाले लोगों की जाँच कराई जाए। रेलवे स्टेशनों, बस स्टेशनों, हवाई अड्डों पर एंटीजन टेस्ट के लिए विशेष प्रबंध किए जाएं। संदिग्ध लक्षण वाले लोगों का आवश्यकतानुसार आरटीपीसीआर टेस्ट भी कराया जाए। पॉजिटिव पाए जा रहे लोगों की कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग भी कराई जाए।

वयस्क लोगों के लिए मेडिकल किट वितरण जारी है और अब 27 जून से बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से घर-घर मेडिकल किट वितरण किया जाएगा। जिलों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से निगरानी समितियों को दवाइयों का पैकेट दिलाया जाए।

रिकार्ड गेंहू खरीद पर सरकार का दावा झूठाः लल्लू

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने आरोप लगाया कि रिकार्ड गेहूं खरीद का योगी सरकार का दावा झूठा है और किसानों की आर्थिक स्थिति खराब करने के लिये सरकार फर्जी आंकड़ेबाजी का सहारा ले रही है।श्री लल्लू ने मंगलवार को कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी घोषणा से पलटते हुए गेंहू खरीद के लिये बने क्रय केंद्रों को लगातार बंद करा रहे है जिसके विरोध में कांग्रेस ने पूरे प्रदेश में धरना प्रदर्शन किया। उन्होने सरकार पर हमला करते हुए कहा कि गेंहू खरीद केंद्र बंद हो रहे है, मुख्यमंत्री ने वादा किया था कि किसानों की गेंहू उपज को क्रय किया जाएगा, लेकिन सरकार झूठी घोषणाओं के सहारे किसानों को ठग रही है ।

जहरीली गैस से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

मुरादाबाद,ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में एक ही परिवार के पिता-पुत्रों,समेत चारों लोगों की आज जहरीली गैस से दम घुटने से मौत हो गई है।

पुलिस महानिरीक्षक शलभ माथुर तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा फोरेंसिक जांच टीम मौके पर मौजूद है।

पुलिस महानिरीक्षक शलभ माथुर ने बताया कि फिलहाल उस तहखानेनुमा गोदाम को तुडवाया जा रहा है,ताकि चार लोगों की मौत की सही वजह स्पष्ट हो सके।एक सवाल के जवाब में आईजी ने पुष्टि करते हुए कहा कि मृतक राजेंद्र अवैध शराब के एक मामले में पूर्व में जेल जा चुका है,इन सभी तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए घटना की जांच की जा रही है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पवन कुमार ने मंगलवार को बताया कि मुरादाबाद के थाना डिलारी क्षेत्र के ग्राम राजपुर केसरिया में राजेंद्र पुत्र नारायण उम्र करीब 50 वर्ष की घर के अंदर बने गुप्त तहखाने में प्रथम द्रष्टया दम घुटने से उसकी तथा उसके दो बेटों हरकेश(30) पीतम (25) तथा एक अन्य व्यक्ति रमेश (40) की मृत्यु हो गई ।चारों के शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है।प्रथम दृष्टया मृत्यु तहखाने में बनी जहरीली गैस से होना प्रतीत हो रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होना संभव है।

मृतक राजेन्द्र सिंह की गांव में सीमेंट की दुकान है, तथा दुकान के नीचे एक गोदाम बना हुआ है।जिसमें चार शव तहखाने नुमा गोदाम में पडे मिले हैं।

बताया जा रहा है कि गोदाम में सीलन के साथ बहुत घुटन थी। सीमेंट के गोदाम में गोबर के उपले भी रखे हुए थे,अनुमान लगाया जा रहा है कि इस वजह से जहरीली गैस गोदाम में फैल गई थी।अजीब सी गंध वहां फैली हुई थी, जिससे लोगों को सांस लेने में भी तकलीफ हो रही थी।

योगी सरकार ने कोरोना से मौत के झूठे आंकड़े दियेः अखिलेश

लखनऊ ब्यूरो। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार पर कोरोना से होने वाली मौतों के आंकड़े छिपाने का गंभीर आरोप लगाया है।श्री यादव ने मंगलवार को ट्वीट किया सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी से ये भंडाफोड़ हुआ है कि 31 मार्च, 2021 तक के कोरोनाकाल में नौ महीनों में उप्र के 24 ज़िलों में मृत्यु का आँकड़ा सरकार द्वारा दिये गये आँकड़ों से 43 गुना तक अधिक है। भाजपा सरकार मृत्यु के आँकड़े नहीं दरअसल अपना मुँह छिपा रही है।

उधर, सपा प्रवक्ता सुनील सिंह साजन ने कहा कि उनकी पार्टी शुरू से इस बात को कह रही थी कि सरकार लगातार कोरोना से लोगों की हुई मौत के आंकड़े छुपा रही है। आखिरकार सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में इस बात का खुलासा भी हो गया है। अपनों की मौत का आंकड़ा सरकार इस तरह से छुपायेगी किसी ने नहीं सोचा था। सरकार झूठे आंकड़े पेश कर देश और दुनिया को आप क्या संदेश देना चाह रही थी।आंकड़ें चीख-चीख कर कह रहे हैं कि सरकार सिर्फ कागजों में मैनेजमेंट का खेल खेल रही है।

संपादकीय

मेहरबानी कर मास्क जरूर पहनें

कोरोना वायरस ने पूरे देश को अपनी गिरफ्त में ले लिया है. इसके कारण हजारों लोगों की जानें जा चुकी हैं. पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में भी इसने तेजी से अपने पांव पसारे हैं. इस जानलेवा वायरस ने हमारी जिंदगी को पटरी से उतार दिया है. कोरोना ने हमारी जिंदगी के हर पहलू को प्रभावित किया है.लोग घरों में कैद हैं. सोशल डिस्टेंसिंग ने हमारे जीवन के तौर तरीकों में भारी परिवर्तन ला दिया है. कई महीनों तक पूरे देश में लॉकडाउन की स्थिति रही, लेकिन परिस्थितियां अब भी काबू में नजर नहीं आ रही हैं. कुछ स्थानों पर दोबारा लॉकडाउन लगाना पड़ा है। भारत में कोरोना संक्रमण के मामलों की संख्या 13 लाख और इससे होनेवाली मौतों का आंकड़ा 31 हजार को पार कर गया है. एक राहत की बात जरूर है कि हमारे देश में लोग तेजी से स्वस्थ भी हो रहे हैं. अब तक कोरोना से संक्रमित साढ़े आठ लाख से अधिक लोग पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके हैं. कई अन्य देशों की तुलना में स्वस्थ होने की दर भारत में बेहतर है.साथ ही कोरोना वायरस से होने वाली मौतों की संख्या भारत में विश्व की तुलना में काफी कम है, लेकिन यह बात सभी को स्पष्ट होनी चाहिए कि यह लड़ाई लंबी चलनी है. जरा-सी भी लापरवाही आपको, आपके परिवार और पूरे समाज को संकट में डाल सकती है. विशेषज्ञों की राय है कि हम सबको मास्क को अब जीवन का अभिन्न हिस्सा बना लेना होगा। मास्क पहनने से कोरोना संक्रमण के विस्तार को रोकने की कई गुना संभावनाएं बढ़ जाती हैं.

अमेरिका और इटली में किये गये शोध में पाया गया कि जब वहां मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया गया, तो मरीजों की संख्या में खासी कमी आयी. इटली और न्यूयॉर्क में अप्रैल में ही मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया गया था. एक अध्ययन के अनुसार मास्क पहनने से कोरोना संक्रमण के खतरे को 85 फीसदी तक कम किया जा सकता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी बहुत पहले ही मास्क पहनना अनिवार्य कर देने की सलाह दी थी। देखने में आया कि जैसे-जैसे ही देश में धीरे-धीरे कोरोना के कारण लगे लॉकडाउन में छूट दी गयी, वैसे-वैसे लोगों ने जैसे मान लिया कि कोरोना समाप्त हो गया है. बाजारों में भीड़ जमा होने लगी, लोग समारोहों में शामिल होने लगे और लापरवाह नजर आने लगे, जबकि यह समय सबसे अधिक सावधानी बरतने का है. बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल ही नहीं, यह पूरे देश की कहानी है. कुछेक लोगों ने तो मास्क को उतार कर फेंक दिया है, जबकि विशेषज्ञ बार-बार कह रहे हैं कि मास्क और हाथ धोना कोरोना संक्रमण को रोकने का सबसे बड़ा हथियार है, लेकिन लोगों ने मान लिया कि मास्क कोई महत्वपूर्ण चीज नहीं है.जाने-माने अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनका पूरा परिवार संक्रमित हो गया था. कोरोना के कारण कई जाने-माने लोगों को अपनी जान से हाथ गंवाना पड़ा है. संगीतकार वाजिद खान, तमिलनाडु में डीएमके के बड़े नेता और तीन बार के विधायक अनबझगन, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के विधायक तमोनाश घोष, गोवा के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ सुरेश अमोनकर, बिहार में एमएलसी सुनील कुमार सिंह की कोरोना के कारण मौत हो गयी।अलबत्ता, इस लड़ाई में हमारे स्वास्थ्यकर्मी सबसे आगे हैं और उनकी जितनी भी तारीफकी जाए, कम है, लेकिन इस वायरस ने अनेक स्वास्थ्यकर्मियों को शिकार बनाया है। समस्तीपुर के सिविल सर्जन डॉ आरआर झा की कोरोना के कारण मौत हो गयी. इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के मुताबिक 16 जुलाई तक देशभर में 99 डॉक्टरों की मौत कोरोना की वजह से हो चुकी है और एक हजार से ज्यादा संक्रमित हुए हैं.स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि देश में अब कोरोना संक्रमण के लगभग 50 हजार के आसपास मामले रोजाना सामने आने लगे हैं. महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और दिल्ली इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं. कोरोना संक्रमण के मामले में महाराष्ट्र सबसे ज्यादा प्रभावित है. यहां कोरोना के साढ़े तीन लाख से अधिक मामले हो गये हैं. महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के आंकड़ों को मिला दें, तो इन दो राज्यों से ही अब यूरोप से ज्यादा मामले सामने आने लगे हैं. महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में रोजाना कुल 16-17 हजार केस आ रहे हैं, इतने यूरोप से आ रहे हैं.कोरोना के मामले में तमिलनाडु देश में दूसरे स्थान पर है. वहां कोरोना संक्रमितों की संख्या दो लाख को पार कर गयी है. दिल्ली में भी संक्रमितों की संख्या बढ़ कर लगभग एक लाख 30 हजार के आसपास हो गयी है. हालांकि, देश में तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच मृत्यु दर और रिकवरी रेट के आंकड़ों ने राहत दी है. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने हाल में जानकारी दी कि भारत दुनिया में कोरोना वायरस से सबसे कम संक्रमण और मृत्यु दर वाले देशों में से एक है. शंघाई सहयोग संगठन देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों की डिजिटल बैठक में डॉ हर्षवर्धन ने बताया कि भारत में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों के ठीक होने की दर 63.45 प्रतिशत है, जबकि मृत्यु दर 2.3 प्रतिशत है.आइसीयू में दो फीसदी से भी कम एवं ऑक्सीजन पर तीन फीसदी से भी कम मरीज हैं. वहीं महज 0.32 फीसदी वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं. देश में कोरोना की जांच में भी तेजी आयी है. एक समय देश में केवल एक लैब थी. अब 1234 लैब हो गयी हैं. अब तक तीन लाख सैंपल की जांच की जा रही थी, जिसे सरकार बढ़ा कर प्रतिदिन 10 लाख सैंपल करने का प्रयास कर रही है

मतदाता के अभिमत का अपमान है दल-बदल

सत्ता की ऐसी भूख कि केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी द्वारा एक के बाद एक लगातार स्थिर सरकारों को अस्थिर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। केन्द्र में सत्ता हासिल करने के बाद 2014 से ही मोदी सरकार पर राज्यों की कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों की सरकारों को अस्थिर कर गिराने का प्रयास किया जाता रहा है। पूरे देश की जनता देख रही है 2014 के बाद से सत्तालोलुप भारतीय जनता पार्टी किस प्रकार खरीद-फरोख्त और दबाव के बल पर गोवा, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, कर्नाटक या मध्य प्रदेश और बिहार आदि राज्यों में अपनी सरकारें बनाई हैं। इस तथ्य को किसी भी प्रमाण की जरूरत नहीं है कि सत्तारूढ़ बीजेपी ने विगत बरसों में सत्ता पर रहते हुए धनबल, प्रलोभन के साथ-साथ शासकीय एजेंसियों के दुरुपयोग के माध्यम से विभिन्न राज्यों में अल्पमत में होने के बावजूद विधायकों की खरीद-फरोख्त कर अपनी सरकारें बनाई हैं या बनाने के लगातार प्रयास किए हैं। अब यही कुत्सित प्रयास राजस्थान में भी किया जा रहा है। विदित हो कि राजस्थान में पिछले विधानसभा चुनाव में जनता ने कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत दिया और भाजपा बमुश्किल एक तिहाई सीटें ही जीत पाई। नैतिकता का तकाजा तो ये है कि जनमत की भावना का सम्मान करते हुए भाजपा को विपक्ष में बैठना चाहिए और एक सशक्त व जागरूक विपक्ष की भूमिका का निर्वहन करना चाहिए। आज मगर सत्ताप्रधान राजनीति के दौर में नैतिकता पूरी तरह राजनीति से गायब हो चुकी है।

ऐसा नहीं है कि नैतिकता की आवश्यकता नहीं रह गई है। वो दल जो सत्ता के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाने से नहीं चूकता, चाहे वो घोर अनैतिक व भ्रष्ट तरीके ही क्यों न हों, दूसरे दलों को नैतिकता की दुहाई देता है। सत्ता प्राप्ति के लिए युद्ध और प्रेम में सब जायज है कहना सामंती मानसिकता और सामंती प्रवृत्ति को दर्शाता है। आज के लोकतांत्रिक युग में युद्ध नहीं जनता की राय और जनता के मतों से सरकारें बनती गिरती हैं। बहुत खेद की बात है कि आज भी विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र कहे जाने वाले देश में लोकतंत्र अपनी शुचिता और नैतिकता के लिए जूझ रहा है। इस तरह जनभावनाओं के खिलाफ साम-दाम-दंड-भेद के जरिए सत्ता हासिल करने के प्रयास अनैतिक ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र में जनमत का अपमान भी है। यह बात गौरतलब है कि किसी भी प्रत्याशी को चुने जाने में अपना मत देते समय मतदाता के मन में उस प्रत्याशी की अपनी छवि से कई गुना ज्यादा उस दल की छवि, दल की नीतियों, घोषणाओं और दल के व्यापक प्रभाव की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। अपवादों को छोड़ दें तो आम मतदाता राजनैतिक दल को ही ध्यान में रखकर अपना मत देता है। दुखद पहलू ये है कि लोकतंत्र के प्रति अपनी वफादारी और जिम्मेदारी पूरा करने वाला मतदाता बाद में सत्ता के इस शर्मनाक खेल में मूकदर्शक बना अपने अभिमत का अपमान होते देखने को मजबूर हो जाता है। एक बार मत देने के पश्चात उसकी भूमिका खत्म हो जाती है। क्या मतदाता की भूमिका सिर्फमत देने तक ही सीमित कर देना उचित है? क्या धीरे-धीरे हमारे लोकतंत्र में मतदाता व मतदान का अर्थ सत्ता के लिए बिक जाने की अर्हता हासिल करना होता जा रहा है? मतदाता के मत की गरिमा और अभिमत का ऐसा अपमान विश्व के किसी भी सभ्य और विकसित लोकतंत्र में देखने नहीं मिलता। ये हमारे लोकतंत्र की परिपक्वता और निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। छठवें दशक के अंत से शुरु हुआ श्आया राम, गया रामश् के रूप में मशहूर दल बदल प्रवृत्ति सत्तर व अस्सी के दशक में बुरी कदर व्याप्त हो गई। आज के हालात हमें फिर उसी राजनैतिक दौर की याद करा रहे हैं। इसी श्आया राम, गया रामश् संस्कृति से निपटने के लिए 1985 में केंद्र की राजीव गांधी सरकार ने 52वें संविधान संशोधन के माध्यम से विधायक या सांसदों का दल-बदल रोकने के लिए दल-बदल विरोधी कानून बनाया गया। 1985 में जब यह बिल संसद में प्रस्तुत किया गया था तो इस बिल की जरूरत के बारे में लिखित रूप में कहा गया था कि राजनैतिक दल-बदल एक राष्ट्रीय महत्व का मुद्दा है, यदि इस बीमारी पर काबू नहीं पाया गया तो भारतीय लोकतंत्र की जड़ें ही खोखली हो जाएंगी। हालांकि 1985 में दल-बदल विरोधी कानून के लागू होने के बाद इस कानून में अनेकों बार संशोधन होते रहे हैं तथा अनेकों बार इस कानून से जुड़े मुद्दे सुप्रीम कोर्ट में भी आते रहे हैं। हाल ही के दिनों में कर्नाटक, मध्य प्रदेश, आदि जैसे राज्यों के मामलों में भी सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दल-बदल विरोधी कानून के अलग-अलग पहलुओं पर बहस हुई है तथा सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर दल-बदल कानून के अनेक बिंदुओं पर अपनी वैधानिक व्याख्या भी दी है। लेकिन, यह सभी जानते मानते हैं कि उसके बाद भी यह कानून देश में राजनैतिक दल-बदल रोकने में पूरी तरह से असफल रहा है। इसी के चलते सत्ता प्राप्ति के लिए राजनैतिक खरीद-फरोख्त का यह व्यापार आज भी खुलेआम खेला जा रहा है। राजस्थान प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील एवं पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने यह कहा है कि देश में अगर राजनैतिक दल बदल को प्रभावी ढंग से रोकना है तो भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची में पर्याप्त संशोधन कर यह कानून बनाना चाहिए कि जिस भी विधायक या सांसद को दल बदल कानून के अंतर्गत अयोग्य घोषित किया जाता है तो उसे किसी भी सार्वजनिक पद पर अगले 5 साल तक नियुक्ति नहीं हो साथ ही वह अगले पांच साल तक किसी भी चुनाव में भाग नहीं ले सके। यह बात हमें समझना ही होगा कि यदि देश में संसदीय प्रजातंत्र को कायम रखना है तो हमें जल्दी ही दल बदल की संविधान की दसवीं अनुसूची को और मजबूत व प्रभावशाली बनाना होगा। इसके लिए इस कानून के अंतर्गत अयोग्य घोषित विधायक या सांसद की किसी भी सार्वजनिक पद पर अगले 5-6 वर्षों तक नियुक्ति अथवा अगले 5-6 वर्षों तक किसी भी चुनाव में भाग लेने पर भी पाबंदी जैसे प्रावधानों के अतिरिक्त इसमें और भी कड़े, पर्याप्त व मजबूत संशोधन पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। सभी राजनैतिक दलों को सत्तामोह से उबरकर संयुक्त रूप से लोकतंत्र की बेहतरी और मजबूती के लिए दल बदल को हतोत्साहित करने सभी कठोर प्रावधानों पर विचार कर जल्द ही लागू करना होगा। इसके लिए समाज के बौद्धिक, अकादमिक और सामाजिक वर्ग को भी सलाह मशविरा में शामिल करना जरूरी है। लोकतांत्रिक मूल्यों, लोकतंत्र की मर्यादा एवं मतदाता के अभिमत का सम्मान व गौरव बनाए रखने के लिए देश के सभी राजनैतिक दलों के सांसदों का यह दायित्व है कि वह जल्द से जल्द इस कानून को संसद में पास करवाएं अन्यथा मतदान के प्रति बढ़ती अरुचि से देश में संसदीय प्रजातंत्र को कायम रख पाना मुश्किल हो सकता है ।

सकारात्मक सोच कोरोना काल में अचूक रामबाण

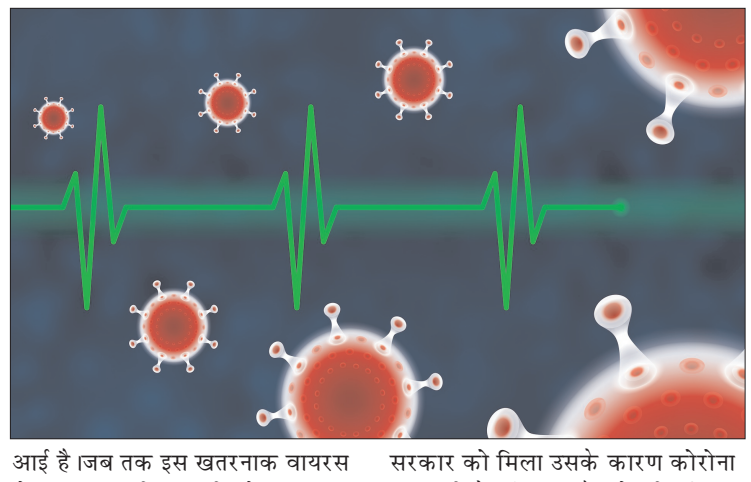

संपूर्ण विश्व में सकारात्मक सोच के आश्चर्यजनक व चमत्कारिक एवं मानव जीवन पर पड़ने वाले इस के रहस्यमई असर को एक सुर में सभी ने स्वीकारा है। तथा अनेकों बार वैज्ञानिक परीक्षण कर यह सिद्ध किया जा चुका है। कि सकारात्मक सोच का सीधा असर हमारे मन मस्तिष्क पर पड़ता है। जिसके परिणाम स्वरूप हमारे भीतर सुख सुरक्षा एवं आनंद के भाव जागृत करने वाले जैविक रसायन उत्पन्न कर हमारे शरीर की सुरक्षा प्रणाली को बेहतर कर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा देता है। जिसके कारण हम अनेक प्रकार के रुग्णताओं से मुक्त रहते हैं। देश में जब आज वैश्विक कोरोना महामारी अपने विकराल रूप मे मृत्यु रूपी तांडव कर विनाश लीला खेल रही है। जहां एक ओर पूरे देश मे भैय और चिंता का माहौल व्याप्त है। वहीं दूसरी तरफइस प्राण घातक महामारी से बचाव का कोई मार्ग नहीं दिख रहा है। तथा न ही अभी तक इस महामारी की कोई खास एंव असरदार दवा ही सामने आई है ।जब तक इस खतरनाक वायरस से बचाव का टीका सभी को न लग जाए तब तक मजबूत इच्छा शक्ति के साथ सकारात्मक नजरियें को बनाए रखना होगा। यही सकारात्मक सोच हमारे लिए मील का पत्थर साबित होगा। हमारे देश की सरकार ने समय रहते जो लॉकडाउन का सकारात्मक निर्णय लिया तथा राज्य सरकारों एंव देश की जनता का जो सहयोग देश की सरकार को मिला उसके कारण कोरोना महामारी के संक्रमण फैलने की गति पर काफी हद तक अंकुश लगा है ।आप को ज्ञात होगा कि समय-समय पर देश के प्रधानमंत्री ने अनेक उत्साहवर्धन कार्य करने की अपील देश की जनता से की जिसमें थाली बजाना, ताली बजाना, दिए जलाना तथा मेडिकल स्टाफ सफाई कर्मचारी एवं मित्र पुलिस को करोना योद्धा सम्मान देकर हौसला बढ़ाना यह सभी कार्य हमारे आत्म बल एवं सकारात्मक सोच को बनाए रखने के लिए ही किए गए।

इसके विपरीत दूसरी तरफयह भी सत्य है कि भले ही देश की आबादी का एक बड़ा हिस्सा फिर हाल अभी संक्रमण से बचा हुआ है। लेकिन मानसिक रूप से महामारी का गंभीर असर पूरे देश की जनता पर पडा है ।सभी लोग भय व तनाव पूर्ण अवस्था से गुजर रहे है। जिसका पहला कारण तो लगातार बढता संक्रमण का खतरा तथा दूसरा कारण लोगों की जीविका का है। मानव जीवन अर्थ पर ही निर्भर है । जैसे मानो अर्थ केंद्र मे लगी वह कील है जिस पर मानव जीवन की चक्की घूमती रहती है।

इसके साथ ही लोग खुद को अकेला और असहाय महसूस कर रहे हैं सभी का एक दूसरे से मिलना जुलना बंद हो गया है। तथा भय चिंता एवं अकेलापन लोगों को गंभीर रूप से मानसिक रोगी बना रहा है। ऐसी दशा में लोगों के अंदर अवसाद बढ़ना लाजमी है। देश में आत्महत्याओं का दौर चल पड़ा है। पढ़े-लिखे बुद्धिजीवी लोग आत्महत्या जैसा कदम उठा रहे हैं। हाल में ही ऐसी कई घटनाएं देश भर से देखने को मिली है। इसके साथ ही गृह कलह भी इस कदर बढ़ गई है, कि हत्या जैसे मामले सामने आ रहे है। इन घटनाओं से साफ स्पष्ट होता है कि लोग किस प्रकार की मनोदशा से गुजर रहे हैं। ऐसी कठिन परिस्थितियों और हालातों में सभी को सकारात्मक नजरिया अपनाते हुए खुद को और समाज को बचाना है। यही एकमात्र विकल्प हमारे पास है। सरकार भी समय व परिस्थितियों को देखते हुए सकारात्मक कदम उठा रही है। लेकिन इसके साथ ही हम सभी को मन मस्तिक से मजबूत

बनना पड़ेगा। हमारे देश के प्रधानमंत्री देश की जनता से आत्मनिर्भर बनने के लिए बार-बार कह रहे हैं। यही सकारात्मक सोच ही आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर वैश्विक कोरोना महामारी की लड़ाई में रामबाण सिद्ध होगी।

पूर्वी भारत की ऊर्जा संभावना

अरविंद मिश्रा
ऊर्जा विशेषज्ञ

विकास के मानकों में जितना विरोधाभास देश के पूर्वी हिस्से ने दर्ज किया, शायद ही किसी क्षेत्र में देखने को मिला हो। उत्तर प्रदेश को स्पर्श करती भारत-नेपाल सीमा से लेकर ओड़िशा के कटक तक खनिज संसाधनों की प्रचुर मात्रा, पर्यावरणीय व जैविक संपन्नता के साथ सांस्कृतिक चेतना से युक्त परिश्रमी मानव संसाधन की बदौलत देश का पूर्वी हिस्सा भारत का ही नहीं, अपितु दक्षिण एशिया का आर्थिक इंजन हुआ करता था, लेकिन आजादी के बाद धीरे-धीरे यह क्षेत्र पिछड़ता चला गया. कोरोना संकट के दौरान देश के कोने-कोने में रह रहे पूर्वी भारत के प्रवासी श्रमिकों के पलायन की तस्वीरों ने समावेशी विकास के दावों की दुर्बलताओं को उजागर कर दिया है.आर्थिक संगठनों के मुताबिक, पश्चिम बंगाल अकेले 2035 तक तीन खरब डॉलर की क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था बन सकता है. वर्तमान में पूर्वी हिस्से की अर्थव्यवस्था में इस राज्य अकेले 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी है. इस क्षेत्र के खनिज और ऊर्जा ताकत का आकलन इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओड़िशा और आंध्रप्रदेश के सीमावर्ती जिले लगभग 80 प्रतिशत लौह अयस्क उत्पादित करते हैं, जबकि कोकिंग कोल का 100 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं राज्यों से आता है. क्रोमाइट, बॉक्साइट और डोलामाइट जैसे खनिजों के भंडार से भी यह क्षेत्र संपन्न है. पूर्वी भारत में पाराद्वीप, हल्दिया, विजाग, कोलकाता समेत देश के प्रमुख बंदरगाह हैं. ऊर्जा, खनिज संसाधन के साथ यह क्षेत्र आसियान देशों के साथ सीधे संपर्क की नैसर्गिक सुविधा उपलब्ध कराता है. इसलिए आर्थिक मोर्चे के अलावा कूटनीतिक रूप से भी पूर्वी छोर की विशेष अहमियत है. आज विभिन्न दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के साथ भारत का कारोबार 80 अरब डॉलर तक पहुंचा है, तो उसके पीछे पूर्वी भारत में खनिज आधारित उद्योगों की संपन्नता प्रमुख है, लेकिन पिछली सरकारों ने पूर्वी भारत के ऊर्जा संसाधनों के विकास को उस रूप में गति नहीं दी, जिसकी संभावना व अवसर यहां उपलब्ध थे. यदि स्टील उद्योग को ही विकसित किया जाए, तो

अकेले 25 लाख नौकरियां सृजित होंगी. यहां का परिश्रमी मानव संसाधन सक्षम आधारभूत संरचना विकसित करने में मददगार साबित हो सकता है, बशर्ते एक्ट इस्ट पॉलिसी (पहले लुक इस्ट पॉलिसी) को सफल बनाया जाए. नीति निर्धारकों को यह समझना होगा कि जो नीति किसी एक राज्य के अनुकूल हो सकती है, आवश्यक नहीं कि वह अन्य राज्यों में भी सफल हो। अब समय आ गया है कि उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, ओड़िशा और छत्तीसगढ़ के लिए कोयला, पेट्रोल, शहरी गैस परियोजना और नवीनीकृत ऊर्जा संसाधनों से जुड़ी नीतियों में विविधता लायी जाए. यह इसलिए भी प्रासंगिक है क्योंकि इन राज्यों की भौगोलिक संरचना ही नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता भी अन्य राज्यों से अलग है।

इस साल के शुरू में केंद्र सरकार ने 102 लाख करोड़ रुपये की नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन परियोजना शुरू की है. इसके तहत सड़क और समुद्री मार्ग में पेट्रो-गैस पाइपलाइन का नेटवर्क बढ़ाया जायेगा. मोदी सरकार ने 2016 में ही पूर्वी हिस्से को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़ने की योजना मंजूर की थी. इस पाइपलाइन से पांच राज्यों को अभूतपूर्व लाभ होगा. पूर्वी भारत के दो दर्जन बड़े जिले और शहर पहले ही ऊर्जा गंगा परियोजना के जरिये इससे जुड़ चुके हैं. यह गैस पाइपलाइन यदि पूर्वोत्तर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन ग्रिड के साथ जुड़ती है, तो पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत तक ऊर्जा पहुंच सकेगी, लेकिन सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस योजना से छोटे शहर भी जुड़ें।

इससे आत्मनिर्भर भारत के लिए आवश्यक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी. आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था में प्राण फूंकना होगा और ग्रामीण भारत तक किफायती दर में स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति के बिना यह संभव नहीं होगा. डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के अनुप्रयोगों के जरिये यहां उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप उद्यमिता विकास कार्यक्रम संचालित करने होंगे, अन्यथा कोविड-19 के बाद की परिस्थितियों में यह क्षेत्र बेरोजगारी और पलायन की नयी चुनौतियों को जन्म देगा.

Email: sindhutimes99@gmail.com

web: www.sindhutimes.in

लखनऊ, बुधवार, 23 जून 2021

खेल

सिन्धु टाइम्स 5

मनप्रीत टोक्यो ओलम्पिक के लिए भारतीय हॉकी टीम के कप्तान नियुक्त

मनप्रीत की कप्तानी में टीम ने पिछले चार वर्षों में कई मील के पत्थर स्थापित किए हैं

नयी दिल्ली वार्ता। हॉकी इंडिया ने अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह को मंगलवार को टोक्यो ओलंपिक खेलने जाने वाली 16 सदस्यीय भा इंडिया ने टोक्यो ओलंपिक के लिए मनप्रीत सिंह को पुरुष हॉकी टीम का कप्तान नियुक्त किया है। हॉकी इंडिया ने इसके अलावा अनुभवी डिफेंडरों बिरेंद्र लाकड़ा और हरमनप्रीत सिंह को टीम के उप कप्तान के रूप में नियुक्त किया है जो टीम के नेतृत्व समूह का भी हिस्सा हैं।

उल्लेखनीय है कि मनप्रीत की कप्तानी में टीम ने पिछले चार वर्षों में कई मील के पत्थर स्थापित किए हैं, जिसमें 2017 में एशिया कप, 2018 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी और 2019 में एफआईएच सीरीज फाइनल जीतना शामिल है। मनप्रीत सिंह की अगुआई में टीम ने भुवनेश्वर में एफआईएच पुरुष विश्व कप 2018 के क्वार्टर फाइनल में भी जगह बनाई थी। कोरोना महामारी के कारण शेड्यूल के बाधित होने से पहले टीम ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2020 में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। मनप्रीत का यह तीसरा ओलंपिक होगा। उनके नेतृत्व में टीम ने अपनी विश्व रैंकिंग में भी सुधार किया है। फिलहाल वह चौथे नंबर पर है।

वहीं बीरेंद्र और मनप्रीत एक अनुभवी डिफेंडर हैं। बीरेंद्र 2012 के लंदन ओलंपिक खेलों का भी हिस्सा थे, लेकिन 2016 में घुटने की एक बड़ी सर्जरी के कारण वह रियो ओलंपिक में खेलने से चूक गए थे, लेकिन चोट के कारण थोड़े समय के ब्रेक के बाद टीम में वापसी के बाद से बीरेंद्र ने अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम में अपनी भूमिका में दृढ़ रहे हैं। मनप्रीत की बात करें तो 2015 में सीनियर भारतीय टीम में पदार्पण के बाद से वह ड्रैगफ्लिकर और डिफेंडर के रूप में अपनी भूमिका में निखरे हैं। 2019 में कप्तान मनप्रीत की गैर मौजूदगी में हरमनप्रीत ने टोक्यो में एफआईएच ओलंपिक टेस्ट इवेंट में भारतीय टीम को जीत दिलाई थी।भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा, तीनों खिलाड़ी पिछले कुछ वर्षों में टीम के नेतृत्व का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं और तीनों ने इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान युवाओं का मार्गदर्शन करने में काफी परिपक्वता दिखाई है। हमें विश्वास है कि दो उप कप्तानों को चुनने से टूर्नामेंट में हमारा नेतृत्व मजबूत होगा। हमें विश्वास है कि वे मिलकर टीम को सफलता की ओर ले जाएंगे।

मनप्रीत ने ओलंपिक खेलने जाने वाली भारतीय पुरुष टीम का कप्तान बनाए जाने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह ओलंपिक सच में खास होगा और मैं इस बार टीम कप्तान के रूप में तीसरी बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर पाकर खुश हूं। यह जिम्मेदारी दिए जाना मेरे लिए बहुत गर्व का क्षण है। पिछले कुछ वर्षों में हमने एक मजबूत नेतृत्व समूह विकसित किया है और महामारी से उत्पन्न चुनौतियों को सफलतापूर्वक पार किया है, ताकि हम अपना फॉर्म न छोड़ें और अपने दिमाग और फिटनेस को ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए केंद्रित रखें।

बीरेंद्र ने कहा, यह ओलंपिक उनके लिए खास है और टीम के उप कप्तान के रूप में चुने जाने से यह और भी खास हो गया है। यह एक बहुत ही खास ओलंपिक होगा, क्योंकि हमने सच में अच्छी तैयारी की है और टोक्यो में पदक जीतने के लिए तैयार हैं। हरमनप्रीत सिंह के साथ उप कप्तान के रूप में चुने जाना मेरे लिए गर्व की बात है और भारतीय टीम के साथ पिछले वर्षों में हमने देखा है कि खिलाड़ियों ने इस मुश्किल समय के बावजूद अपनी तैयारियों के दौरान काफी मानसिक दृढ़ता दिखाई है।

हरमनप्रीत ने इस अवसर के लिए हॉकी इंडिया और कोचिंग स्टाफ को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा, जब मैं 2015 में पूरी तरह से नवागंतुक के रूप में टीम में आया था तो बहुत सारे सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा मार्गदर्शन किया और मुझे अब वही भूमिका निभाने की उम्मीद है। हमारे पास एक अच्छी और अच्छी तरह से तैयार टीम है। हर कोई इस अवसर का लाभ उठाने के लिए उत्साहित है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम टोक्यो में 24 जुलाई को अपने ओलंपिक अभियान की शुरुआत करेगी। वह अपने पहले पूल चरण के मैच में न्यूजीलैंड से भिड़ेगी।

नोएडा शूटिंग रेंज चंद्रो तोमर के नाम

लखनऊ वार्ता। उत्तर प्रदेश के नोएडा में स्थापित शूटिंग रेंज को अब प्रख्यात निशानेबाज चंद्रो तोमर के नाम से जाना जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'कू' एप के माध्यम से यह जानकारी दी। उन्होने लिखा ख्यातिलब्ध निशानेबाज चन्द्रो तोमर जी जीवटता, जिजीविषा और नारी सशक्तिकरण की अप्रतिम प्रतीक हैं। हाल ही में उनका देहावसान हुआ है। मातृ शक्ति को नमन करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के 'मिशन शक्ति' अभियान के क्रम में यह एक प्रयास है। उनके नाम पर शूटिंग रेंज का नामकरण युवाओं के लिए प्रेरणादायी सिद्ध होगा

गौरतलब है कि शूटर दादी के नाम से मशहूर चंद्रो तोमर का पिछली अप्रैल को कोरोना संक्रमण की चपेट में आने से मेरठ के एक अस्पताल में निधन हो गया था। वह 89 वर्ष की थी। 60 वर्ष की उम्र से निशानेबाजी में हाथ आजमाने वाली दुनिया की सबसे बुजुर्ग शूटर ने कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीते हैं। बागपत जिले की निवासी इस शूटर के जीवन पर बालीवुड में सांड की आंख नामक फिल्म भी प्रदर्शित हुयी थी जिसे भरपूर सफलता मिली थी।

हैदराबाद एफसी ने युवा विंगर अब्दुल रबीह एके को किया साइन

हैदराबाद, वार्ता। हैदराबाद फुटबॉल क्लब (एफसी) ने अपने युवा केंद्रित सेट-अप निर्माण पर ध्यान देते हुए अपने दस्ते में एक रोमांचक युवा प्रतिभा को शामिल किया है। उसने होनहार युवा विंगर अब्दुल रबीह एके को अपने साथ जोड़ा है। क्लब ने मंगलवार को इसकी घोषणा की है।

क्लब की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक मलप्पुरम के रहने वाले 20 वर्षीय अब्दुल इस सीजन क्लब के दूसरे नए खिलाड़ी बन गए हैं। पिछले शुक्रवार को क्लब ने युवा स्ट्राइकर आरेन डिसिल्वा को अपने दस्ते में जोड़ा था। 2013 में मलप्पुरम में एमएसपी हायर सेकेंडरी स्कूल के साथ अपने युवा करियर की शुरुआत करने के बाद रबीह ने द्वितीय डिवीजन लीग के अलावा अंडर-16 और अंडर-18 स्तरों पर एआईएफएफ यूथ लीग में भी भाग लिया है। उन्होंने 2020-21 सीजन लुका एससी, मलप्पुरम के साथ बिताया। केरल प्रीमियर लीग में उन्होंने अपनी टीम के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।रबीह ने हैदराबाद एफसी से जुड़ने के बाद एक बयान में कहा, हैदराबाद एफसी वर्तमान में एक ऐसा क्लब है, जहां अधिकतर युवा फुटबॉल खिलाड़ी खेलना पसंद करेंगे। मेरे जैसे युवा को उसने जो अवसर दिया है मैं उसे जाने नहीं दे सकता। राष्ट्रीय टीम में उनका बड़ा योगदान सभी युवा खिलाड़ियों को विश्वास दिलाता है और मैं क्लब का हिस्सा बनने और अपनी क्वालिटी दिखाने का इंतजार नहीं कर सकता।

पहली वनडे सीरीज की मेजबानी करने के लिए तैयार स्पेन

दुबई, वार्ता। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को स्कॉटलैंड नामीबिया और नेपाल के बीच विश्व कप लीग की दो वनडे त्रिकोणीय श्रृंखलाओं सहित तीन क्वालीफायर टूर्नामेंटों को ब्रिटेन में जारी कोरोना प्रतिबंधों के कारण स्पेन में स्थानांतरित किए जाने की पुष्टि की है।

उल्लेखनीय है कि छह मैचों की त्रिकोणीय श्रृंखला 20 जुलाई से 30 जून तक अल्मेरिया के बाहरी डेजर्ट स्प्रिंग्स मैदान में खेली जाएगी, जबकि यूरोपीय महिला टी-20 विश्व कप क्वालीफायर और यूरोपीय पुरुष अंडर-19 विश्व कप क्वालीफायर दोनों की मेजबानी स्पेन के ला मंगा में क्रमश: 26 और अगस्त 30 और 19 से 25 सितंबर तक की जाएगी। आईसीसी की इस घोषणा का मतलब है कि स्पेन नीदरलैंड के बाद पुरुष एकदिवसीय क्रिकेट की मेजबानी करने वाला दूसरा महाद्वीपीय यूरोपीय देश बनने के लिए तैयार है।18 महीने से अधिक के अंतराल के बाद स्पेन में दो वनडे त्रिकोणीय श्रृंखलाएं आईसीसी के पुरुष वनडे टूर्नामेंट दूसरा चरण है जो फिर से शुरू होगा। इससे पहले नेपाल ने पिछले वर्ष फरवरी में सबसे हाल की लीग दो श्रृंखला में अमेरिका और ओमान की मेजबानी की थी। इस प्रकार प्रतियोगिता में अब तक 21 में से केवल पांच निर्धारित श्रृंखलाएं खेली गई हैं, जो 2023 विश्व कप के लिए अंतरराष्ट्रीय क्वालीफायर के लिए एक मार्ग के रूप में कार्य करती हैं।

नबी को एसीबी के बोर्ड सदस्य के पद से मुक्त किया गया

काबुल, वार्ता। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने सोमवार को सीनियर एवं अनुभवी खिलाड़ी मोहम्मद नबी को आगामी अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बोर्ड निदेशक के कर्तव्यों से मुक्त कर दिया है।

एसीबी ने सोमवार को घोषणा करते हुए बताया कि नई दिल्ली में अफगानिस्तान के वर्तमान राजदूत फरीद मामुंडजे ने बोर्ड के सदस्य के रूप में नबी की जगह ली है। एसीबी ने एक बयान में कहा, सीनियर खिलाड़ी मोहम्मद नबी को बोर्ड के सदस्य के रूप में उनके कर्तव्यों से मुक्त करने का फैसला अफगानिस्तान के आगामी महत्वपूर्ण और व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर को देखते हुए लिया गया है, जहां वह राष्ट्रीय टीम के लिए सबसे अनुभवी ऑलराउंडर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

समझा जाता है कि एसीबी ने मामुंडजे को बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त करने का फैसला इसलिए लिया है, क्योंकि इससे उसे भारत में अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में मदद मिलेगी, जहां अफगानिस्तान की टीम अपने घरेलू मैच खेलती है।

उल्लेखनीय है कि मामुंडजे एक शिक्षित एवं योग्य राजनयिक हैं, जिन्होंने पहले विभिन्न उच्च स्तरीय और प्रतिष्ठित पदों पर कार्य किया है। उनकी शैक्षणिक योग्यता में अंतरराष्ट्रीय लेखा एवं वित्त में परास्नातक शामिल हैं। उन्होंने अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ अफगानिस्तान में प्रोफेसर के रूप में भी काम किया है।

शॉट पुटर तेजिंदरपाल सिंह तूर ने टोक्यो ओलंपिक्स के लिए किया क्वालीफाई

पटियाला, वार्ता। शॉट पुट एथलीट तेजिंदरपाल सिंह तूर ने एनआईएस पटियाला में चौथी इंडियन ग्रां प्री में एशियाई रिकॉर्ड तोड़कर टोक्यो ओलंपिक्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

एशियाई खेलों के चैंपियन तूर ने सोमवार को लोहे का गोला 21.49 मीटर तक फेंक कर ओलम्पिक टिकट हासिल किया । शॉट पुट में ओलम्पिक क्वालिफिकेशन मार्क 21.10 मीटर था।

26 वर्षीय तेजिंदरपाल ने अपने इस प्रयास से 2009 में दोहा में सऊदी अरब के सुल्तान अब्दुलमाजिद अल-हब्शी के बनाये 21.13 मीटर के एशियाई रिकॉर्ड में उल्लेखनीय सुधार किया। तूर का पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 20.92 मीटर था जो उन्होंने 2019 में राष्ट्रीय ओपन चैंपियनशिप में बनाया था।

इस बीच महिला रिले टीम रिकॉर्ड प्रयास करने के बावजूद ओलम्पिक क्वालीफाईंग समय के अंदर नहीं पहुंच पायी। हिमा दास, दुती चंद, इस धनलक्ष्मी और अर्चना सुसीनद्रन ने 43.37 सेकंड का समय निकालकर भारत बी टीम (48.02 सेकंड) और मालदीव (50.74) से काफी आगे रहते हुए जीत हासिल की।

भारतीय टीम ने 2016 में कजाखस्तान चैंपियनशिप में मर्लिन जोसफ, एच एम ज्योति, शरबानी नंदा और दुती द्वारा बनाये गए 43.42 सेकंड में सुधार किया लेकिन भारतीय चौकड़ी टोक्यो की 16 टीमों में जगह बनाने के लिए 43.05 सेकंड का समय नहीं निकाल पायी।

टोक्यो में चार गुना 100 मीटर रिले में 16 टीमें हिस्सा लेंगी जिनमें से 14 टीमें क्वालीफाई कर गयी हैं जबकि शेष दो टीमों का फैसला रैंकिंग के आधार पर किया जाएगा।

भारत सोमवार की रेस से पहले अपने 43.81 सेकंड के साथ 22वें स्थान पर था। भारत ने यह समय 2019 की एशियन चैंपियनशिप ने निकाला था। सोमवार के समय के साथ भारत अब 20वें स्थान पर आएगा।

उधर ओलम्पिक जाने वाली एथलीट कमलप्रीत कौर ने महिला डिसकस थ्रो में 66.59 मीटर की थ्रो के साथ नया रिकॉर्ड बनाया। लेकिन उनका यह प्रदर्शन राष्ट्रीय रिकॉर्ड नहीं माना जाएगा क्योंकि वह इस स्पर्धा में अकेले हिस्सा ले रही थीं। नियम साफ़ कहते हैं किसी प्रदर्शन को रिकॉर्ड के रूप में मान्यता देने के लिए उस स्पर्धा में कम से कम तीन एथलीट होने चाहिए।

बटलर के शेष आईपीएल 2021 सत्र में शामिल होने की संभावना नहीं

लंदन, वार्ता। इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज जोस बटलर के इस साल के अंत में पुनर्निर्धारित आईपीएल में न खेलने की उम्मीद जताने के बाद आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स को बड़ा झटका लगा है। दरअसल आईपीएल 2021 सत्र के टी-20 विश्व कप से पहले इंग्लैंड के बंगलादेश और पाकिस्तान के सीमित ओवर दौरों के शैड्यूल से टकराने की पूरी संभावना है। ऐसे में इंग्लैंड के कई खिलाड़ी आईपीएल से बाहर रहेंगे, जिसमें जोस बटलर भी शामिल है।

बटलर ने सोमवार को एक बयान में कहा, मुझे लगता है कि हम बहुत क्रिकेट खेलते हैं और हम समझते हैं कि यह एक छोटा करियर है और आप उपलब्ध रहना चाहते हैं और जितना हो सके उतना खेलना चाहते हैं, लेकिन निश्चित समय पर मुझे नहीं लगता कि यह संभव है - और मुझे लगता है कि कोरोना ने इसे और भी जटिल बना दिया है। जब आप क्रिकेट नहीं खेल पाते हैं तो यह हमेशा निराशाजनक होता है। मैं अच्छा महसूस कर रहा था और चीजें अच्छी चल रही थीं, लेकिन अगर मुझे एक और मौका मिलता है तो मैं उस आत्मविश्वास को बरकरार रखूंगा। साथ ही एक खिलाड़ी के रूप में जो मददगार रहा है, वह कोचों और कप्तानों के साथ आपकी खुली चर्चा है।

उल्लेखनीय है कि इंग्लैंड के कुछ खिलाड़ियों को मार्च और अप्रैल में आईपीएल में खेलने की अनुमति दी गई थी। परिणामस्वरूप वे इस महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट नहीं खेल पाए थे, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैच देर से कैलेंडर में जोड़े गए थे। समझा जाता है कि इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) पहले ही अपने खिलाड़ियों के साथ सहमत हो गया था कि वे भारत में पूरा टूर्नामेंट खेल सकते हैं।वहीं ईसीबी के पुरुष क्रिकेट के प्रबंध निदेशक एश्ले जाइल्स पहले ही यह कह चुके हैं कि उन्हें उम्मीद है कि आईपीएल के साथ टकराव होने पर इंग्लैंड के खिलाड़ी इस साल के अंत में अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी पर होंगे और बटलर की भी यही समझ है। उन्होंने एक बयान में कहा, आमतौर पर आईपीएल किसी भी अंतरराष्ट्रीय खेल से नहीं टकराता है, जो इसे उपलब्ध होने के लिए एक बहुत ही आसान टूर्नामेंट बनाता है। जब यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से टकराएगा तो इंग्लैंड को प्राथमिकता मिलेगी।

ईसीबी की रोटेशन नीति तंग अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम का एक लक्षण है और बटलर का कहना है कि इंग्लैंड के खिलाड़ियों के लिए पूरा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना यथार्थवादी नहीं है जो इस साल चरमरा गया है। उन्होंने सुझाव दिया कि यह सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम को देखा जाना चाहिए कि इंग्लैंड अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अधिक समय तक उपलब्ध करा सके।

कुमार संगकारा पूरी दुनिया के हीरो हैं : केविन पीटरसन

मुंबई, वार्ता। कुमार संगकारा को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर बधाई देते हुए स्टार स्पोर्ट्स सेलेक्ट के डगआउट विशेषज्ञ केविन पीटरसन ने कहा है कि कुमार संगकारा को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया, इससे वह बहुत खुश हैं। वह एक महान व्यक्ति एवं महान खिलाड़ी हैं। वह श्रीलंका के ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के हीरो हैं।

पीटरसन ने मंगलवार को कहा, बधाई दोस्त। यह बहुत अच्छा है और बहुत बड़ी उपलब्धि है। आपको और आपके परिवार को आप पर बहुत गर्व होना चाहिए और मुझे पता है कि यह आपके लिए कितना मायने रखता है। स्टार स्पोर्ट्स सेलेक्ट के एक अन्य डगआउट विशेषज्ञ ब्रायन लारा ने कहा, अन्य बल्लेबाजों से अलग कुमार संगकारा दुनिया भर के सभी गेंदबाजी आक्रमणों के खिलाफ सभी परिस्थितियों में प्रबल रहे और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने यह केवल अपने घरेलू मैदानों पर ही नहीं, बल्कि विदेशी जमीन पर भी किया है। कुमार संगकारा ने कई मौकों पर मुझे चौंकाया है, लेकिन जो सबसे अलग है वह ऑस्ट्रेलिया में 2015 आईसीसी विश्व कप में उनके लगातार चार शतक थे। स्टार स्पोर्ट्स सेलेक्ट के डगआउट विशेषज्ञ ब्रेट ली ने कहा, मैं कुमार संगकारा को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस व्यक्ति और क्रिकेट की कितनी शानदार किंवदंती है। मैदान में हमारा कई बार आमना-सामना हुआ, लेकिन वह मैदान में और मैदान के बाहर एक शानदार इंसान हैं। हम एक ही टीम में साथी भी रहे हैं। 2008 में पहले आईपीएल में हम दोनों किंग्स इलेवन पंजाब के लिए खेले थे।

एक अन्य स्टार स्पोर्ट्स सेलेक्ट के डगआउट विशेषज्ञ मैथ्यू हेडन ने कहा, आपका कौशल, आपकी मानसिकता, आपके नेतृत्व, नियंत्रण करने में सक्षम होने की आपकी समग्र क्षमता और संतुलित लीडर की तरह खेलना आपको हमेशाा एक अच्छा और महान खिलाड़ी बनाता है। मुझे लगता है कि संगकारा यह शानदार पुरस्कार प्राप्त करने वाले बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं।

भारत ने न्यूज़ीलैंड को 249 पर समेटा, कीवी टीम को मिली 32 रन की बढ़त

साउथम्पटन, वार्ता। भारतीय गेंदबाजों ने शानदार वापसी करते हुए न्यूज़ीलैंड को आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के पांचवें दिन मंगलवार को पहली पारी में 249 रन पर रोक दिया और न्यूज़ीलैंड ने पहली पारी में 32 रन की संक्षिप्त बढ़त हासिल कर ली।

भारत की तरफ से मोहम्मद शमी ने 26 ओवर में 76 रन पर चार विकेट, इशांत शर्मा ने 25 ओवर में 48 रन देकर तीन विकेट, ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 15 ओवर में 28 रन पर दो विकेट और लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा ने 7.2 ओवर में 20 रन देकर एक विकेट निकाला।न्यूज़ीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन ने संघर्ष करते हुए 177 गेंदों पर छह चौकों के सहारे 49 रन बनाये। इशांत ने विलियम्सन को भारतीय कप्तान विराट कोहली के हाथों स्लिप में कैच कराया। निचले क्रम में टिम साउदी ने 46 गेंदों में एक चौके और दो छक्कों के सहारे 30 रन बनाये और जडेजा ने उन्हें बोल्ड कर न्यूज़ीलैंड की पारी 249 रन पर समेटी जबकि जडेजा के इस ओवर की पहली गेंद पर साउदी ने छक्का मारा था लेकिन अगली गेंद पर जडेजा ने उन्हें बोल्ड कर बदला चुका लिया। इस दौरान शमी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट निकाले।

बर्मिंघम फीनिक्स के सहायक कोच नियुक्त जेम्स फ्रैंकलिन

लंदन, वार्ता। न्यूजीलैंड के पूर्व ऑल राउंडर जेम्स फ्रैंकलिन को द हंड्रेड टूर्नामेंट की टीम बर्मिंघम फीनिक्स का सहायक कोच नियुक्त किया गया है। टीम ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की है। फ्रैंकलिन एंड्रयू मैकडॉनल्ड की जगह लेंगे, जो कोरोना महामारी के कारण ब्रिटेन की यात्रा नहीं करेंगे। एलेक्स गिडमैन भी अंतरिम मुख्य कोच डेनियल विटोरी की सहायता करेंगे, जबकि फ्रैंकलिन रॉयल लंदन वनडे कप के दौरान डरहम के लिए अनुपलब्ध रहेंगे।मैकडॉनल्ड हालांकि 2022 में मुख्य कोच के रूप में वापसी करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने मंगलवार को एक बयान में कहा, इस समर यात्रा नहीं करना सच में एक मुश्किल फैसला था और मुझे बेहद दुख है कि मैं टीम की कोचिंग के लिए व्यक्तिगत रूप से साथ नहीं रहूंगा। मैं डेनियल और उनकी टीम को सलाह और समर्थन देने के लिए जो कुछ भी कर सकता हूं वह कर रहा हूं और मैं पहले से ही अगले सीजन में एक भूमिका निभाने के लिए उत्सुक हूं। फ्रैंकलिन ने कहा, विटोरी ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी), ब्रिस्बेन हीट और मिडलसेक्स में कोचिंग सेटअप का नेतृत्व किया है। मैं सच में इस वर्ष एंड्रयू से पदभार संभालने के लिए कहे जाने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हम नियमित रूप से संवाद करना जारी रखेंगे और एंड्रयू की सलाह हमारी सफलता के लिए महत्वपूर्ण होगी। हमारी टीम सच में मजबूत दिख रही है और हम एक विजेता टीम बनाना चाहते हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच पद से हटे यूनिस खान

कराची, वार्ता। पूर्व पाकिस्तान बल्लेबाज यूनिस खान ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच के पद से इस्तीफा दे दिया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को घोषणा करते हुए बताया कि पूर्व क्रिकेटर और पीसीबी ने पारस्परिक रूप से अलग होने के लिए सहमति जताई है। यूनिस को नवंबर 2020 में बल्लेबाजी कोच के रूप में नियुक्त किया गया था और पीसीबी के साथ उनका दो साल का अनुबंध था, जो 2022 में टी-20 विश्व के बाद समाप्त होना था।

अपनी बल्लेबाजी विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए पिछले साल इंग्लैंड में पाकिस्तान के साथ रहे यूनिस ने 2020-21 में न्यूजीलैंड के दौरे के साथ अपने आधिकारिक कोचिंग कार्यकाल की शुरुआत की थी, जिसमें उनकी टीम तीन में से दो टी-20 हार गई थी। इसके अलावा टेस्ट सीरीज में हार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा थी।

यूनिस की कोचिंग में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को घरेलू टेस्ट सीरीज 2-0 और टी-20 सीरीज 2-1 से हराई थी, जबकि वनडे में उसने दक्षिण अफ्रीका को 3-1 से मात दी थी। यूनिस की आखिरी श्रृंखला इस साल अप्रैल-मई में जिम्बाब्वे दौरे के रूप में थी, जिसमें पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को टी-20 सीरीज में 2-1 और दोनों टेस्ट मैचों को पारी के अंतर से जीता था।

यूनिस के पद से हटने के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन पीसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वसीम खान ने कहा कि काफी चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया है। उन्होंने एक बयान में कहा, यूनिस खान के कद और अनुभव के एक विशेषज्ञ को खोना दुखद है। कई चर्चाओं के बाद हम दोनों अनिच्छा से, लेकिन परस्पर और सौहार्दपूर्ण रूप से सहमत हुए हैं कि यह अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ने का समय है। मैं पाकिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच के रूप में यूनिस खान को उनके छोटे कार्यकाल के दौरान उत्कृष्ट योगदान के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं और आशा करता हूं कि वह उभरते क्रिकेटरों के साथ अपने विशाल ज्ञान को साझा करके पीसीबी की सहायता के लिए उपलब्ध रहेंगे।

यूनिस के पद से हटने के बाद पाकिस्तान की टीम अब बिना बल्लेबाजी कोच के इंग्लैंड की यात्रा करेगी। समझा जाता है कि मुख्य कोच मिस्बाह-उल-हक को अतिरिक्त जिम्मेदारियां दी जाएंगी। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के समापन के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ी 25 जून को तीन वनडे और तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला के लिए ब्रिटेन जाएंगे, जो आठ से 20 जुलाई तक होगी। इंग्लैंड दौरे के बाद पाकिस्तान की टीम कैरिबियाई दौरे पर रवाना होगी, जहां वह 27 जुलाई से 24 अगस्त तक वेस्ट इंडीज के खिलाफ पांच वनडे और दो टेस्ट खेलेगी। पीसीबी के वेस्ट इंडीज दौरे से पहले यूनिस के प्रतिस्थापन के नाम की घोषणा करने की उम्मीद है।

दो दशकों तक भारत के कोच रहे यूक्रेन के ओगोरोदनिक का निधन

नयी दिल्ली, वार्ता। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने यूक्रेन के कोच यूरी ओगोरोदनिक के निधन पर गहरा शोक जताया है। वह 84 वर्ष के थे और दो दशकों तक भारत के कोच रहे थे। ओगोरोदनिक का सोमवार को खार्कीव में निधन हो गया था।

महासंघ के अध्यक्ष आदिल जे सुमारिवाला ने अपने शोक सन्देश में कहा,%%यूरी भारतीय एथलीटों के दोस्त थे और उनके उत्थान में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। उन्होंने कहा,मुझे दु:ख है कि हमने भारतीय एथलेटिक्स के दोस्त को खो दिया है।

राजा सुहेल देव का किरदार निभायेंगे अक्षय कुमार

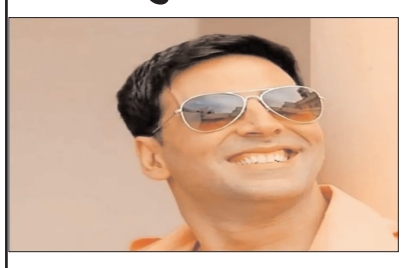

मुंबई,वार्ता। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार सिल्वर स्क्रीन पर राजा सुहेल देव का किरदार निभाते नजर आ सकते हैं।

अक्षय कुमार इन दिनों फिल्म पृथ्वीराज में राजा पृथ्वीराज का किरदार निभा रहे हैं। बॉलीवुड में चर्चा है कि अक्षय राजा सुहेल देव के किरदार को भी सिल्वर स्क्रीन पर साकार करते नजर आ सकते हैं। राजा सुहेल देव भारतीय इतिहास के पराक्रमी राजाओं में से एक रहे हैं। राजा सुहेल देव के ऊपर लेखक अमीश त्रिपाठी ने एक किताब लिखी है, जिस पर एक फिल्म बनने वाली है।बताया जा रहा है कि अमीश त्रिपाठी की इस किताब के राइटस अश्विन वर्दे ने खरीदे हैं। अश्विन ,अक्षय को लेकर बॉस और द शौकीन्स जैसी फिल्में बना चुके हैं। बताया जा रहा है कि अक्षय और अश्विन ने हाल में ही एक इस फिल्म के बारे में बात की है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म को बहुत बड़े स्केल पर शूट करने की प्लानिंग हो रही है। फिल्म में शानदार स्टंट्स होंगे,जिसके लिए इंटरनेशनल एक्शन डायरेक्टर्स को साइन किया जाएगा। फिल्म को भारत के अलग-अलग हिस्सों में शूट किया जाएगा।

जय देवगन ने मैदान की रिलीज डेट का किया ऐलान

नई दिल्ली वार्ता। बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन लंबे समय बाद अपनी नई फिल्म मैदान की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में दशहरा के मौके पर 15 अक्टूबर को रिलीज होगी। अजय देवगन ने यह जानकारी सोशल मीडिया के जरिए अपने फैन्स के साथ शेयर की है। अजय देवगन की यह फिल्म सैयद अब्दुल रहीम की जिंदगी पर आधारित है जो साल 1950 से लेकर 1963 तक इंडियन नेशनल टीम के फुटबॉल कोच और मैनेजर थे। फिल्म में अजय देवगन सैयद अब्दुल रहीम की भूमिका में नजर आएंगे।अजय देवगन ने ट्वीट किया, अब मैदान 2021 में दशहरा पर थियेटर्स में वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। शूट की शुरुआत जनवरी 2021 में होगी। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें वह रेट्रो लुक में नजर आ रहे हैं।बता दें कि इस फिल्म के कुछ हिस्से की शूटिंग लखनऊ, कोलकाता और मुंबई में हो चुकी हैं। अब जनवरी में इसका फाइनल शेड्यूल शूट होगा।

राजकुमार हिरानी की फिल्म में शाहरुख के साथ काम करेंगी तापसी!

मुंबई वार्ता। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू राजकुमार हिरानी की फिल्म में शाहरुख खान के साथ काम करती नजर आ सकती हैं।बॉलीवुड में चर्चा है कि शाहरुख खान ने एक फिल्म के लिए राजकुमार हिरानी से हाथ मिलाया है। कहा जा रहा है कि फिल्म इस साल के अंत में फ्लोर पर जाएगी। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ तापसी पन्नू स्क्रीन स्पेस शेयर करती दिखाई देंगी।इस फिल्म से पहले तापसी पन्नू, शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी फिल्म बदला में काम कर चुकी है। फिल्म में तापसी के साथ लीड रोल में अमिताभ बच्चन नजर आए थे। तापसी पन्नू इन दिनों रश्मि रॉकेट , हसीन दिलरुबा, शाबाश मिठू और लूप लापेटा जैसी फिल्मों में काम कर रही है।

बॉलीवुड में डेयू करेंगी श्रीदेवी-बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर

मुंबई वार्ता। बॉलीवुड की दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और फिल्मकार बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर बॉलीवुड में जल्द ही डेब्यू कर सकती हैं।बोनी कपूर और श्रीदेवी की बेटी जान्हवी कपूर ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत कर ली है। अब श्रीदेवी-बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर के बॉलीवुड में एंट्री को लेकर चर्चा हो रही है। खुशी पहले से ही सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव हैं। खुशी बहुत जल्द बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। बोनी कपूर से जब इस बारे में पूछा गया तब उन्होंने कहा कि हां, खुशी भी ऐक्टिंग करना चाहती हैं और आप जल्द ही कोई अनाउंसमेंट सुन सकते हैं।बोनी कपूर ने स्पष्ट किया है कि वह उन्हें लॉन्च नहीं कर रहे।बोनी कपूर ने बताया कि वह खुशी को लॉन्च नहीं कर रहे। उन्होंने कहा, मेरे पास रिसोर्सेस हैं, लेकिन मैं चाहता हूं कि इन्हें कोई और लॉन्च करे, वर्ना पक्षपात वाला रवैया आ जाता है। आप बतौर फिल्ममेकर इसे अफोर्ड नहीं कर सकते और न ही एक ऐक्टर के लिए यह अच्छा है।

खेसारीलाल यादव का नया गाना नाच के मलकिनी रिलीज

मुंबई वार्ता। भोजुपरी स्टार खेसारी लाल यादव का नया गाना नाच के मलकिनी रिलीज हो गया है।खेसारी लाल यादव का नया गाना नाच के मलकिनी सारेगामा हम भोजपुरी के यूट्यूब चैनल से रिलीन हुआ है। इस गाने के वीडियो को हाई लेवल का बनाया गया है।गाने की शुरुआत बेहद धांसू है। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता राजकुमार के अंदाज में खेसारीलाल यादव ने अपने डायलॉग की शुरुआत की है और उसके बाद जो समां बंधा है, उसके लिए सबों को एक बार वीडियो देखना होगा।गाना नाच के मलकिनी थोड़ा पार्टी थोड़ा डिस्को सॉन्ग जैसा है, जिसमें उनके साथ सुपर हॉट पाखी हेगड़े और सिजलिंग अभिनेत्री आकांक्षा दुबे नज़र आ रही हैं। पाखी हेगड़े के साथ खेसारीलाल के कई गाने आ चुके हैं। अब इस गाने में भी उनकी केमेस्ट्री खूब लोगों को भा रही है।

निखिल जैन से अलग हो चुकीं नुसरत जहां की मांग में दिखा सिंदूर तो भड़के यूज़र्स

पूछा- किस दुख में लगाया?

नई दिल्ली वार्ता। पश्चिम बंगाल में टीएमसी की सांसद और एक्ट्रेस नुसरत जहां पिछले कुछ दिनों से अपनी निजी ज़िंदगी को लेकर खबरों में हैं। नुसरत का अपने पति निखिल जैन से शादी को लेकर विवाद चल रहा है। इस बीच नुसरत के प्रेग्नेंट होने की ख़बरें भी आ रही हैं।

इन हालात के मद्देनज़र नुसरत की एक फोटो को लेकर सोशल मीडिया यूज़र्स उनके पीछे पड़ गये हैं। इस फोटो में नुसरत ने विवाहिता की तरह मांग में सिंदूर लगाया हुआ है, जिसकी वजह से उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। नुसरत पिछले कुछ वक़्त से एक गर्भ निरोधक गोली का विज्ञापन इंस्टाग्राम के ज़रिए कर रही हैं। इस संबंध में वो पहले भी पोस्ट कर चुकी हैं, मगर सोमवार को नुसरत ने एक ऐसी फोटो पोस्ट की, जिस पर यूज़र भड़क गये।दरअसल, इस फोटो में नुसरत ने बाकायदा साड़ी पहनी हुई है, माथे पर बिंदी और मांग में सिंदूर भरा हुआ है। निखिल जैन के साथ शादी को लेकर चल रहे मौजूदा विवाद के मद्देनज़र नुसरत को सिंदूर के लिए ट्रोल किया जा रहा है। एक यूज़र ने व्यंग्य कसते हुए बंगाली में पूछा- किस दुख में सिंदूर लगा रखा है? एक अन्य यूज़र ने लिखा- मेरे ख़्याल से आपने कहा था कि आप शादीशुदा नहीं हो। फिर सिंदूर क्यों? एक अन्य यूज़र ने लिखा कि आपने सिंदूर का अपमान किया है। फिर सिंदूर लगाकर विज्ञापन क्यों कर रही हो?

हालांकि, कई फैंस ने नुसरत के लुक की तारीफ़ भी की है और इमोजी के ज़रिए अपना प्यार ज़ाहिर किया है। निखिल जैन और नुसरत जहां की शादी में खटपट होने की ख़बरें तो काफ़ी वक़्त से आ रही हैं, जब एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से निखिल की सारी तस्वीरें डिलीट कर दी थीं।

पश्चिम बंगाल के चुनाव के वक़्त उनका नाम बंगाली फ़िल्मों के अभिनेता और सह कलाकार यश दासगुप्ता के साथ जुड़ा, जब यश ने बीजेपी ज्वाइन की थी। पिछले महीने इन ख़बरों की पुष्टि नुसरत के 9 बिंदुओं के एक स्टेटमेंट से हुई, जिनमें उन्होंने अपनी शादी को भारत में अमान्य बताया था। निखिल और नुसरत की शादी का विवाद अब अदालत पहुंच चुका है। 2019 के जून महीने में निखिल और नुसरत ने तुर्की में शादी की थी। वहीं, शादी में तनाव की ख़बरों के बीच नुसरत के प्रेग्नेंट होने की ख़बरें आने लगीं। एक्ट्रेस ने इसको लेकर कोई आधिकारिक सूचना तो जारी नहीं की है, पर पिछले दिनों बेबी बंप के साथ अपनी फोटो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थीं। हालांकि, इन तस्वीरों में नुसरत ने अपने बंप को कपड़ों से छिपाया हुआ है। प्रेग्नेंसी की ख़बरें आने पर उनके पति निखिल जैन ने एबीपी आनंदा से कहा था कि उन्हें प्रेग्नेंसी के बारे में कोई जानकारी नहीं। यह बच्चा उनका नहीं है, क्योंकि वो पिछले कई महीनों से अलग हैं।

सना सैय्यद की हल्दी सेरेमनी की तस्वीरें आईं सामने, पीले जोड़े में नजर आईं बेहद खूबसूरत

नई दिल्ली वार्ता। छोटे पर्दे की अभिनेत्री सना सैय्यद जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। सना 25 जून को अपने कॉलेज के समय के दोस्त इमाद शम्सी के साथ निकाह करेंगी। अपनी शादी की सारी डिटेल्स सना ने खुद ही एक इंटरव्यू के दौरान दी। वहीं अब सना की हल्दी सेरेमनी की तस्वीरें भी सामने आ गई हैं। जो कि सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

सना की हल्दी सेरेमनी की तस्वीरें उनके दोस्त और अभिनेता अद्विक ने शेयर की है। अद्विक ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए अपनी दोस्त को शुभकामनाएं भी दी हैं। तस्वीरों में सभी लोग बेहद खुश नजर आ रहे हैं। इस हल्दी सेरेमनी में सना का परिवार और उनके कुछ दोस्त ही नजर आ रहे हैं।इन तस्वीरों को अद्विक ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए शेयर की हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने कहा, फाइनली वो समय आ गया जिसका हमें बेसब्री से इंतजार था। मैं बता भी नहीं सकता कि मुझे अपनी प्यारी बेस्टी को देखकर महसूस कर रहा हूं। सना सैय्यद इस जेंटलमैन के साथ शादी करने जा रही हैं। आप दोनों को जिंदगीभर के लिए प्यार और बहुत सारी खुशियां।

अपनी हल्दी सेरेमनी में सना सैय्यद ने पीले रंग का ड्रेस पहना हुआ है। इसके साथ उन्होंने सिर पर फूलों से बना दुपट्टा भी पहना हुआ है। सना अपने इस लुक में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। वहीं इमाद ने सफेद रंग का कुर्ता पजामा पहना हुआ है और उन्होंने लाल रंग का दुपट्टा भी गले में डाला हुआ है। तस्वीरों में दोनों बेहद खूबसूरत नजर आ रहे हैं।

बता दें कि सना सैय्यद और इमाद शम्सी दोनों एक दूसरे को करीब आठ सालों से जानते हैं। दोनों कॉलेज में साथ में पढ़ाई कर रहे थे। दोनों लॉकडाउन के दौरान एक दूसरे से मिले और शादी की प्लानिंग की। सना की शादी परिवार वालों और रजामंदी से हो रही है। 23 जून को दोनों की मेहंदी की रस्म होगी जिसके बाद 25 जून को दोनों निकाह करेंगे।

इस साल पांच फिल्मों में काम करेंगी दीपिका पादुकोण

मुंबई वार्ता। बॉलीवुड की डिंपल गर्ल दीपिका पादुकोण इस साल पांच फिल्मों में काम करने जा रही हैं।

दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। हाल ही में उन्होंने शकुन बत्रा की अनटाइटल फिल्म की शूटिंग पूरी की है। दीपिका पादुकोण ने बताया है कि यह एक रिलेशनशिप स्टोरी है, जिसे अपने बड़े परदे पर कभी नहीं देखा होगा। दीपिका ने शाहरुख खान की फिल्म पठान और महाभारत में द्रौपदी के किरदार निभाने पर भी चर्चा की।

दीपिका पादुकोण ने कहा, शकुन बत्रा की फिल्म एक रिलेशनशिप स्टोरी है, जिसे हमने पहले भारतीय सिनेमा में नहीं देखा होगा।

इसके बाद मैं शाहरुख खान के साथ एक एक्शन फिल्म पठान कर रही हूं। इसके बाद नाग अश्विन और प्रभास के साथ फिल्म करूंगी। हालांकि इन दोनों प्रोजेक्ट्स के बाद मेरे पास ऐनी हैथवे की फिल्म द इंटर्न का रीमेक है। और फिर हमारे देश की सबसे प्रसिद्ध कहानी महाभारत, जिसमें मैं द्रौपदी का किरदार निभा रही हूं। मैं ये कहानी दुनिया को बताना चाहती हूं।

दीपिका ने कहा, इस साल मैं पांच फिल्में करने जा रही हूं। मुझे लगता है कि कुछ मायनों में महामारी के बीच कई क्रिएटिव चीजें निकलकर सामने आई है। इस बीच लोगों ने अपनी स्टोरीज को पूरा किया है।

कैटरीना-ईशान ने शुरू की फिल्म फोन भूत की तैयारी

मुंबई वार्ता। बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ-ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी ने आने वाली फिल्म फोन भूत की तैयारी शुरू कर दी है।बॉलीवुड में इन दिनों हॉरर-कॉमेडी फिल्में बनाने का चलन जोरों पर है। हॉरर कॉमेडी फिल्म फोन भूत में कैटरीना कैफ, ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी साथ में पहली बार काम कर रहे हैं। तीनों कलाकारों ने फिल्म की तैयारी शुरू कर दी है और सोशल मीडिया पर इस बारे में पोस्ट भी किए हैं।

कैटरीना कैफ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म की स्क्रिप्ट के फोटो को शेयर किया है। उन्होंने लिखा, तैयारी का समय है, लेकिन इन क्यूट पोस्ट्स को तो देखो। फोटो में आप स्क्रिप्ट पर फोन भूत लिखा हुआ देख सकते हैं। वहीं सिद्धांत चतुर्वेदी ने भी स्क्रिप्ट का फोटो शेयर किया है।ईशान खट्टर ने अपनी तैयारी को लेकर एक फनी पोस्ट शेयर किया। ईशान ने स्क्रिप्ट की फोटो शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, तैयारी। एमबीसी की पढ़ाई जारी है। मास्टर्ज इन भूत कैप्चरिंग। बताया जा रहा है कि इस हॉरर कॉमेडी फिल्म में कैटरीना, सिद्धांत और ईशान भूत पकड़ने वाले लोगों का किरदार निभाएंगे। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह कर रहे हैं। फोन भूत वर्ष 2021 में रिलीज होगी।

वॉर 2 में ऋतिक रौशन से टकरायेंगे प्रभास!

मुंबई, वार्ता। बॉलीवुड के माचो मैन ऋतिक रौशन और दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार प्रभास की जोड़ी फिल्म वॉर 2 में नजर आ सकती है।सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी ऋतिक रौशन और टाइगर श्रॉफ स्टारर फिल्म 'वार' ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। चर्चा है कि सिद्धार्थ आनंद 'वार' का सीक्वल 'वॉर 2' बनाने की तैयार कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि 'वॉर 2' पहली फिल्म 'वॉर' से भी ज्यादा दमदार होने वाली है।सीक्वल में पिछली फिल्म की तरह दमदार एक्शन सीन्स होंगे। कहा जा रहा है कि 'वॉर 2' में प्रभास नेगेटिव रोल में नज़र आ सकते हैं।बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले सिद्धार्थ आनंद प्रभास से मिले थे। सिद्धार्थ चाहते हैं कि वह प्रभास के साथ अपने करियर की सबसे बड़ी फिल्म बनाएं। फिल्म एक्शन से भरपूर होगी। इस फिल्म के सिलसिले में सिद्धार्थ कई बार प्रभास के साथ मीटिंग भी कर चुके हैं और प्रभास को सिद्धार्थ का आइडिया पसंद भी आया है। अब बस सारी चीज़ें फाइनल होना बाकी है। सिद्धार्थ इन दिनों, शाहरुख ख़ान और दीपिका पादुकोण की फिल्म पठान की शूटिंग कर रहे हैं। पठान की शूटिंग पूरी होने के बाद सिद्धार्थ वार 2 पर काम शुरू कर सकते हैं।

आदिपुरुष में सीता का किरदार निभायेगी कृति सैनन

मुंबई, वार्ता। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन फिल्म आदिपुरुष में सीता का किरदार निभाती नजर आ सकती है।

सैफ अली खान और प्रभास की 3डी ऐक्शन फिल्म आदिपुरुष में कृति सैनन और सनी सिंह की इंट्री हो गयी है। कृति सैनन इस फिल्म में सीता का किरदार निभाएंगी जबकि जबकि प्रभास इसमें राम और सैफ रावण की भूमिका में होंगे। बाहुबली फेम सुपरस्टर प्रभास ने कृति सैनन और सनी सिंह का आदिपुरुष परिवार में स्वागत किया है।

कृति सैनन ने भी इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर करते हुए लिखा है, एक नई यात्रा की शुरुआत... आदिपुरुष... यह बहुत खास है। इस जादुई दुनिया का हिस्सा बनकर सम्मानित और गौरव महसूस कर रही हूं। इसके साथ ही बहुत ज्यादा एक्साइटेड भी हूं।

धाकड़ में विलेन का किरदार निभायेंगे अर्जुन रामपाल

मुंबई वार्ता। बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल फिल्म धाकड़ में विलेन का किरदार निभाते नजर आयेंगे।

कंगना रनौत की मुख्य भूमिका वाली स्पाई-एक्शन फ़िल्म धाकड़ में अर्जुन रामपाल एक खूंखार विलेन का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में उनका लुक रिवील किया गया, जिसमें अर्जुन काफ़ी डैशिंग लेकिन डेंजरस दिख रहे हैं। अर्जुन ने अपना लुक सोशल मीडिया में शेयर किया है। अर्जुन एक मर्सिनरी जैसे लुक में हैं। तांबई चेहरा, आंखों पर काला चश्मा और हाथों में बंदूक थामे अर्जुन वाकई किलर लग रहे हैं। तस्वीर के साथ अर्जुन ने लिखा, बूम। बुराई को एक नया नाम मिल गया, रूद्रवीर। एक प्रतिनायक, जो ख़तरनाक, क़ातिल और उतना ही शांत है। धाकड़ इसी साल एक अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

धाकड़ एक हाई ओक्टेन एक्शन फ़िल्म है, जिसमें कंगना स्पाई एजेंट अग्नि के किरदार में हैं। इस फ़िल्म का निर्देशन रज़नीश राज़ी घई कर रहे हैं। धाकड़ की शूटिंग मध्य प्रदेश में की जा रही है।

ट्विटर विवाद के बीच बाहुबली एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी ने ज्वाइन किया Koo

नई दिल्ली वार्ता। नये नियमों को लेकर ट्विटर और भारत सरकार के बीच पिछले कुछ समय से खींचतान चल रही है। सरकार ने ट्विटर से साफ़ शब्दों में कह दिया है कि उन्हें भारतीय क़ायदे-क़ानून के अनुसार काम करना होगा। इस विवाद के बीच माइक्रोब्लॉगिंग ऐप Koo पर भारतीय उन्हें इन दोनों प्लेटफॉर्म्स पर फॉलो कर रहे हैं।

सेलेब्रिटीज़ का जाना जारी है। अब बाहुबली एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी ने कू ज्वाइन किया है, जिसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर स्थित अपने दूसरे एकाउंट्स के ज़रिए दी।

इंस्टाग्राम पर अनुष्का ने अपने कू एकाउंट की एक फोटो शेयर की और लिखा- उम्मीद है, आप सब लोग अच्छे होंगे और सुरक्षित होंगे। मेरे आधिकारिक कू एकाउंट का पालन कीजिए, जहां कुछ मज़ेदार अपडेट्स आने वाले हैं। शुक्रिया। इसके साथ अनुष्का ने अपने कू एकाउंट की जानकारी भी दी है।

बता दें, बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट पहले ही कू ज्वाइन कर चुकी हैं। कंगना को उनके कुछ विवादित ट्वीट्स की वजह से स्थायी रूप से ट्विटर के बेदखल कर दिया गया है। कंगना अब इंस्टाग्राम और कू के ज़रिए अपने उन फैंस और फॉलोअर्स से संवाद करती हैं, जो अनुष्का, तेलुगु सिनेमा की चर्चित अदाकारा हैं और कई कामयाब फ़िल्मों का हिस्सा रही हैं। हिंदी दर्शकों के बीच उन्हें तब बड़ी पहचान मिली, जब 2015 में बाहुबली- द बिगिनिंग रिलीज़ हुई थी। हिंदी बेल्ट में इसका डब वर्ज़न ही रिलीज़ हुआ था, मगर इस फ़िल्म को ज़बरदस्त कामयाबी मिली थी। अनुष्का ने फ़िल्म में बाहुबली की प्रेमिका और पत्नी देवसेना का रोल निभाया था।

पहले भाग के मुक़ाबले इसके सीक्वल बाहुबली- द कन्क्लूज़न में अनुष्का अधिक बड़ा और अहम था। बाहुबली के बाद अनुष्का की हॉरर सस्पेंस थ्रिलर फ़िल्म भागमती रिलीज़ हुई थी, जिसके हिंदी रीमेक दुर्गामती में भूमि पेडनेकर ने मुख्य भूमिका निभायी थी। 2020 में अनुष्का निशब्दम के लिए चर्चा में रही थीं। अनुष्का ने अभी तक किसी हिंदी फ़िल्म में काम नहीं किया है।

53 हजार अंक को पार कर मामूली बढ़त में रहा सेंसेक्स

मुंबई वार्ता। एशियाई बाजारों से मिले सकारात्मक रूख के बल पर घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 53 हजार अंक के स्तर को पार कर नए शिखर को छूने के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंटस, टेक महिंद्रा और हिंदुस्तान युनिलीवर जैसी कंपनियों में हुई बिकवाली के कारण अंत में मामूली बढ़त हासिल कर सका।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 14.25 अंक चढ़कर 52588.71 अंक पर रहा। इस दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज(एन एस ई) का निफ्टी 26.30 अंक बढ़कर 15772.80 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों की तुलना में छोटी और मझौली कंपनियों का प्रदर्शन बेहतर रहा जिससे बीएसई का मिडकैप 0.33 प्रतिशत उठकर 22493.26 अंक पर और स्मॉल कैप 0.83प्रतिशत बढ़कर 25060.31 अंक पर रहा।

बीएससी के अधिकांश समूह मामूली बढ़त में रहे जिसमें कैपिटल गुड्स 1.98 फ़ीसदी, पावर 1.17 फीसदी, इंडस्ट्रियल 1.35 फ़ीसदी, आईटी 0.71फीसदी और टेक 0.61प्रतिशत शामिल है। गिरावट में रहने वाले समूहों में रियलिटी 0.75 फीसदी, बैंकिंग 0.32 प्रतिशत और वित्त 0.11 शामिल है।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शेयर बाजार में मित्रों देखा गया जहां जापान का निक्की 3.12 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.29 प्रतिशत तथा चीन का शंघाई कंपोजिट 0.82 फीसदी चढ़ गया वही हांगकांग का हैंगसेंग 0.63फीसदी और जर्मनी का डेक्स 0.09 प्रतिशत टूट गया।एनएसई का निफ्टी 94 अंकों की बढ़त के साथ 15840.50 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में ही यह 15895.75 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा। इसके बाद शुरू हुई बिकवाली के कारण यह 15760.70 अंक के निचले स्तर तक लुढ़का। अंत में यह पिछले दिवस के 15746.50 अंक की तुलना में 26.30अंक अर्थात 0.17प्रतिशत बढ़कर 15772.80अंक पर रहा। एन एस ई में शामिल कंपनियों में से 28हरे निशान में और 22लाल निशान में रहीं।

सेंसेक्स में गिरावट में रहने वालों में एशियन पेंट्स 1.91 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 1.61 प्रतिशत, नेस्ले इंडिया 1.08 फीसदी, हिंदुस्तान युनिलीवर 1.05 फीसदी, इंडसइंड बैंक 0.74 फीसदी, सन फार्मा 0.72 प्रतिशत, कोटक बैंक 0.71 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 0.68 प्रतिशत, भारती एयरटेल 0.53 प्रतिशत, रिलायंस 0.52 प्रतिशत, पावर ग्रिड 0.40प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 0.28 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.24प्रतिशत, महिंद्रा 0.20 प्रतिशत, स्टेट बैंक 0.19 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 0.07प्रतिशत, एचसीएल टेक 0.03प्रतिशत और एक्सिस बैंक 0.01प्रतिशत शामिल है।

सेंसेक्स में बढ़त में रहने वालों में मारुति 5.25 फीसदी एल टी 2.20 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.11 प्रतिशत, टीसीएस 0.86 प्रतिशत, टाइटन 0.80 प्रतिशत, इंफोसिस 0.76 प्रतिशत, टाटा स्टील 0.73 प्रतिशत, बजाज ऑटो 0.55 प्रतिशत, डॉ रेडी 0.52 प्रतिशत, एनटीपीसी 0.30प्रतिशत, एचडीएफसी 0.30प्रतिशत और आईटीसी 0.24फीसदी शामिल है।

इसी तरह से एनएसई का निफ्टी 158 अंकों की गिरावट लेकर 15525.85 अंक पर खुला और शुरुआती कारोबार में ही यह बिकवाली के कारण 15505.65 अंक के निचले स्तर तक उतर गया। हालांकि इसके बाद लिवाली शुरू हुई जिससे यह 15765.15 अंक के उच्चतम स्तर तक चढ़ा। अंत में यह पिछले सत्र के 15683.35 अंक की तुलना में 63.18अंक अर्थात 0.44 प्रतिशत टूटकर 15746.50 अंक पर रहा।सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से बढ़त में रहने वालों में एनटीपीसी 3.87 प्रतिशत, टाइटन 1.87 फीसदी, स्टेट बैंक 1.64 प्रतिशत, हिंदुस्तान युनिलीवर 1.42फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.31प्रतिशत, टाटा स्टील 1.30 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 1.30प्रतिशत, बजाज फिन सर्व 1.30प्रतिशत, एचडीएफसी 1.15फीसदी,पावरग्रिड0.84फीसदी, कोटक बैंक 0.68 प्रतिशत, एचसीएलटेक 0.67 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.65 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.58प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.56 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 0.47 प्रतिशत, सन फार्मा 0.43फीसदी, एक्सिस बैंक 0.42प्रतिशत, डॉ रेड्डी 0.09प्रतिशत, नेस्ले इंडिया 0.05प्रतिशत और आईटीसी 0.02प्रतिशत शामिल है।

रुपया 27 पैसे टूटा

मुंबई वार्ता। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में नरमी के बावजूद घरेलू स्तर पर अमेरिकी मुद्रा की मांग बढ़ने के दबाव में आज अंतर बैंकिंग मुद्रा कारोबार के दौरान रुपया 27 पैसे फिसल कर 74.37 रुपे प्रति डॉलर पर रहा।पिछले सत्र में रुपया 74.10 प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में ही 8 पैसे फिसल कर रुपया 74.18 रुपए प्रति डॉलर पर खुला। हालांकि इसके बाद रुपया में भी कुछ सुधार हुआ और यह 74.05 प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर तक चढ़ा।इस दौरान डॉलर की मांग आने के कारण रुपया 74.40 रुपए प्रति डॉलर के निचले स्तर तक उतरा।

अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में 27 पैसे टूटकर 74.37 रूपए प्रति डॉलर पर रहा।

अरहर दाल नरम, गेहूं सुस्त, खाद्य तेलों में टिकाव

नयी दिल्ली वार्ता। विदेशों में खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव के बीच दिल्ली थोक जिंस बाजार में मंगलवार को खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि अरहर दाल में नरमी रही। इस दौरान गेहूं टूट गया और चीनी के साथ ही चावल में टिकाव देखा गया।

तेल-तिलहन = वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा दो रिंगिट फिसलकर 3,375 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.78 सेंट चढ़कर 54.11 सेंट प्रति पाउंड बोला गया।

स्थानीय बाजार में आवक और उठाव में संतुलन रहने से सरसों तेल, मूँगफली तेल, सोया तेल, पाम ऑयल, सूरजमुखी और वनस्पति के भावों में कोई बदलाव नहीं हुआ।गुड़-चीनी = मीठे के बाजार में चीनी और गुड़ की कीमत स्थिर रही।

दाल-दलहन = ग्राहकी कम रहने से अरहर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल, मसूर दाल, मूंग दाल और चना दाल के भावों में कोई बदलाव नहीं हुआ। चने के दाम भी स्थिर रहे।

अनाज = उठाव सुस्त रहने से गेहूँ 20रुपए प्रति क्विंटल टूट गया जबकि चावल गत दिवस के स्तर पर पड़ा रहा।सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे =-

दाल-दलहन= चना 4,600-4,700, दाल चना 5,700-5,850, मसूर काली 6,950-7,150, मूंग दाल 8,400-8,700, उड़द दाल 9,000-9,300, अरहर दाल 8,500-8,850 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज = (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 1820-1920 रुपये और चावल = 2400-2500 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ = चीनी एस 3400-3500, चीनी एम. 3470-3570, मिल डिलीवरी 3240-3340 और गुड़ 3550-3650 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल = सरसों तेल 17,289 रुपये, मूंगफली तेल 19,413 रुपये, सूरजमुखी तेल 19,193 रुपये, सोया रिफाइंड 15,311 रुपये, पाम ऑयल 12,308 रुपये और वनस्पति तेल 13,479 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

काला नमक चावल बिक्री के लिए अब फ्लिपकार्ट पर होगा उपलब्धः सहगल

लखनऊ ब्यूरो। ''बुद्ध का प्रसाद'' सिद्धार्थनगर का ओडीओपी उत्पाद काला नमक चावल बिक्री के लिए अब फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध होगा।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के अपर मुख्य सचिव,डा0 नवनीत सहगल ने आज फ्लिपकार्ट पर बिक्री के लिए सिद्धार्थनगर के विश्व प्रसिद्ध कालानमक चावल के 250 किलोग्राम की पहली खेप को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। फ्लिपकार्ट पर एफपीओ कपिलवस्तु किसान निर्माता कम्पनी लिमिटेड को सिंगापुर से 250 किलो ग्राम काला नमक चावल के निर्यात का आर्डर मिला था।इस अवसर पर डा0 सहगल ने किसानों को वर्चुअल सम्बोधित करते हुए कहा कि ओडीओपी और फ्लिपकार्ट की साझेदारी नए पड़ाव पर आ गई है। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थनगर का कालानमक चावल का संबंध महात्मा बुद्ध जी है। ऐसी कहावत है कि महात्मा बुद्ध जी जब सिद्धार्थनगर से जाने लगे तब उन्होंने स्थानीय लोगों को एक चावल दिया और कहा कि लोगों इस चावल की सुगंध हमेशा उनकी याद दिलाती रहेगी। उन्होंने कहा कि फ्लिपकार्ट के माध्यम सिद्धार्थनगर के कालानमक चावल को देश-दुनिया में पहुंचा सकते हैं। इससे सिद्धार्थनगर के किसानों को चावल की अच्छी कीमत मिलेगी और गुणवत्ता में भी सुधार आयेगा।

डा0 सहगल ने कहा कि एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत सिद्धार्थनगर में सामान्य सुविधा केन्द्र (सीएफसी) निर्माणाधीन है। सीएफसी स्थापित होने के फलस्वरूप कालानमक चावल भण्डारण के लिए वातानुकूलित गोदाम, ग्रेडिंग के अधार पर विपणन के लिए पैकेजिंग सहित आवश्यक सुविधाएं मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त एक अन्य सीएफसी का निर्माण भी प्रस्तावित है। साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) वाराणसी द्वारा सिद्धार्थ नगर में कालानमक शोध संस्थान की स्थापना भी कराई जायेगी। अपर मुख्य सचिव श्री सहगल ने कहा कि ओडीओपी विपणन सहायता योजना के तहत इस वर्ष लखनऊ में आयोजित हुनर हाट, वाराणसी में आयोजित जीआई प्रोडक्ट प्रदर्शनी तथा नोएडा में आयोजित नोएडा शिल्प हाट में कालानमक से जुड़े उद्यमियों की प्रतिभागिता सुनिश्चित कराई गई है। इसके साथ ही कृषि और प्रसंस्करण खाद्य उत्पादन निर्यात विकास प्राधिकारी (एपीडा) वाराणसी के सहयोग से एफपीओ एवं निर्यातकों के लिए गोष्ठी आदि का आयोजन कराकर कालानमक चावल के निर्यात को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ओडीओपी वित्त पोषण योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2020-21 में अब तक 40 उद्यमियों को लाभान्वित करते हुए 86.81 लाख रुपये की मार्जिन मनी वितरित की गई है। ओडीओपी प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना के तहत 150 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। किसानों को कालानमक के प्रति जागरूक करने के लिए जिले के कालानमक उत्पादक क्षेत्रों में फील्ड डे के माध्यम जैविक विधि से कालानमक उत्पादन की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इसी प्रकार जनपद के 12 विकास खण्डों में काला नमक चावल किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) का गठन किया गया है।इस मौके पर फ्लिपकार्ट के चीफ कार्पोरेट आफिसर रजनीश कुमार ने कहा कि स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस होने के नाते फ्लिपकार्ट ने हमेशा से ही किसानों के लिए आर्थिक अवसर पैदा करने के लिए निवेश किया है। इसी दिशा में फ्लिपकार्ट द्वारा किसानों की पहुंच बाजारों तक सुगम बनाने के मकसद से टेक्नोलॉजी के प्रयोग पर लगातार जोर देती आयी है। हम उत्तर प्रदेश का अनूठा 'काला नमक चावल' अपने मार्केटप्लेस पर उपलब्ध कराते हुए गर्व का अनुभव कर रहे हैं, जो कि सरकार के साथ हमारी ओडीओपी पहल के तहत् भागीदारी का हिस्सा है।

औद्योगिक मंजूरी के लिए सिंगल विंडो सिस्टम पर समीक्षा बैठक

नयी दिल्ली वार्ता। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग पीयूष गोयल मंगलवार को कहा कि जल्द ही राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली (सिंगल विंडो सिस्टम) के पहले चरण का आरंभ हो जायेगा जिससे निवेशकों को देश में व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक पूर्व-संचालन अनुमोदन और आवेदन करने की अनुमति दी जाएगी।

श्री गोयल ने यहां आयोजित एकल खिड़की प्रणाली की समीक्षा बैठक के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 17 मंत्रालय एवं विभाग और 14 राज्य शामिल होंगे। बैठक में वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री सोम प्रकाश भी शामिल हुए।

केंद्रीय मंत्री ने आशा व्यक्त की कि यह एक सहज इंटरफेस होगा जहां जमीन की खरीद से लेकर व्यवसायों और उद्योगपतियों को आवश्यक सभी जानकारी उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि 'एकल खिड़की' एक वास्तविकता होगी, जो निवेशकों की सभी समस्याओं या आवश्यकताओं के लिए एक ही स्थान पर समाधान के रूप में कार्य करेगी। यह आरंभ से अंत सरलीकरण, सहयोग, पूर्व निवेश सलाहकार, भूमि बैंकों और केन्द्र और राज्य स्तरों पर सुविधाजनक बनाने मंजूरी से संबंधित जानकारी सहित प्रदान करेगा। यह निवेशकों को किसी विशेष व्यवसाय को स्थापित करने के लिए आवश्यक अनुमोदनों को जानने की सुविधा प्रदान करेगा और उन्हें व्यवसाय शुरू करने के लिए उन अनुमोदनों के लिए आवेदन करने देगा। अनुमोदनों की स्थिति को देखने के साथ-साथ उसी के संबंध में स्पष्टीकरण देगा।श्री गोयल ने इस प्लेटफॉर्म में उपयोग किए जाने वाले महत्वपूर्ण डेटा की सुरक्षा और प्रमाणीकरण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण डेटा की सुरक्षा के लिए सभी सुरक्षा उपाय किए जाने चाहिए। उन्होंने प्लेटफॉर्म के जारी होने से पहले थर्ड पार्टी ऑडिटिंग का भी सुझाव दिया।

केंद्रीय मंत्री ने कोविड-19 बाधाओं के बावजूद परियोजना के विकास पर तेजी से काम करने के लिए उत्साह, रुचि और खुलापन दिखाने के लिए सभी मंत्रालयों और विभागों और राज्यों की सराहना की।

श्री गोयल ने कहा कि अतीत के अनुभवों से सीखते हुए हमें भविष्य में इसमें सुधार करते रहना चाहिए।

उपभोक्ता संरक्षण नियम में संशोधन का प्रस्ताव

नयी दिल्ली वार्ता। सरकार ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा और बाजार में स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने के लिए उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 में संशोधन का प्रस्ताव किया है ।

प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में पारदर्शिता लाना और नियामक व्यवस्था को और मजबूत करना है । उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 में संशोधन को लेकर 15 दिनों के भीतर (6 जुलाई, 2021 तक) सुझाव मांगे गए हैं ।

उपभोक्ता मामलों के विभाग के अनुसार ई-कॉमर्स में अनुचित व्यापार प्रथाओं को रोकने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 23 जुलाई से उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 को अधिसूचित किया था। हालांकि, इन नियमों की अधिसूचना के बाद से सरकार को असंतुष्ट उपभोक्ताओं, व्यापारियों और संघों से ई-कॉमर्स इकोसिस्टम में व्यापक धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार प्रथाओं के खिलाफ कई शिकायतें मिली हैं।इस तरह की दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं में बढ़ोतरी ने बाजार में उपभोक्ताओं और व्यवसाय की भावना को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है, जिससे कई लोगों को भारी परेशानी और पीड़ा हुई है। ऐसा देखा गया है कि ई-कॉमर्स में नियामक निरीक्षण की स्पष्ट कमी थी जिसके लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। इसके अलावा, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के तेजी से विकास से मार्केटप्लेस ई-कॉमर्स संस्थाओं ने अनुचित व्यापार प्रथाएं शुरू कर दी हैं जिसमें कुछ विक्रेताओं को बढ़ावा देने के लिए खोज परिणामों में हेरफेर, कुछ विक्रेताओं को तरजीह, अप्रत्यक्ष रूप से विक्रेताओं को उनके मंच पर संचालित करना, उपभोक्ताओं की स्वतंत्र पसंद को प्रभावित करना, समाप्ति के करीब माल बेचना आदि शामिल हैं।इसके अलावा, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर तीसरे पक्ष के विक्रेताओं द्वारा पारंपरिक फ्लैश बिक्री पर प्रतिबंध नहीं है। लेकिन, कुछ ई-कॉमर्स संस्थाएं %बैक टु बैक% या %फ्लैश% सेल लाकर उपभोक्ता की पसंद को सीमित करती हैं, जिसमें प्लेटफॉर्म पर बेचने वाला कोई विक्रेता इन्वेंट्री या ऑर्डर को पूरा करने की क्षमता नहीं रखता है बल्कि प्लेटफॉर्म द्वारा नियंत्रित दूसरे विक्रेता के साथ केवल %फ्लैश या बैक टु बैक% ऑर्डर पूरा करता है। यह एक समान अवसर को रोकता है, आखिर में ग्राहक की पसंद को सीमित करता है और कीमतों में वृद्धि करता है।उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा, उनके शोषण को रोकने और बाजार में स्वतंत्र व निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 में प्रस्तावित संशोधनों का मसौदा साझा कर रही है। प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में पारदर्शिता लाना और अनुचित व्यापार प्रथाओं को रोकने के लिए नियामकीय व्यवस्था को और मजबूत करना है।उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए मुख्य अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ 24×7 समन्वय के लिए एक नोडल संपर्क व्यक्ति, उनके आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अधिकारी और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपभोक्ताओं की शिकायतों के निवारण के लिए स्थायी रूप से रहने वाले शिकायत अधिकारी की नियुक्ति का प्रस्ताव किया गया है। यह अधिनियम के प्रावधानों और नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करेगा और ई-कॉमर्स संस्थाओं को लेकर शिकायत निवारण तंत्र को भी मजबूत करेगा।

प्रत्येक ई-कॉमर्स इकाई के पंजीकरण के लिए रूपरेखा तैयार की गई है जिसमें उसे उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के पास अपना पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण संख्या को वेबसाइट पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा, साथ ही ई-कॉमर्स इकाई को दिए गए प्रत्येक ऑर्डर को भी दिखाना होगा। ई-कॉमर्स संस्थाओं का पंजीकरण वास्तविक ई-कॉमर्स संस्थाओं का एक डेटाबेस बनाने में मदद करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उपभोक्ता इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से लेनदेन करने से पहले ई-कॉमर्स इकाई की वास्तविकता को सत्यापित करने में सक्षम हों।

पेट्रोल-डीजल 28 पैसे तक महँगे

नयी दिल्ली वार्ता। तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम में आज फिर बढ़ोतरी की। इससे पहले सोमवार को कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था।

देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल-डीजल 28 पैसे तक महँगे होकर नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गये। अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 28 पैसे बढ़कर 97.50 रुपये और डीजल की कीमत 26 पैसे बढ़कर 88.23 रुपये प्रति लीटर हो गई। दिल्ली में जून में अब तक पेट्रोल का मूल्य 3.27 रुपये और डीजल की कीमत 3.08 रुपये बढ़ चुकी है। इससे पहले मई में पेट्रोल 3.83 रुपये और डीजल 4.42 रुपये महँगा हुआ था।

मुंबई में पेट्रोल का मूल्य आज 27 पैसे और डीजल का 28 पैसे की वृद्धि के साथ क्रमश= 103.63 रुपये और 95.72 रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गया।चेन्नई में दोनों जीवाश्म ईंधन 25-25 पैसे और कोलकाता में 26-26 पैसे महँगे हुये। चेन्नई में एक लीटर पेट्रोल 98.65 रुपये का और डीजल 92.83 रुपये का बिका। कोलकाता में पेट्रोल 97.38 रुपये और डीजल 91.08 रुपये प्रति लीटर मिला।

पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

घरेलू बाजार में कीमती धातुओं में मामूली तेजी

मुंबई वार्ता। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमती धातुओं में नरमी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर भारतीय मुद्रा में के कमजोर रहने के कारण आज सोने और चांदी में मामूली तेजी दर्ज की गई।अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 0.20 प्रतिशत गिरकर 1779.36 डॉलर प्रति औंस बोला गया। अमेरिकी सोना वायदा 0.33 फीसदी टूटकर 1775.90 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इसी तरह से चांदी हाजिर 0.19 प्रतिशत उतरकर 25.89 डॉलर प्रति औंस बोली गई।देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 46 रुपए बढ़कर 47120 रुपए प्रति 10 ग्राम और सोना मिनी 42 रुपए चढ़कर46946 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा।इस दौरान चांदी 110 रुपए की बढ़त लेकर 67872 रुपए प्रति किलो और चांदी मिनी 98 रुपए चढ़कर 68030 रुपए प्रति किलो बोली गई।

हाइ स्पीड रेल प्रोजेक्ट में बड़ी उपलब्धि, दुनिया का पहला ग्रीन रेटिंग सिस्टम लॉन्च

नयी दिल्ली वार्ता। हाइ स्पीड रेल के प्रोजेक्ट में बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। हाइ स्पीड रेल के लिए दुनिया की पहली विशेष ग्रीन रेटिंग सिस्टम लॉन्च हो गया है, जिसे इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल ने नेशनल हाइ स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड की मदद से तैयार किया है।

कम ऊर्जा खपत में काम करेंगे स्टेशन

यह रेटिंग सिस्टम नए हाइ स्पीड रेल स्टेशनों को डिजाइन और निर्माण के दौरान कम ऊर्जा खपत को लागू करने में सक्षम बनाने के लिए एक उपकरण होगा, ताकि पर्यावरण को कम से कम नुकसान हो। ङ्गत्नक्ष्ट ग्रीन एचएसआर रेटिंग का उद्देश्य कम्प्यूटर अनुभव को बढ़ाते हुए पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना है।

दिल्ली-मेरठ के बीच रैपिड रेल कॉरिडोर

बता दें कि मोदी सरकार फिलवक्त दिल्ली-मेरठ के बीच हाइस्पीड सफर के लिए रैपिड रेल कोरिडोर बनवा रही है। इसमें अत्याधुनिक आटोमैटिक किराया संग्रहण (ह्नष्ट) सिस्टम का इस्तेमाल किया जाएगा। इस सिस्टम की मदद से स्टेशन में आना-जाना आसान होगा। ह्रष्टक्रपरिवहन निगम ह्नक्रकोड आधारित टिकटिंग (डिजिटल और पेपर क्यूआर) और ईएमवी (यूरो पे, मास्टर कार्ड, वीजा) ओपन लूप कान्टैक्टलेस कार्ड का भी इस्?तेमाल करेगा जो एनसीएमसी (नेशनल कामन मोबिलिटी कार्ड) मानकों पर आधारित है। अध्यक्ष वी. सुरेश, एनएचएसआरसीएल के अध्यक्ष अचल खरे, और दोनों संगठनों के निदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी लॉन्च के लिए आभासी सम्मेलन में उपस्थित थे।भारतीय उद्योग परिसंघ का एक हिस्सा है जो एक स्थायी निर्मित वातावरण को सक्षम करने के लिए काम करता है।

फ्लैश सेल पर रोक सरकार का मकसद नहीं, जारी रहेगी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर डिस्काउंट सेल

नयी दिल्ली वार्ता। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने मंगलवार को स्पष्ट किया है कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉ?र्म्स की कारोबारी गतिविधियों या फलैश सेल पर रोक लगाने का कोई इरादा नहीं है। मंत्रालय के अनुसार ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर डिस्काउंट सेल जारी रहेगी। संशोधित मसौदे में सिर्फ यह प्रविधान शामिल किया गया है कि फ्लैश सेल की आड़ में ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी नहीं हो सके। फर्जी कंपनियों पर रोक लगाना भी इसका उद्देश्य है। लेकिन यह मसौदा अभी अंतिम नहीं है। मसौदे के प्रविधानों पर छह जुलाई तक आम लोगों की प्रतिक्रिया मांगी गई गई है।

सरकार ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत ई-कॉमर्स में गडबड़ियों पर नियंत्रण पाने और उपभोक्ताओं की शिकायतों के निवारण के लिए नियमों में संशोधन का मसौदा जारी किया है। उसमें फ्लैश सेल और इस तरह की गतिविधियों पर नियंत्रण का प्रविधान है। इस मसौदे के प्रविधानों पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में सरकार ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक फ्लैश सेल की जांच नहीं कराई जाएगी। सिर्फ उन कंपनियों की जांच की जाएगी, जिनके खिलाफ शिकायत प्राप्त होगी।वर्चुअल प्रेसवार्ता में उपभोक्ता मामलों की अपर सचिव निधि खरे ने बताया कि प्रत्येक उत्पाद (प्रॉडक्ट) के आयात अथवा मैन्यूफैक्चरिंग की पूरी जानकारी उपलब्ध करानी होगी। ई-कॉमर्स कंपनियों को आयात के स्रोत की भी जानकारी देनी होगी। सरकार ने जोर देकर कहा कि इस मसौदे को लेकर ई-कॉमर्स कंपनियों को चिंतित होने की जरूरत नहीं है।

दरअसल, प्रस्तावित संशोधित मसौदे में फ्लैश सेल के नाम पर गड़बड़ी करने वालों पर रोक लगाने और उपभोक्ताओं की शिकायतों को सुनने व उनके निवारण के लिए सक्षम अधिकारियों की नियुक्ति का भी प्रविधान है। प्रस्तावित नियमों पर लोगों की प्रतिक्रिया जानने के लिए सरकार ने इसे सार्वजनिक किया है।

web: www.sindhutimes.in

Email: sindhutimes99@gmail.com

8 सिन्धु टाइम्स

देश-दुनिया

लखनऊ, बुधवार, 23 जून 2021

कोरोना काल में दृढ़ विश्वास और प्रोत्साहनों के जरिए किये गये सुधार: मोदी

नयी दिल्ली वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि कोरोना काल के दौरान केन्द्र और राज्यों ने रचनात्मक भागीदारी के आधार पर सुधारों के जरिये कोरोना महामारी की चुनौतियों से निपटने का प्रयास किया।श्री मोदी ने मंगलवार को अपना एक ब्लॉग पोस्ट लिंक्डिन प्लेटफार्म पर साझा करते हुए यह बात कही। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने कोविड काल में सुधारों, केन्द्र - राज्य भागीदारी, रचनात्मक नीति - निर्माण के बारे में विस्तार से उल्लेख किया है।उन्होंने खुद एक ट्वीट में इस बारे में जानकारी देते हुए कहा, दृढ़ विश्वास और प्रोत्साहनों के जरिए सुधार- कोविड-19 के काल में केन्द्र - राज्य भागीदारी की भावना से संचालित रचनात्मक नीति - निर्माण के बारे में मेरी लिंक्डिन पर पोस्ट।

प्रधानमंत्री ने पोस्ट में लिखा है कि केन्द्र और राज्यों ने सहकारी संघवाद का बेहतर उदाहरण पेश करते हुए रचनात्मक भागीदारी निभाते हुए कोरोना संकट से उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत राज्यों को अतिरिक्त उधार लेने की अनुमति दी गयी और राज्यों ने इसका फायदा उठाते हुए एक लाख करोड़ रूपये से अधिक का उधार लिया और जिससे संसाधनों मे अपेक्षाकृत बढोतरी हुई।उन्होंने कहा है कि कोरोना महामारी दुनिया भर के लिए नयी चुनौती लेकर आयी और भारत भी कोई अपवाद नहीं था। उन्होंने कहा कि इस दौरान संसाधन जुटाना सबसे बड़ी चुनौती थी लेकिन देश में केन्द्र और राज्यों की भागीदारी से इस चुनौती का सामना किया गया।

कोरोना के खिलाफ अभियान में चार प्रमुख सुधारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ये गरीब , पिछडे और मध्यम वर्ग के जीवन में सुधार पर आधारित थे साथ ही इनसे राजकोषीय स्थिरता को भी मजबूती मिली। पहले सुधार एक देश एक राशन कार्ड से प्रवासियों को बहुत फायदा हुआ और उन्हें कहीं से भी राशन लेने की सुविधा मिली। दूसरे सुधार के तहत व्यापार सुगमता को बढाया गया, तीसरे सुधार के तहत संपत्ति कर और जल तथा सीवर प्रभार से संबंधित दरों को अधिसूचित किया गया । इसके तहत शहरी क्षेत्रों में संपत्ति लेन देन और स्टांप शुल्क दिशा निर्देशों को अधिसूचित करने का प्रावधान किया गया। चौथे सुधार में किसानों को मुफ्त बिजली आपूर्ति के प्रत्यक्ष लाभ स्थानांतरण योजना में शामिल किया जाना था। इन सभी सुधारों के अच्छे परिणाम मिले और इसमें कई राज्यों ने अच्छा काम किया।

मोदी गुरुवार को टॉयकैथॉन के प्रतिभागियों के साथ संवाद करेंगे

नयी दिल्ली वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को टॉयकैथॉन-2021 के प्रतिभागियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद करेंगे।टॉयकैथॉन 2021 को शिक्षा मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय, डीपीआईआईटी, कपड़ा मंत्रालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा एआईसीटीई ने संयुक्त रूप से गत पांच जनवरी को शुरू किया था, जिसका उद्देश्य अभिनव खिलौनों और खेलों के लिए नए विचारों को क्राउड-सोर्स द्वारा आमंत्रित करना था।

देश भर से लगभग एक लाख बीस हजार प्रतिभागियों ने टॉयकैथॉन 2021 के लिए 17000 से अधिक विचारों को पंजीकृत और प्रस्तुत किया, जिनमें से 1567 विचारों को 22 से 24 जून तक आयोजित होने वाले तीन दिनों के ऑनलाइन टॉयकैथॉन महाफिनाले के लिए चयनित किया गया है। कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण, इस महाफिनाले में ऐसी टीमें होंगी, जो डिजिटल रूप में अभिनव खिलौनों के विचार (टॉय आइडिया) प्रस्तुत करेंगी, जबकि नॉन-डिजिटल टॉय अवधारणा (कॉन्सेप्ट) के लिए एक अलग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

देश के घरेलू बाजार के साथ-साथ वैश्विक खिलौना बाजार हमारे विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक बड़ा अवसर प्रदान करता है। टॉयकैथॉन-2021 का उद्देश्य देश में खिलौना उद्योग को बढ़ावा देना है, ताकि इसे खिलौना बाजार के बड़े हिस्से की भागीदारी का लाभ मिल सके।इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री भी मौजूद रहेंगे।

नवनीत कौर राणा को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

नयी दिल्ली वार्ता। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र के अमरावती से लोकसभा सांसद नवनीत कौर राणा को मंगलवार को राहत प्रदान करते हुए बॉम्बे उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी।न्यायमूर्ति विनीत सरन और न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी की अवकाशकालीन खंडपीठ ने नवनीत कौर राणा की अपील की सुनवाई करते हुए प्रतिवादियों को नोटिस जारी किये और उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी।

अमरावती से लोकसभा सांसद नवनीत राणा का जाति प्रमाण पत्र उच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया। शिवसेना के पूर्व सांसद आनंदराव अडसुल की अर्जी पर बॉम्बे उच्च न्यायालय ने यह फैसला दिया था। इसके बाद नवनीत राणा की लोकसभा सदस्यता खतरे में पड़ गई है।न्यायालय 27 जुलाई को अगली सुनवाई करेगा।

अमरावती लोकसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित थी। श्री अडसुल का आरोप था कि नवनीत कौर राणा ने फर्जी प्रमाण पत्र बनवाकर यहां से लोकसभा का चुनाव जीता था। उच्च न्यायालय ने नवनीत राणा का जाति प्रमाण पत्र गलत पाया है। उन्हें दो लाख रुपये का जुर्माना भरने और छह हफ्ते के भीतर सभी प्रमाण पत्र जमा करने का आदेश दिया गया है। श्रीमती नवनीत राणा के पति रवि राणा महाराष्ट्र के विधायक हैं।

इजरायली सेना और फिलीस्तनियों के बीच संघर्ष में 20 फिलीस्तीनी घायल- रेड क्रिसेंट

गाजा, वार्ता। इजरायल के यरूशलम में इजरायली सेना और फिलीस्तीनियों के बीच संघर्ष में कम से कम 20 फिलीस्तनी घायल हो गए। रेड क्रिसेंट ने आज यह जानकारी दी।स्थानीय मीडिया ने बताया कि इजरायली सुरक्षा बलों और इजरायली के यरूशलम के अलशायख जराह इलाके में फिलिस्तीनियों पर हमला करने और पड़ोस में एक अरब उपनिवेश के घर में आग लगाने के बाद इजरायली सेना और वहां बसने वाले लोगों के बीच संघर्ष शुरू हो गया। जिसमें कम से कम 20 फिलीस्तीनी नागरिक घायल हो गए।संगठन ने एक बयान में कहा, यरुशलम के अलशायख जराह इलाके में इजरायली सेना और वहां ठहरे लोगों के संघर्ष में बीस फिलीस्तीनी घायल हो गए।गौरतलब है कि यरुशलम के एक पड़ोस से कई फिलिस्तीनी परिवारों को हटाने के इजरायली अदालत के फैसले को लेकर मई की शुरुआत से शहर में तनाव बढ़ गया था। इजरायल और फिलिस्तीन के गाजा पट्टी के बीच 11 दिन के सशस्त्र हमले के कारण लोगों में अशांति का माहौल पैदा हो गया, और हमले में दोनों पक्षों के कई लोग हताहत हुए।

स्पूतनिक-वी टीका कोरोना के नए स्वरूप के खिलाफ अत्यधिक प्रभावी

मॉस्को, वार्ता। रूस में बना स्पूतनिक-वी टीका कोरोना के गंभीर और घातक मामलों के खिलाफ सौ फीसदी सुरक्षा की गारंटी देता है।गामालेया अनुसंधान केंद्र की प्रयोगशाला के प्रमुख व्लादिमीर गुशचिन ने मंगलवार को यह आश्वासन दिया कि रूस का स्पूतनिक- वी टीका कोरोना के नए स्वरूपों के लिए भी कारगर साबित हुआ है।

श्री गुशचिन ने सोलोवाइवलाइव यूट्यूब शो में कहा, स्पूतनिक-वी कोराना के डेल्टा स्वरूप से भी निपट सकता है। यह टीका अभी भी अत्यधिक प्रभावशाली है और कोरोना के गंभीर और घातक मामलों के खिलाफ निपटने में सौ फीसदी सुरक्षा की गारंटी देता है।कोरोना के इस टीके को विकसित करने विशेषज्ञों को कहना है कि स्पूतनिक-वी छह महीने की अवधि के दौरान सुरक्षा की गारंटी देता है।

सुप्रीम कोर्ट कैबिनेट विस्तार और फेरबदल पर सुनवाई करेगा

काठमांडू वार्ता। नेपाली सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार के फैसले के खिलाफ दायर रिट याचिकाओं पर सुनवाई करेगा।याचिकाकर्ताओं ने ओली सरकार के खिलाफ कैबिनेट में फेरबदल और विस्तार के लिए अंतरिम आदेश जारी करने की मांग करते हुए शीर्ष अदालत में एक रिट याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि एक कार्यवाहक प्रधानमंत्री के पास इस तरह के निर्णय के अधिकार नहीं होते हैं।

शीर्ष अदालत ने मामले की कार्यवाही के लिए वादी और प्रतिवादी दोनों को तलब किया है। हिमालयन टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया कि मामले की सुनवाई को मुख्य न्यायाधीश चोलेंद्र शमशेर राणा और न्यायमूर्ति प्रकाश कुमार धुंगाना की पीठ को सौंपा गया है।

फाइजर पाकिस्तान को 1.30 करोड़ टीके की आपूर्ति करेगा

इस्लामाबाद, वार्ता। पाकिस्तान ने अमेरिकी फार्मा कंपनी फाइजर बायोएनटेक के साथ एक समझौता किया है जिसके तहत फार्मा कंपनी पाकिस्तान को फाइजर वैक्सीन की 1.30 करोड़ टीकों की आपूर्ति करेगा।फाइजर ने पाकिस्तान के साथ सोमवार को इस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

डॉन ने फाइजर पाकिस्तान के कंट्री मैनेजर सैयद मोहम्मद वजीहुद्दीन के हवाले से कहा, हम पाकिस्तानी सरकार के साथ काम करने और अपने वैज्ञानिक और विनिर्माण संसाधनों से पाकिस्तानी लोगों को जल्द से जल्द कोविड-19 वैक्सीन देने के लिए काम करने पर अपने आप को बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं।उन्होंने कहा, वैश्विक स्वास्थ्य संकट के बीच फाइजर का उद्देश्य मरीजों के जीवन को बचाना है और हमें उम्मीद है कि हमारे टीके ऐसा करने में मददगार साबित होंगे।फाइजर और बायोएनटेक का लक्ष्य इस साल के अंत तक वैश्विक स्तर पर तीन अरब से अधिक डोज तैयार करना है।

बंगलादेश के सात जिलों में लगाया गया लॉकडाउन

ढाका वार्ता। बंगलादेश के सात जिलों में कोरोना वायरस (कोविड-19) के प्रसार को रोकने के लिए 30 जून तक लॉकडाउन लगाया गया है।इन सात दिनों में लॉकडाउन मंगलवार सुबह आठ बजे से शुरू होकर 30 जून दोपहर 12 बजे तक लागू रहेगा।बंगलादेश के माणिकगंज, मुंशीगंज, नारायणगंज, गाजीपुर, राजबाड़ी, मदारीपुर और गोपालगंज जिलों में लॉकडाउन लगाया गया है।

राजधानी ढाका को कोरोना के खतरे से बचाने के लिए इन जिलों में आम लोगों के आवागमन पर 30 जून तक पूरी तरह रोक रहेगा। इस दौरान सार्वजनिक परिवहन नहीं चलेंगे। बाजार और शॉपिंग मॉल बंद रहेंगे तथा आपातकालीन सरकारी कार्यालय छोड़कर सार्वजनिक-निजी कार्यालय बंद रहेंगे।राजधानी ढाका से आवाजाही रोक दी गई है। ढाका से अन्य जिलों के लिये जाने वाली बसों के परिचालन पर भी रोक लगाया दिया गया है। इन जिलों में ट्रेनों के परिचालन पर भी रोक लगा दी गई है।

रूस ने तुर्की के लिए उड़ानें फिर शुरू की

मॉस्को, वार्ता। रूस ने कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के कारण तुर्की पर लगाये गये हवाई प्रतिबंध को मंगलवार को हटा लिया।कोरोना के कारण रूस और तुर्की के बीच 15 अप्रैल से उड़ानें निलंबित थी।

अक्कुयू परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण में कंसर्न टाइटन -2 संयुक्त स्टॉक कंपनी की भागीदारी के लिये उड़ानों को बहला किया जाना आवश्यक हो गया था।नियमित और चार्टर उड़ानों को बहाल करने का फैसला रूसी प्रतिनिधिमंडल की तुर्की यात्रा और रूसी विशेषज्ञों के विचार-विमर्श के बाद किया गया है।

कश्मीर मुद्दा : प्रधानमंत्री मोदी की मीटिंग में हिस्सा लेंगे फारुक अब्दुल्ला और महबूबा

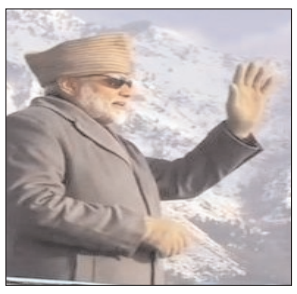

नयी दिल्ली ब्यूरो। जम्मू-कश्मीर के गुपकार गठबंधन के दलों ने पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से 24 जून को बुलाई गई मीटिंग में शामिल होने का फैसला लिया है। लंबे समय तक चली अगर-मगर के बाद मंगलवार को फारुक अब्दुल्ला के घर में हुई ऑल पार्टी मीटिंग के बाद यह फैसला लिया गया। बीते सप्ताह ही पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से जम्मू-कश्मीर के प्रमुख राजनीतिक दलों को मीटिंग का न्योता दिया गया था। तब से ही चर्चा चल रही है कि इस बैठक में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने, परिसीमन कराने जैसे मुद्दों पर बात हो सकती है। हालांकि अब तक केंद्र सरकार की ओर से मीटिंग के एजेंडे को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ भी कहा नहीं गया है।

जम्मू-कश्मीर से अगस्त 2019 में आर्टिकल 370 हटाए जाने और राज्य के पुनर्गठन के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की राज्य के राजनीतिक दलों के साथ यह पहली मीटिंग होने वाली है। गुपकार ने मंगलवार को अपनी मीटिंग में फैसला लिया कि पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में महबूबा मुफ्ती, मोहम्मद तारिगामी साहब और डॉ अब्दुल्ला शामिल होंगे। यह महाबैठक पूर्व केंद्रीय मंत्री फारुक अब्दुल्ला के आवास पर हुई। मीटिंग के बाद डॉ अबदुल्ला ने कहा, महबूबा जी, मोहम्मद तारिगामी साहब और मैं पीएम द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में शामिल होंगे। हमें उम्मीद है कि हम अपना एजेंडा पीएम और गृह मंत्रालय के सामने रखेंगे।प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में 24 जून को होने वाली बैठक में उमर अब्दुल्ला, फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती समेत 14 नेताओं को प्रधानमंत्री की इस बैठक में शामिल होने का न्योता मिला है। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि पीएम मोदी की इस मीटिंग में गुपाकर के नेता कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाये जाने के मुद्दे पर बात कर सकते हैं।5 अगस्त, 2019 के बाद से जम्मू और कश्मीर के राजनीतिक दलों के साथ पीएम मोदी की यह पहली बातचीत होगी। जब केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर राज्य की विशेष स्थिति को निरस्त कर इसे केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था।

क्यूबा की कोरोना टीका अब्दाला 92 प्रतिशत प्रभावी

ब्यूनस आयर्स वार्ता। क्यूबा की कोविड-19 टीका अब्दाला के 92.28 प्रतिशत प्रभावी होने का दावा किया गया है।इस टीके को विकसित करने वाले सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी (सीआईजीबी) ने यह दावा किया है।सीआईजीबी ने कहा, अब्दाला 92.28 प्रतिशत प्रभावी पाया गया है और यह विश्व स्वास्थ संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानकों पर खड़ा उतरने वाली दूसरी वैक्सीन है।इससे पहले क्यूबा की बायोटेक कंपनियों के एक समूह बायोक्यूबाफार्मा ने फिनले इंस्टीट्यूट की तरफ से विकसित सोबराना 02 टीके को 62 प्रतिशत प्रभावी बताया था।अभी तक क्यूबा के विशेषज्ञों ने कोरोना वायरस के खिलाफ पांच टीके - सोबराना 01, सोबराना 02, सोबराना प्लस, अब्दाला और माम्बिसा विकसित किए है।

जी-20 बैठक पर मंचों के लिए ब्लिंकन का यूरोपीय दौरा

वाशिंगटन, वार्ता। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन लीबिया सम्मेलन , जी-20 और गठबंधन की बैठकों में भाग लेने, इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह से लड़ने, सीरिया की बहुपक्षीय बाचचीत और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करने के लिए यूरोप के दौरे पर जाने वाले हैं।

जर्मनी में, यात्रा के पहले चरण में श्री ब्लिंकन लीबिया पर दूसरे बर्लिन सम्मेलन में भाग लेंगे। फोरम की चल रही सुलह प्रक्रिया के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन को सुदृढ़ करने, विदेशी सैनिकों की वापसी पर जोर देने और दिसंबर में राष्ट्रीय चुनाव की तैयारी के लिए अतिरिक्त गति देने के लिए एक प्रमुख अवसर के रूप में देखा जा रहा है।अमेरिकी राजनयिकों का कहना है कि सम्मेलन में रूसी निजी ठेकेदारों द्वारा समर्थित पड़ोसी चाड में विद्रोही समूहों की 'अस्थिर कार्रवाई' से उत्पन्न चिंताओं पर भी चर्चा की जा सकती है।बर्लिन में श्री ब्लिंकन के जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल और विदेश मंत्री हेइको मास से मिलने की उम्मीद है। अमेरिकी राजनयिकों का कहना है कि वह रूस से यूरोप तक नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस-निर्यात पाइपलाइन के लिए अमेरिका के विरोध को आवाज देने का कोई मौका नहीं छोड़ेंगे।

नुसरत जहां शादी मामला पंहुचा सांसद सदस्ता रद्द करने तक

कोलकाता ब्यूरो। बशीरहाट लोकसभा सीट से टीएमसी सांसद और बांग्ला फिल्मों की चर्चित अभिनेत्री नुसरत जहां नए विवाद में फंसती दिख रही हैं। उनकी कथित शादी का विवाद संसद में पहुंच चुका है. लोकसभा के स्पीकर ओम बिड़ला से कार्रवाई की मांग की गई है. बीजेपी सांसद संघमित्रा मौर्य ने स्पीकर ओम बिड़ला को टीएमसी सांसद नुसरत जहां की शादी से जुड़े विवाद को लेकर चिट्ठी लिखी है और कार्रवाई की मांग भी की है।

एथिक्स कमेटी को भेजा जाए सारा मामला

टीएमसी सांसद नुसरत जहां के निखिल जैन से शादी को लिव-इन रिलेशनशिप कहने के बयान के बाद खूब हंगामा भी हुआ था. अब, उत्तरप्रदेश की बदायूं से बीजेपी सांसद संघमित्रा मौर्य ने टीएमसी सांसद नुसरत जहां की कथित शादी को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने मामले को संसद की एथिक्स कमेटी (आचरण समिति) को भेजने की मांग की है। बीजेपी सांसद ने चिट्ठी में नुसरत जहां पर कार्रवाई की मांग भी की है। चिट्ठी में टीएमसी सांसद नुसरत जहां का दुल्हन के रूप में संसद में आना और उनकी शादी

के बाद आयोजित रिसेप्शन में सीएम ममता बनर्जी के शामिल होने का भी जिक्र है। बीजेपी सांसद ने नुसरत जहां पर कई दूसरे आरोप भी लगाए हैं।

लिव-इन रिलेशन का इकरार

कुछ दिनों पहले टीएमसी सांसद नुसरत जहां ने पति निखिल जैन के साथ रिश्ते से अलग होने का ऐलान किया था। लंबे समय से नुसरत जहां और निखिल जैन के रिश्ते में सबकुछ ठीक नहीं होने के कयास लगाए जा रहे थे. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद नुसरत जहां आधिकारिक बयान जारी करके निखिल जैन से अपने रिश्ते को खत्म करने का ऐलान कर दिया. टीएमसी सांसद नुसरत जहां ने तर्क दिया था कि उनकी निखिल जैन से शादी तुर्की के बोद्रम में हुई थी. उन दोनों की शादी भारत में मान्य नहीं है। लिहाजा, उनका रिश्ता 'लिव-इन' वाला था।

यूपी एटीएस ने किया दो मौलानाओ को गिरतार

लखनऊ ब्यूरो। पुलिस की आतंकवाद निरोधी शाखा (एटीएस) ने दो मुसलमान धर्मगुरुओं को साज़िश के तहत हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में गिरफ़्तार किया है। इनमें से एक खुद हिंदू धर्म में पैदा हुए थे और 1984 में इस्लाम धर्म अपनाया था। यूपी पुलिस के मुताबिक़, मोहम्मद उमर गौतम और मुफ़्ती काज़ी जहांगीर आलम क़ासमी को दिल्ली के जामिया नगर इलाक़े से हिरासत में लिया गया था। यूपी पुलिस ने दावा किया है कि ये दोनों धर्मगुरु मूक-बधिर छात्रों और कमज़ोर आय वर्ग के लोगों को धन नौकरी और शादी का लालच देकर मुसलमान बना रहे थे।

यूपी पुलिस ने अपने बयान में कहा है कि ये धर्मगुरु पाकिस्तानी खुफ़िया एजेंसी।आईएसआई और विदेशों से फ़ंडिंग भी लेते थे। पुलिस का दावा है कि ये सब एक बड़ी साज़िश के तहत किया जा रहा था।

मुख्यमंत्री के तेवर सख्त

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जांच एजेंसियों को कथित धर्मांतरण के मामले में तह में जाने का निर्देश दिया है. उन्होंने कहा है कि जो भी लोग इस मामले में संलिप्त हैं, उनके खिलाफ़ गैंगस्टर और एनएसए लगाया जाए. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रॉपर्टी ज़ब्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश एटीएस के प्रमुख जीके गोस्वामी ने कहा, गिरफ़्तार किए गए धर्मगुरुओं ने कई हिंदू लड़कियों का धर्म परिवर्तन करवाकर उनकी शादियां भी करवाई हैं। हम उनके ठिकानों से मिले दस्तावेज़ों की जांच कर रहे हैं। अब तक हमारे पास ऐसी 100 से अधिक लड़कियों की जानकारी है जिनका धर्म परिवर्तन करवाया गया है।

उमर गौतम चर्चित इस्लामी प्रचारक हैं और इंटरनेट पर उनके ऐसे कई वीडियो मौजूद हैं जिनमें उन्होंने माना है कि वो इस्लाम के प्रचार का काम करते हैं और धर्म बदलकर इस्लाम अपनाने वाले लोगों की क़ानूनी मदद करते हैं। साल 2010 में उन्होंने दिल्ली के जामिया नगर में इस्लामी दावा सेंटर के नाम से एक केंद्र शुरू किया था जिसके ज़रिए वो धर्म बदलकर मुसलमान होने वाले लोगों की मदद करते हैं।

ये हैं आरोप

यूपी पुलिस ने उमर गौतम और जहांगीर क़ासमी को 20 जून को गिरफ़्तार कर लिया. इससे पहले उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही थी.एटीएस ने आईपीसी की धाराओं 420, 120बी, 153ए, 153बी, 295, 511 और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म सम्परिवर्तन प्रतिषेद अध्यादेश 2020 के तहत लखनऊ के एटीएस थाने में मुक़दमा दर्ज किया है। इसमें उमर गौतम और जहांगीर क़ासमी के अलावा अज्ञात लोगों को भी अभियुक्त बनाया गया है।

एटीएस का आरोप है कि उमर गौतम ग़ैर मुसलमान मूकबधिर लोगों, महिलाओं और बच्चों का सामूहिक धर्म परिवर्तन कर रहे थे.पुलिस का दावा है कि उमर गौतम ने बड़ी संख्या में ग़ैर मुसलमान महिलाओं का धर्म परिवर्तन कराकर उनकी मुसलमानों से शादी करवाई है।

आईजी जी के गोस्वामी से पूछा गया कि क्या कोई पीड़ित महिला सामने आई है या शिकायत की है तो उनका कहना था, अभी तक कोई पीड़ित महिला शिकायत लेकर सामने नहीं आई है। हमने उनके केंद्र से रजिस्टर प्राप्त किए हैं जिनमें ऐसी महिलाओं की जानकारी है. जब हमने उनके परिवारों से संपर्क किया तो उनका कहना था कि उन्हें बेटियों के धर्म परिवर्तन के बारे में जानकारी नहीं थी।जीके गोस्वामी ने कहा, पुलिस की जांच चल रही है और हो सकता है कि आगे शिकायतकर्ता सामने आएं।

पुलिस ने दावा किया है कि उमर गौतम इस्लामी दावा सेंटर के ज़रिए विदेशों से धन प्राप्त करते थे और लालच देकर धर्म परिवर्तन करवाते थे।

मूक-बधिर बच्चों के धर्म परिवर्तन का आरोप

यूपी पुलिस ने अपने बयान में कहा है कि गिरफ़्तार अभियुक्तों ने नोएडा स्थित नोएडा डेफ़ सोसायटी में पढ़ने और प्रशिक्षण लेने वाले मूक-बधिरों का धर्म परिवर्तन करवाया है.वहीं नोएडा डेफ़ सोसायटी के प्रोग्रामिंग अधिकारी मनीष शुक्ला ने बताया की हमें मीडिया के ज़रिए दो लोगों की गिरफ़्तारी के बारे में पता चला है। उनका हमारी एनजीओ से किसी तरह का कोई संपर्क नहीं था। कुछ दिन पहले पुलिस पूछताछ करने आई थी और हमने हर ज़रूरी जानकारी दी दे थी।

धर्म बदलने वाला मूक बधिर कानपूर का है निवासी

जिस युवक के धर्म परिवर्तन के बाद एटीएस ने जांच शुरू की है वह कानपुर के काकादेव इलाके में रहता है और परिवार ने 11 मार्च को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। धर्म बदलने वाला युवक मूक बधिर है और नोएडा की डेफ़ सोसायटी में रहा था. परिजनों का आरोप है कि उसने चुपके से धर्म परिवर्तन कर लिया और समझाने पर नहीं समझा धर्म परिवर्तन करने वाले युवक की मां ने बताया, वो एक दिन रात में घर में नमाज़ पढ़ रहा था. मैंने देखा तो बेसुध हो गई। हमने उससे धर्म न बदलने की बहुत गुहार लगाई लेकिन वो हमेशा यही कहता कि उसका धर्म ही सच्चा धर्म है।

परिवार ने अभी इस युवक को किसी रिश्तेदार के यहां रखा है. युवक के परिजनों ने बीबीसी को बताया, उसके सर्टिफिकेट पर अब अब्दुल्ला नाम है और वो इसी नाम से पुकारने के लिए कहता है। परिजनों का कहना है कि धर्म बदलवाने वाले लोग अभी भी युवक के संपर्क में हैं और उन्हें डर है कि वो फिर घर न छोड़ दे. धर्म बदलने वाला युवक परिवार से नाराज़ होकर चला गया था जिसके बाद 11 मार्च को उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करवाई गई थी।

वहीं कानपुर के कल्याणपुर क्षेत्र के एसीपी दिनेश शुक्ला ने कहा, युवक की गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया था. वह बार-बार नंबर बदल रहा था और ट्रेस नहीं हो पा रहा था। अब इस मामले की जांच एटीएस कर रही है। परिवार का कहना है कि युवक वीडियो कॉल के ज़रिए बात करता था और मां के बीमार होने के बारे में पता चलने पर स्वयं घर लौटा है। युवक की मां ने फ़ेसबुक पर लिखा था कि वो बहुत बीमार हैं और अब नहीं बचेंगी, जिसे पढ़ने के बाद उसका एक मैसेज आया और वो लौट आया. युवक अब भी मुसलमान ही बना रहना चाहता है. वहीं परिजनों का कहना है कि उसे किसी बड़ी साज़िश के तहत फंसाया गया है।

सिन्धु टाइम्स (हिन्दी दैनिक), स्वामी, प्रकाशक / मुद्रक-उरूषा इमरान द्वारा विश्नू ऑफसेट,वैसी की मस्जिद,भानमती चौराहा हुसैनगंज,लखनऊ से मुद्रित कराकर 126/21/1, राना होटल, इस्लामिया कालेज के सामने, लालबाग लखनऊ (उ.प्र.)- 226001 से प्रकाशित।

*संपादक - इमरान हसन सिद्दीकी, RNI NO. UPHIN/39063, MOB.- 9935403111, प्रबंध संपादक- एस.वी.सिंह उजागर, मो- 9451988443, E-Mail : sindhutimes99@gmail.com फेम-0522-4029211 (नोट- किसी भी वाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।)